फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 20 प्रभात जयपुर, रविवार 21 अगस्त, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Gavaskar, Imran in same XI as also Sachin & Akram... Wow!

I was strongly influenced by performances in Test cricket, for that is the premier format.

Starvation: Full-scale Nuclear War

TRIED&TASTED: Weelicious Weekend

Let children learn life skills through cooking.

चिम्पैंज़ी आश्चर्यजनक रुप से होशियार होते हैं। इन्हें औजारों के साथ काम करते हुए देखा गया है और ये अलग-अलग प्रकार की आवाज़ निकाल कर संवाद भी करते हैं। युवा चिम्पैंज़ी अधिकतर अपने बड़ों से सोशल लर्निंग के जरिए संवाद करना और औजारों का उपयोग करना सीखते हैं। हाल ही में शोधकर्ताओं ने वाइल्ड ईस्ट अफ्रीकन चिम्पैंज़ी के एक समूह को कुएं खोदते हुए देखा। उन्होंने पाया कि समूह के सदस्यों ने यह सब एक अन्य समूह से आए प्रवासी चिम्पैंज़ी को देखकर सीखा था। जर्नल प्राइमेट्स में छपी इस चौंकाने वाली रिसर्च में बताया गया है कि, ऑनयोफी नाम की युवा मादा चिम्पैंज़ी वर्ष 2015 में ''वायबीरा'' समूह में आई थी। कुछ ही समय बाद शोधकर्ताओं ने उसे कुंआ खोदते हुए देखा। वैज्ञानिकों ने सोचा कि वायबीरा समूह में आने से पहले वह अवश्य ही कुंआ खोदने वाले चिम्पौंज़ी समूह में रहती होगी। ओनयोफी को कुंआ खोदते देखकर उस समूह के अन्य चिम्पौंज़ी, युवा एवं पूर्ण वयस्क, की भी इस व्यवहार में रुचि जगी। ताकतवर नरों ने जब उसे कुआं खोदते हुए और उससे पानी पीते हुए देखा तो बाद में उन्होंने भी उस कुएं से पानी पिया। फिर तो वायबीरा समूह की अन्य मादा चिम्पौंज़ी भी ऑनयोफी की तरह कुआं खोदने लगीं। किसी भी नर को कुआं खोदते हुए नहीं देखा गया। कुआं खोदने की यह प्रवृत्ति पहले शुष्क भागों में ही देखी जाती थी और शोधकर्ताओं को पहले से ही सवाना के तीन ऐसे चिम्पैंज़ी समूहों के बारे में जानकारी थी जो कुआं खोदते थे। शोधकर्ता हैला पीटर ने एक बयान में कहा, ''हमने वायबीरा में जो देखा है वह सवाना में रहने वाले चिम्पैंज़ी समूहों से भिन्न है। पहला तो यह कि वायबीरा वर्षा वन है, और यह माना जाता है कि यहां पानी प्राप्त करना मुश्किल नहीं होना चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि हर वर्ष कुछ महीनों में जब गर्मी पड़ती है तब संभवतया पानी हासिल करना मुश्किल हो जाता है। एक रोचक बात यह भी है कि वायबीरा में चिम्पौंज़ी ने जो कुंए खोदे हैं वे सब खुले जल स्रोतों के आस-पास हैं, इसका अर्थ है कि कुएं खोदने का आशय सिर्फ पानी हासिल करना नहीं बल्कि साफ पानी हासिल करना है।'' पीटर ने कहा, चिंपैंज़ी को यह पता होना कि कुंए से साफ और अलग स्वाद का पानी मिल सकता है, बहुत ही दिलचस्प पहलू है। इससे साबित होता है कि वर्षा वनों में भी पानी की उपयोगिता कितनी ज्यादा है और इससे यह भी पता चलता है बदलती जलवायु से चिम्पैंज़ी व्यवहारात्मक अनुकूलन कर सकते हैं। अगर बारिश कम हो तो वो कुआं खोद सकते हैं।

राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष के लिये गहलोत का नाम प्रस्तावित किया

सोनिया गांधी को दिये गये प्रस्ताव में राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी व स्वयं को कांग्रेस अध्यक्ष बनने की संभावना से दूर रखा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के अगले अध्यक्ष के लिये अशोक गहलोत के नाम का सुझाव दिया है। उन्होंने यह सुझाव अपनी माँ सोनिया गांधी को दिया है क्योंकि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद के लिये अपनी तथा अपनी बहिन प्रियंका गांधी की सम्भावनाएं खारिज कर दी हैं।

सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस की अध्यक्षता का मुद्दा पूरी तरह खुला हुआ है। इस परिदृश्य में, या तो सोनिया गांधी स्वयं को पूर्ण कांग्रेस अध्यक्ष घोषित करें या परिवार से बाहर के किसी व्यक्ति को इस पद पर लायें। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि लगता तो यही है कि उनकी दिली इच्छा पार्टी को किसी गैर-गांधी को सौंपने की तो नहीं है।

कल 21 अगस्त है, जिस दिन कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरु होनी है लेकिन अभी तक, इससे सम्बंधित किसी प्रकार समयबद्ध कार्यक्रम की घोषणा नहीं हुई है तथा

- **इस प्रस्ताव के बाद सोनिया गांधी के समक्ष दो ही विकल्प हैं या तो स्वयं पुनः पूर्णकालीन अध्यक्ष बनें या किसी गैर गांधी परिवार के नेता को अध्यक्ष पद संभलायें।**
- **राहुल गांधी ने यह प्रस्ताव सोनिया गांधी को जुलाई के अंत में दिया था।**
- **पर, इस प्रस्ताव पर आगे कोई कार्यवाही न होने का मतलब है कि, सोनिया गांधी राहुल के प्रस्ताव से सहमत नहीं और अभी भी राहुल गांधी को ही पार्टी अध्यक्ष के रूप में देखने के लिये कृत संकल्प हैं।**
- **21 अगस्त से कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने की घोषणा हुई थी, परन्तु इस दिशा में भी कोई हरकत नज़र नहीं आ रही तथा यह संभावना भी मजबूत होती नज़र आ रही है कि, कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम आगे खिसका दिया जाये।**

ऐसी कोई गतिविधि भी नजर नहीं आ रही कि चुनाव से सम्बंधित किसी प्रकार की कोई कार्यवाही होने जा रही है।

ऐसी संभावना है कि अनिश्चितता तथा किंकर्तव्यविमूढ़ता के इस वातावरण में, कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव आगे खिसक सकता है। पार्टी ने ''भारत जोड़ो यात्रा'' की तिथि भी पहले खिसकाकर 7 सितम्बर कर दी है। इस दिन राहुल गांधी यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करने के लिये कन्याकुमारी में होंगे तथा वे इस यात्रा में शामिल भी होंगे।

लेकिन प्रश्न यह है कि राहुल वहाँ किस हैसियत से जा रहे हैं तथा वे अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी लिये बिना, इस पद के अधिकारों का प्रयोग कब तक करते रहेंगे। वे कुछ समय से ऐसा ही करते आ रहे हैं तथा इसे देखकर लगता है कि कोई बदलाव होने वाला नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि राहुल ऐसा मानते हैं कि गहलोत एक वरिष्ठ नेता हैं तथा वे बहुत अनुभवी हैं तथा वे कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी को संभाल लेंगे। समझा जाता है कि राहुल ने सोनिया गांधी के समक्ष गहलोत का नाम जुलाई के अंत में ही प्रस्तावित कर दिया था, लेकिन चूंकि इस दिशा में आगे कोई भी हलचल नहीं हुई है, इसलिये इस बात की काफी संभावना है कि सोनिया गांधी राहुल के सुझाव से सहमत नहीं हुई है क्योंकि इस बात पूरी तरह अड़ी हुई हैं कि राहुल ही पार्टी की बागडोर संभालें। अगर गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बना दिये जाते हैं तो यह साफ है कि राजस्थान में नये मुख्यमंत्री के लिये मैदान खाली हो जायेगा, क्योंकि राज्य विधानसभा के चुनावों में लगभग एक वर्ष ही शेष है।

स्टैण्ड अप कमीडियन पर राजनीति छिड़ी कर्नाटक व तेलंगाना में

बैंगलोर में इस कमीडियन, मुन्नवर फारूकी का ''शो'' रद्द करवाया पुलिस ने, भाजपा की शिकायत पर

-लक्ष्मण वैंकेट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। कर्नाटक और तेलंगाना में एक साल से भी कम समय के अन्दर विधानसभा चुनाव होने हैं तथा इन दोनों ही राज्यों में विचारधारा कानून व्यवस्था तन्त्र को निम्न दिशा में ले जाती प्रतीत हो रही हैं।

दोनों ही राज्य स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूक़ी को बुलाने वाले थे। ज्ञातव्य है कि फारूक़ी इससे पहले कई अवसरों पर सत्ता पर कटाक्ष कर चुके हैं तथा कुछ समय के लिये जेल भी जा चुके हैं।

अब, बेंगलुरू के दक्षिणपंथी संगठनों तथा भाजपा ने उनके आगमन को लेकर उपद्रव शुरू कर दिया तथा उनका शो रद्द किये जाने की माँग की। और ये संगठन कामयाब भी रहे।

- **हैदराबाद (तेलंगाना) में फारूकी के ''शो'' को अनुमति ही नहीं दी, बल्कि स्थानीय भाजपा विधायक टी. राजा सिंह व उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया, फारूकी के ''शो'' से पहले, शांति भंग करने की आशंका में।**
- **विधायक व उनके समर्थकों को हिरासत में लेने से भाजपा ज्यादा दुखी नहीं है, क्योंकि इस कृत्य के बाद तेलंगाना सरकार पर ''हिन्दु विरोधी'' का तमगा आसानी से फिट किया जा सकता है तथा हिन्दू व गैर हिन्दुओं के बीच चुनाव जिताने वाला ध्रुवीकरण और भी आसान हो जाता है।**

लेकिन इसी प्रकार का एक और शो इसी व्यक्ति द्वारा बेंगलुरू में किया जाना था किन्तु बेंगलुरू प्रशासन तथा पुलिस का विचार, हैदराबाद प्रशासन के विचार से ठीक उलटा था।

ऐसा लगा कि बेंगलुरू में प्रशासन इस बात का इन्तजार कर रहा था कि कोई व्यक्ति इसकी शिकायत करे। आखिर, एक अल्पज्ञात दक्षिण पंथी संगठन 'जय श्री राम सेना संगठन' आगे आया तथा उसने कहा कि स्टैंड-अप कॉमेडियन मुनव्वर फारूक़ी द्वारा किये जाने वाले शो ''डोंगरी दु नोवेयर'' से हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को आघात लगेगा। पुलिस ने शुक्रवार को होने वाले इस शो को आनन-फानन में रद्द कर दिया।

पिछले साल नवम्बर में भी, बेंगलुरू में फारूक़ी का एक शो इसी प्रकार रद्द कर दिया गया था।

लेकिन तेलंगाना की राजधानी, हैदराबाद में, दक्षिणपंथी, संगठनों तथा भाजपा कार्यकर्ता, शो के स्थान पर आग लगा देने की धमकी दे रहे थे, वहां एक अलग सोच उभरी। पुलिस तुरन्त हरकत में आ गई। तेलंगाना, जहाँ तेलंगाना राष्ट्र समिति, जिसने अभी हाल ही में क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को चुनौती दे रखी है, की सत्ता है। इसलिये तेलंगाना राष्ट्र समिति ने इस आयोजन का समर्थन कर दिया तथा पुलिस ने भी आयोजन

(शेष पृष्ठ 7 पर)

ई.डी. भी शामिल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सी.बी.आई. ने एन्फोर्समैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) से कहा है कि वह निजी कारोबारियों को शराब व्यवसाय की छूट देने वाली दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में किए गए कथित भ्रष्टाचार में मनी लाँड्रिंग के आरोपों की जांच करे।

- **दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ चल रही शराब नीति घोटाला जांच में ई.डी. भी शामिल हो गई है।**

सी.बी.आई. के एक अधिकारी ने बताया कि इस केस में एजेंसी ने जो एफ.आई.आर. दर्ज की थी, उसे उसने ई.डी. के साथ पहले ही साझा कर लिया है। उन्होंने बताया कि सी.बी.आई. ने कुछ आरोपियों को भी तलब किया हैं,

(शेष पृष्ठ 7 पर)

'भाजपा केजरीवाल में मोदी के खिलाफ सशक्त उम्मीदवार देखती है'

सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में इसी लय में कहा, ''एक्साइज़ नीति'' तो बहाना है, केन्द्र ने केजरीवाल सरकार की छवि खराब करने के लिये सिसोदिया के ठिकानों पर सी.बी.आई. के छापे मारे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। अब यह प्रामाणिक है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का महासंघर्ष नरेन्द्र मोदी और अरविन्द केजरीवाल के बीच होगा। भारतीय मतदाता पिछले संसदीय चुनावों में बड़ा बहुमत जुटाने वाली मोदी-शाह की शक्तिशाली जोड़ी के खिलाफ पिछले एक लम्बे समय से किसी चतुर और विश्वसनीय उम्मीदवार की प्रतीक्षा में थे।

उनकी प्रतीक्षा अब समाप्त हो गई लगती है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री तथा शिक्षा एवं आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया, जो कि कथित शराब लायसैंस घोटाले को लेकर चर्चा का केन्द्र बने हुए हैं, ने अपने राजनीतिक गुरू एवं मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के पक्ष में अन्ततः आवाज उठाई है।

- **सिसोदिया ने यह भी कहा कि, कुछ समय पूर्व आप सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के ठिकानों पर ''रेड'' करके उन्हें गिरफ्तार किया है, अब शीघ्र ही वे भी गिरफ्तार किये जायेंगे।**
- **भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा, नयी एक्साइज़ पॉलिसी जारी करने के बाद, जब दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफैंस विंग ने जांच शुरू की, तो सिसोदिया ने एक्साइज़ पॉलिसी वापस ले ली। क्या यह कृत्य चोर की दाढ़ी में तिनके का मामला नहीं है।**

जुझारू सिसोदिया, जिन पर आबकारी नीति में खामियों को लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों में सी.बी.आई. ने छापा मारा था, ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए स्थिति को तुलनात्मक रूप से सही करने की कोशिश की। भाजपा द्वारा उन पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उन्होंने घोषणा की कि यह एक ढोंग के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि ''भ्रष्टाचार बिल्कुल कोई मुद्दा नहीं था। इस पूरी कवायद का उद्देश्य कोविड-19 की वैश्विक महामारी के

(शेष पृष्ठ 7 पर)

'भद्र व्यवहार'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का मोबाइल फोन, लैपटॉप और आबकारी नीति से सम्बंधित फाइलें जब्त कर लीं

- **दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सी. बी. आई. का धन्यवाद किया कि रेड के दौरान सी. बी.आई. अफसरों ने उनके परिवार के साथ भद्र व्यवहार किया।**

जिसे 30 जुलाई को रद्द कर दिया गया था। सी.बी.आई. ने शुक्रवार को 14 घंटे तक सिसोदिया के आवास पर तलाशी ली। शुक्रवार को सुबह स्पेशल सी.बी.आई. जज एम.के. नागपालन ने राउस स्वेन्यु कोर्ट में एक्साइज़ पॉलिसी घोटाले में सर्च वॉरंट जारी किया था। वॉरंट 17 अगस्त को दर्ज एफ.आई.

(शेष पृष्ठ 7 पर)

आज राजीव गांधी अठहत्तर वर्षीय वृद्ध जरूर होते, पर चेहरे पर संतुष्टि होती (1)

एक उत्साही युवा की भांति ही उन्होंने प्र.मंत्री बनने के बाद कहा था, ''मुझे भी सपना देखने का अधिकार हैः भारत के भविष्य का सपना''

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। अगर राजीव गांधी जीवित होते, वे आज कुछ बुर्जुग दिखाई देते। वे 78 साल के हो गये होते। लेकिन वे सदा-सर्वदा के लिये युवा ही बने रहेंगे, एक ऐसे युवा, जिन्होंने एक बार कहा था कि उन्हें सपने देखने का, खासतौर से भारत के बारे में सपने देखने का अधिकार हैं।

राजीव गांधी अनिच्छापूर्वक बने राजनेता थे। उन्हें उनकी माँ इन्दिरा गांधी राजनीति में लाई थीं। और जब उनसे पूछा गया कि कोलकाता के ए.आई.सी.सी. अधिवेशन में उनके इस नये ''महासचिव'' का प्रदर्शन कैसा रहा, तो वे बहुत नाराज हो गई थीं।

शाम के समय, प्रैस के साथ चल रही अनौपचारिक बातचीत के दौरान, एक पत्रकार द्वारा पूछ लिये गये इस प्रश्न को तत्कालीन प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत अपमान के रूप में ले लिया था। राजीव गांधी चन्द रोज पहले ही कांग्रेस पार्टी में महासचिव के रूप में शामिल किये गये थे, और ईमानदारी की बात तो यह है कि तब उनके प्रदर्शन के बारे में लिखने जैसा कुछ भी नहीं था।

राजीव गांधी उस दिन सुबह के समय एक विशाल सभा में अपना पहला भाषण दे रहे थे। जब वे मंच से बोल रहे थे, तो एक तमाशा जैसा लग रहा था-आँकड़े और सूचनाएँ आपस में गड्डमड्ड हो रही थी। प्रणव मुखर्जी, जो उहें सहजता से बोलने में सहायता करने के लिये उनकी बगल में बैठे थे, उन्हें प्रोत्साहित करते जा रहे थे।

- **जो कुछ नन्हे-नन्हे कदम उन्होंने उठाये थे, टेलिकॉम, एयर लाइंस के क्षेत्र में, वे ही आधार बने भारत के आई.टी. सैक्टर की सफलता के।**
- **टेलीकॉम में सैम पित्रोदा का अनुभव व एक्सपरटीज़ काम आयी। राजीव गांधी के इण्डियन एयर लाइंस के पायलट के रूप में अनुभव ने इस सैक्टर को ''लिब्रलाइज़'' करने व आधुनिकता की ताजी बयार लाने व प्रसार करने में उपयोगी साबित हुए।**

लेकिन ऐसा होना ही नहीं था। प्रणव मुखर्जी आँकड़ों एवं विस्तृत विवरण के मामले में एक दम पक्के थे। और राजीव गांधी इसके ठीक विपरीत। आँकड़ों और तथ्यों पर उनकी कोई पकड़ नहीं थी। तथा सच तो यह है कि उन शुरूआती दिनों में, उन्हें इस बात की ज्यादा जानकारी भी नहीं थी कि अर्थव्यवस्था किस तरह चलती हैं।

लेकिन राजीव गांधी की सबसे बड़ी और खास बात उनका आकर्षण था। पूरा दिन गुजर जाने के बाद, शाम तक उनकी एक मद्र एंव शिष्ट व्यक्ति की छवि उभर कर आ चुकी थी, और उनके बारे में हर व्यक्ति की प्रतिक्रिया इसी प्रकार की थी। उनकी सोच एवं उद्देश्य अच्छे थे तथा भारत के भविष्य को लेकर उनकी सोच एवं स्वप्न आधुनिक था।

अगर भारत को प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी का 1984 से 1989 तक का छोटा सा कार्यालय नसीब नहीं हुआ होता, तो आज भारत की स्थिति बिल्कुल भिन्न होती। उन्होंने सैम पित्रोदा को अनेक टेक्नॉलजी-मिशनों का प्रमुख बनाया। इनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण मिशन था-टेलीकॉम मिशन।

सैम पित्रोदा टेलीकॉम-विशेषज्ञ थे तथा उन्होंने, उस समय की शब्दावली में, ''सी डॉट'' कहा जाता था। इसके जरिये ग्रामीण क्षेत्रों के लिये कुछ विशेष टेलीकॉम एक्सचेंज तथा व्यापक टेलीकॉम नैटवर्क विकसित हुआ। इसके अलावा, ऐसे अनेक कदम उठाये गये, जिनके द्वारा भारत की टेलीकॉम की रीढ़ में गुणात्मक परिवर्तन आया।

उसी समय में टैलीकॉम नैटवर्क्स को प्राइवेट सैक्टर्स के लिए धीरे-धीरे खोलने की शुरूआत हुई। इस एकमात्र कदम में टैलीकॉम सर्विस प्रावधान पर से सरकार का शिंकजा समाप्त करके उसे उदार बना दिया और देश में होने वाली आई.टी. क्रांति की नींव रख दी।

कुल मिलाकर, भरोसेपंद एवं

(शेष पृष्ठ 7 पर)

डॉक्टरों को ''फ्रीबीज़''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट में दो दिन पहले यह यह सनसनीखेज खुलासा हुआ था कि कोविड-19 की महामारी के दौरान डोलो-650 दवाई लिखने के लिए डॉक्टर्स को 1 हजार करोड़ रूपए के उपहार स्वरूप दिए गए। पर शनिवार को

- **डोलो दवा कम्पनी ने सुप्रीम कोर्ट में इस आरोप को नकार दिया कि, उसने डोलो-650 प्रिस्क्राइब करने के लिए डॉक्टरों को 1000 करोड़ रू. की फ्रीबीज़ दी थी।**

इस दवा के निर्माताओं ने इस आरोप से साफ को इंकार करते हुए इसे पूर्णतया झूठा और निराधार बताया। डोलो-650 एक एंटीपायरैटिक और बुखार कम करने की दवाई है जिसकी वैश्विक महामारी के दौरान जबर्दस्त डिमांड थी।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। –अथर्ववेद

घर-घर औषधि उपवन

आज से 40 वर्ष पहले, प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य जिन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा से मुझे आयुर्वेद के सभी आठ अंगों में प्रशिक्षित किया, से वनों में औषधियां एकत्र करने के बीच मैंने एक सहज प्रश्न किया कि आदर्श स्थिति में औषधालय कहाँ स्थित होना चाहिये। उत्तर था, जहाँ औषधीय वन और आयुर्वेदाचार्य, वहीं औषधालय। यह उत्तर आज भी यथावत प्रासंगिक है। हाँ, यदि समीप में वन न हों तो आप औषधीय पौधों का उपवन लगा सकते हैं।

औषधीय पौधों पर प्राचीन संदर्भ 4500 ईसा पूर्व ऋग्वेद में मिलता है। बाद में आयुर्वेदिक संहिताओं और ग्रंथों में इस विषय पर गंभीर और विस्तृत विवेचन हुआ है। प्राचीन काल से ही औषधीय पौधों की परिभाषा पर मंथन होता आया है। एक बड़ा प्रसिद्ध श्लोक है (शुक्रनीतिः 2/126): अमंत्रं अक्षरं नास्ति नास्ति मूलमनौषधम्। अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः॥ तात्पर्य कोई अक्षर नहीं जो मंत्र में काम न आये,कोई जड़ी नहीं है जो औषधि न हो। कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता,बल्कि इन सब को जोड़ने वाला व्यक्ति ही दुर्लभ होता है।

आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी एवं सोवारिगपा एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में प्रयोग होने वाली औषधियां मुख्यतया पेड़-पौधों से प्राप्त होती हैं। यही कारण है कि वनों से निरंतर अति-दोहन के कारण अब औषधीय पौधों की अनेक प्रजातियाँ संकटापन्न होने से दीर्घकालीन संरक्षण, संवर्द्धन एवं खेती हेतु रणनीति बनाकर क्रियान्वित करना आवश्यक है। इनमें प्राकृतिक आवास में यथा-स्थान संरक्षण, व्यापारिक खेती, उपवनों, बाग़-बगीचों, कृषिवानिकी और वृक्षारोपण क्षेत्रों में संरक्षण, संवर्धन, डोमेस्टीकेशन तथा नई किस्मों का विकास आदि शामिल हैं। राजस्थान सरकार द्वारा प्रारम्भ की गयी घर-घर औषधि योजना केवल सरकार की नहीं हर घर का अभियान है। यह वृक्षायुर्वेद का व्यापक, अनूठा व नवाचारी क्रियान्वयन है। कहा जाता है जहाँ औषधीय पौधे और वैद्य हों वहीं औषधालय हो जाता है। आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, एवं सोवा रिगपा एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में प्रयोग होने वाली औषधियां मुख्यतया पेड़-पौधों से प्राप्त होती हैं। वनों से निरंतर अति-दोहन के कारण अब औषधीय पौधों की अनेक प्रजातियाँ संकटापन्न होने से दीर्घकालीन संरक्षण, संवर्द्धन एवं उगाने हेतु रणनीति बनाकर क्रियान्वित करना आवश्यक है। इनमें प्राकृतिक आवास में यथा-स्थान संरक्षण, व्यापारिक खेती, उपवनों, बाग़-बगीचों, कृषिवानिकी और वृक्षारोपण क्षेत्रों में संरक्षण, संवर्धन, डोमेस्टीकेशन तथा नई किस्मों का विकास आदि शामिल हैं। आज की चर्चा घर-घर में औषधीय पौधों को उगाने की विधियों पर केन्द्रित है।

घर में औषधीय पौधे उगाने केसात सहज सूत्र हैं जो घर-घर को सुखदायी और आरोग्यकर बनाये रखते हैं।

पहली बात यह है कि घरों में औषधीय पौधों की उन प्रजातियों को उगाया जाना बहुत लाभकारी होता है जो रोजमर्रा की चिकित्सा हेतु प्रयोग में आती हैं। घर-घर औषधि योजना के अंतर्गत आयुर्वेद के चार श्रेष्ठतम औषधीय पौधे तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा, और गुडूची के पौधे वन विभाग की पौधशालाओं में उगाकर जुलाई-अगस्त से नवंबर-दिसम्बर माह के मध्य वितरित किये जायेंगे। इन्हें प्राप्त कर आप अपने बगीची में या गमलों में भी लगा सकते हैं।

दूसरी बात यह है कि यदि आप इन प्रजातियों को तुरंत उगाना चाहते हैं तो तुलसी, कालमेघ और अश्वगंधा के उपयोग योग्य पौधे बीजारोपण से घर की बगीची में या अपार्टमेन्ट की बालकनी या टेरेस-गार्डेन में रखे माध्यम आकार के गमलों में उगाये जा सकते हैं। गुडूची या गिलोय की कलम भी बगीची या दो से तीन फीट गहरे और बड़े आकार के गमलों में रोपित कर लताओं-बेलों को सहारा देकर चढ़ाया जा सकता है। गुडूची के तने की कलम जिसमें कम से कम तीन नोड हों, को सीधी मिट्टी में लगा सकते हैं। कलम के एक नोड को मिट्टी में गाड़ देना चाहिए और कम से कम एक नोड ऊपर ताने के फुटान के लिये रखना चाहिये। गुडूची की कलम प्राप्त करते समय ध्यान दीजिये कि वायुवीय जड़ों की कलम नहीं लगायें। इनमें फुटान नहीं होगा। राजस्थान में प्राप्त होने वाले बीजों में से अश्वगंधा के एक मुट्ठी बीजों का वजन 20 ग्राम होता है और बीजों की संख्या 8,520 होती है। इसी प्रकार रामा तुलसी में एक मुट्ठी में 22 ग्राम बीज आते हैं और इनकी संख्या 48,400 होती है। कालमेघ के एक मुट्ठी बीच में 30 ग्राम बीज आते हैं जिनकी कुल संख्या 13,500 बीज होती है। इस प्रकार अश्वगंधा में 426 बीज प्रति ग्राम, तुलसी में 2,200 बीज प्रति ग्राम तथा कालमेघ में 450 बीज प्रति ग्राम आकलित गए हैं। यह गणना राजस्थान के एक सैंपल पर आधारित है और वैश्विक स्तर पर हुये आकलनों से इसमें थोड़ी-बहुत भिन्नता हो सकती है। लेकिन अनुमान के लिए यह आंकड़े उचित और पर्याप्त हैं। इसका तात्पर्य यह हुआ कि बीज बहुत छोटे आकार के होते हैं और यदि आप गमलों या छोटी क्यारी में सीधी बुवाई करना चाहते हैं तो एक चुटकी से भी बहुत कम बीज चाहिये। इन बीजों को आप अपने आस-पास से एकत्र कर सकते हैं। पड़ोसियों या रिश्तेदारों से प्राप्त कर सकते हैं। इन्हें आप बाज़ार से भी खरीद सकते हैं।

घर-घर औषधीय पौधों का रोपण, सार-संभाल और उपयोग इन प्रजातियों के बारे में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को विलुप्त होने से बचा सकता है। पौधों के रोपण और रखरखाव में बच्चों को साथ में लेकर चलने से इंडीजीनस-नॉलेज या पारंपरिक ज्ञान स्वतः ही अगली पीढ़ी को मिलने लगता है। स्थानीय ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने का यह सबसे सशक्त माध्यम है।

तीनों प्रजातियों के बीज गमलों में या मिट्टी में खुरपी से खुदाई कर 1 से 2 सेंटीमीटर गहरे बुवाई कर दीजिये, बीज ज्यादा गहरे नहीं डालें। तुलसी, कालमेघ और अश्वगंधा के बीजों में थोड़ा राख मिलायें और गमले की मिट्टी या जमीन की क्यारी में ऊपर जरा सी राख की परत बुरक दें, नहीं तो चींटियाँ बीज ढोकर ले जाती हैं। बुवाई के पहले गमले या क्यारी की मिट्टी की सिंचाई करना जरूरी रहता है। लगभग 6 से 12 दिन के अन्दर तुलसी, कालमेघ और अश्वगंधा में अंकुरण पूर्ण हो जाता है। लगभग 8 से 12 दिन में तुलसी, 6-7 दिन में कालमेघ, और 6-10 दिन में अश्वगंधा में अंकुरण हो जाता है। अंकुरण होने तक बहुत हल्की सिंचाई करना चाहिये। उसके बाद आवश्यकतानुसार ही सिंचाई करना उपयुक्त रहता है। अगर बहुत से बीज गमले या क्यारी में अंकुरित हो गये हों तो आप इन्हें अंकुरण के तीन-चार सप्ताह के भीतर उखाड़कर अन्यत्र भी रोपित कर सकते हैं।

तीसरी बात यह है कि छोटे बाग़-बगीचों या अपार्टमेन्ट की बालकनी में रखें गमलों में तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा और गिलोय तो लगा ही सकते हैं पर घर-घर औषधि योजना को आप अपने स्तर पर सदैव के लिये आगे बढ़ाते हुये साल-दर-साल कुछ बहुउपयोगी पौधे उगा सकते हैं।अगर आप अपनी बगीची को इन चार महत्वपूर्ण प्रजातियों से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो ध्यान रखें कि चुनी गई औषधीय प्रजातियाँ ऐसी हों जो भोजन, रसायन एवं औषधि तीनों में ही प्रयुक्त होती हों, त्रिदोषशामक हों, और विविध प्रकार के रोगों के विरुद्ध चिकित्सा में प्रयुक्त हो सकें। तिजोरी में धन और बगीचे में पौधों का संग्रह धीरे-धीरे ही होता है। अतः यदि आप एक साथ औषधीय पौधों की बुवाई या रोपण न कर सकें तो अपनी बगीची या अपार्टमेन्ट की बालकनी में प्रजातियों की विविधता को समय के साथ बढ़ाते रहें और अगली पीढ़ी को औषधीय पौधे और उनके उपयोग का ज्ञान दोनों देकर संपन्न बनायें।

चौथा यह है कि यदि आपके पास थोड़ी जमीन है तो बगिया का कुछ क्षेत्र ऐसा अवश्य हो जहां अनेक प्रजातियों के पौधे इस प्रकार लगाये जायें कि प्राकृतिक क्षेत्र का आभास हो। यदि बगीचे में अनेक औषधीय प्रजातियों के पौधे उगाना चाहते हैं तो इनमें से अधिसंख्य को बगीचे के एक कोने में बेतरतीबी से बहु-प्रजातीय रोपण करें। इसभाग में मानव दखल कम से कम करें ताकि प्राकृतिक वनों की तरह बीजोत्पादन, बीज विकीर्णन, पुनरुत्पादन जैसी पारिस्थितिकीय प्रक्रियायें समय के साथ अपने आप संचालित होने लगें।बगिया का यह सेमी-वाइल्ड हिस्सा बहुत मनोहारी, आरोग्यकर एवं उपयोगी होता है।

पांचवीं बात यह कि जैसा पहले कहा गया है, वन विभाग की पौधशालाओं में घर-घर औषधि योजना के अंतर्गत तुलसी, कालमेघ, अश्वगंधा और गिलोय के पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे परन्तु बीज, कलम और पौधे प्राप्त करने के और भी तरीके हैं। सबसे आसान तरीका परिवारों के मध्य पौधों और बीजों का आदान-प्रदान है जो मानव सभ्यता के विकास के साथ ही विकसित हुआ है। उदाहरण के लिये, जब भी आप किसी परिवार की सुंदर बगीची देखें तो उनसे कुछ पौधे अवश्य मांग कर लायें और अपने बगीचे में लगायें। इसी प्रकार आप उन लोगों को भी कुछ पौधे उपहार में दें। घर की बगिया या गमलों में उग रहे औषधीय पौधे प्रमाणिक औषधि के साथ ही उत्तम बीजों का स्त्रोत भी हैं। अपने पड़ोसियों, मित्रों और संबंधियों के साथ बीजों का आदान-प्रदान हमारी पुरानी परंपरा है। यह परंपरा आज भी पूरे दुनिया में किसी न किसी रूप में विद्यमान है। बीजों के इस आदान-प्रदान को सम्पूर्ण विश्व का समाज एक सुखद तोहफ़ा मानता है।

छठा, उपवन या बगीचे के आरोग्यकर, बहुउपयोगी एवं मनोहारी दृश्य का स्वास्थ्य पर गंभीर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। प्रतिदिन जब आप अपनी बगीची को शांत-चित्त होकर निहारते हैं तो आपमें स्वयं स्वस्थ रहने और परिवार को स्वस्थ रखने की उत्कट लालसा जागती है। यह दिव्य मनोवैज्ञानिक प्रभाव औषधि की तरह कारगर है। यह कथन कोरे उत्साहवर्धन के लिये नहीं, बल्कि विश्व में हरियाली और स्वास्थ्य के संबंधों पर प्रकाशित 6000 से अधिक शोध-पत्रों का निचोड़ है।

सातवाँ सूत्र, जैसा कि पूर्व में बताया गया है,यदि आपके पास जगह की कमी है या आप अपार्टमेंट्स में रहते हैं तो गमलों में भी अनेक प्रजातियों के पौधे उगाये जा सकते हैं। बगीचे में यदि पानी की कमी हो तो कम से कम वर्षा ऋतु में पौधों के इर्द-गिर्द थांवला बनाकर वर्षा-जल संरक्षण किया जा सकता है।

घर-घर औषधीय पौधों का रोपण, सार-संभाल और उपयोग इन प्रजातियों के बारे में उपलब्ध पारंपरिक ज्ञान को विलुप्त होने से बचा सकता है। पौधों के रोपण और रखरखाव में बच्चों को साथ में लेकर चलने से इंडीजीनस-नॉलेज या पारंपरिक ज्ञान स्वतः ही अगली पीढ़ी को मिलने लगता है। स्थानीय ज्ञान को विलुप्त होने से बचाने का यह सबसे सशक्त माध्यम है। मेरा दीर्घकालिक व्यक्तिगत अनुभव है कि जैसे-जैसे पारंपरिक रूप से उगाये जाने वाले पौधे हमारे आसपास से विलुप्तप्राय होने लगते हैं, वैसे-वैसे पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी में स्थानीय ज्ञान का आदान-प्रदान भी रुकने लगता है। आज विश्व भर में पीढ़ियों से संचित स्थानीय ज्ञान के समाप्त होने का यह मूल कारण है। पीढ़ियों से संजोये जा रहे स्थानीय ज्ञान का प्रयोग कर औषधीय पौधों की सार-संभाल जनोपयोगी जैव विविधता के संरक्षण की ठोस रणनीति भी है। औषधियों के बारे में पारम्परिक ज्ञान के क्षरण को रोकने में घर-घर औषधि योजना का बड़ा योगदान हो सकता है। घर में औषधीय पौधों का रोपण देश, समाज और परिवार के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बगिया में उग रहे पौधे सहज ही स्वस्थ रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। घर में आज उगाये गये औषधीय पौधे कल हमारे प्रियजनों की भी जान बचा सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

क्या अवसाद का सही उपचार हो रहा है?

अवसाद को ज्यादातर लोग डिप्रेशन के नाम से जानते हैं। यह बड़ी संख्या में पाई जाने वाली मन की एक बीमारी है जिससे भारत के कोई एक करोड़ लोग हर साल प्रभावित होते हैं।

अवसाद वह मानसिक अवस्था होती है जिसमें कोई व्यक्ति उदास रहने लगे, जीवन की दिनचर्या के प्रति उदासीन हो जाए और उत्साह को खो देता हो। उसकी बातों में नकारात्मकता आ जाती है, निराशा उसके व्यक्तित्व का एक हिस्सा हो जाती है। अवसाद की इस हालत में व्यक्ति आत्महत्या तक भी कर सकता है। इस तरह से हम देखते हैं कि अवसाद अर्थात डिप्रेशन एक बड़ा रोग है जिसका निदान एवम् उपचार होना आवश्यक है। निदान सदा एक अनुभवी चिकित्सक द्वारा ही करवाना चाहिए।

अब जो बड़ी समस्या आती है वह निदान के बाद की है। जब यह सवाल उठता है कि रोग का तो पता चल गया, अब किया क्या जाए। सन् 1960 के दशक में कुछ दवाइयां उपलब्ध हुई जो कि हमारे रक्त और मस्तिष्क में एक हार्मोन सेरोटोनिन के स्तर तो बढ़ाती हैं। इन दवाओं से अवसाद के रोगी को काफी प्रारंभिक फायदा हुआ तो यह माना जाने लगा कि शरीर में सेरोटोनिन का स्तर कम होने से व्यक्ति अवसाद में चला जाता है।

आगे चलकर ज्यों-ज्यों विश्व में शहरीकरण होने लगा, जीवन में जीविकोपार्जन का संघर्ष बढ़ने लगा तो बड़ी संख्या में लोग अवसाद में जाने लगे। समय के साथ अवसाद की दवाओं की बिक्री वैश्विक स्तर पर लाखों करोड़ रुपयों की होने लगी। डॉक्टर्स और दवा की कंपनियां सब सेरोटोनिन सिद्धांत को सहारा देने लगे। कोई 80 प्रतिशत लोग भी मानते हैं कि डिप्रेशन की दवाएं जो सेरोटोनिन बढ़ाती हैं वे ही एकमात्र सहारा हैं। पर क्या दवाओं के बड़े उपयोग के बाद भी धरती से अवसाद कम हुआ?

जवाब सदा ना में ही रहेगा।

ब्रिटेन में एक बड़े अध्ययन के अनुसार डिप्रेशन के रोगियों में सेरोटोनिन का रक्त स्तर तकरीबन सामान्य ही पाया जाता और अभी तक किसी भी अध्ययन में यह पूर्णतया सिद्ध नहीं हुआ है कि किसी रसायन की कमी से व्यक्ति अवसाद में जाता है। इस अध्ययन में कोई 165,000 लोग शामिल हुए थे। यह अध्ययन दो बातें सिद्ध करता है। पहली तो यह कि चूंकि दवाएं विकसित हो गई थी, कुछ फायदा भी पहुंचाती थी इसलिए इस बात को आसानी से मान लिया गया कि सेरोटोनिन की कमी से ही डिप्रेशन रोग का रूप ले लेता है। दूसरे, रोगी को कुछ सहारा दवा के रूप में मिल गया और चिकित्सक को रोगी मिलने लगे। बस डिप्रेशन अरबों रुपए का व्यापार हो गया।

डॉ. रामावतार शर्मा

सरकारों को खूब टैक्स मिलने लगा और एक आधा अधूरा इलाज पूरे विश्व में प्रसारित हो गया। ऐसा नहीं है कि दवाएं पूरी तरह निरर्थक हैं पर हर निष्पक्ष चिकित्सक जानता है कि दवाओं की सहायता से कोई रोगी डिप्रेशन के चक्रव्यूह से बाहर नहीं निकल सकता है। उसे बस थोड़ा सहारा और समय मिल जाता है।

ब्रिटेन में हुई शोध की अग्रणी प्रोफेसर जोआना मॉन्क्रीफ का कहना है कि अवसाद के लिए काम में ली जाने वाली दवाओं का उपयोग प्रश्नों के घेरे में है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के मनोचिकित्सक डॉक्टर मार्क होरोविट्स के अनुसार भी सेरोटोनिन या अन्य रसायनों का डिप्रेशन से कोई सीधा संबंध नहीं है। इन्ही दोनों बातों का समर्थन बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी के डॉक्टर नसीम घाएमी ने भी किया है। एक अन्य अध्ययन में टोरंटो महाविद्यालय के डॉक्टर रॉजर मेलंटायर ने भी सेरोटोनिन और अवसाद में किसी सीधे कारण और प्रभाव से इंकार किया है। ये सभी विशेषज्ञ शोधकर्ता मानते हैं कि डिप्रेशन का पूर्ण उपचार दवाओं से संभव नहीं है। यहां दवाएं उसी तरह से काम करती हैं जैसे बुखार में पैरासिटामोल। बुखार तो एक बार उतर जायेगा।

पर बीमारी वहां की वहां ही रहेगी और समय के साथ बढ़ेगी भी।

अवसाद को मिटाना है तो उसके कारणों का विश्लेषण करना पड़ेगा। कारण अधिकतर मामलों में व्यक्तिगत रिश्तों में दरारें, गरीबी, बेरोजगारी, अहंकार, प्रतिस्पर्धा, अति महत्वाकांक्षा, निकम्मापन, अकुशलता, हिंसा, द्वेष, घृणा, भेदभाव, पक्षपात आदि होते हैं। समाज निष्ठुर है, आबादी घनी है, संसाधन कम हैं और सामाजिक सौहार्द गायब सा हो गया है। अपने संघर्ष में हर कोई अपने आप को अकेला पाता है तो अवसाद ही होगा। जो भी व्यक्ति अपनी बौद्धिक चेतना को विकसित नहीं करता उसके अवसाद में जाने की संभावनाएं बनी ही रहेंगी। जीवन का आनंद पाना है तो बौद्ध बनो या फिर बुद्धू।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

घर-घर नल योजना में लाखों रुपए खर्च, शुरू नहीं हुई जलापूर्ति

भीम, (निसं)। शुद्ध पेयजल के लिए घर-घर नल योजना में लाखों रुपए खर्च होने के बाद भी जलापूर्ति शुरू नहीं हो पाई और दो साल पहले स्वीकृति के बाद भी पक्की सड़क का कार्य शुरू नहीं हो पाया। ये हालात भीम प्रधान वीरमसिंह रावत के गृह क्षेत्र भरतवा गांव के हैं, जो डूंगरखेड़ा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। प्रधान बीरमसिंह ने राजनीतिक द्वेषता से कार्य अधूरा होने का आरोप लगाया है। कुएं में पर्याप्त पानी है, टंकी भी बन गई, फिर भी घर-घर नल पहुंचाने का कार्य जलदाय विभाग ने रोक दिया। इससे जलदाय विभाग, पीडब्लूडी के साथ पूरे प्रशासनिक तंत्र पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार राजसमंद जिला मुख्यालय से करीब डेढ़ सौ और भीम उपखंड मुख्यालय से पचास किमी. दूर स्थित भतरवा गांव के विकास में राजनीतिक खींचतान भारी पड़ रही है। इस गांव में सड़क, पानी व नाली की प्राथमिक सुविधाएं भी शासन प्रशासन और जिम्मेदार महकमे उपलब्ध नहीं करवा पाए। खास बात यह है कि पक्की सड़क के लिए दो साल पहले स्वीकृति जारी हो गई, लेकिन कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाया। दूसरी तरफ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा घर-घर नल पहुंचाने की योजना के तहत दो कुएं खोद दिए, टंकी बना दी और गांव में ऐसे ही प्लास्टिक का पाइप भी रख दिया, लेकिन न तो घर घर नल दिए गए और न ही जलापूर्ति शुरू की गई। पाइप को ठीक से जोड़ा भी नहीं और पाइप की ज्वाइंट भी बिना क्लिप के किया, जिससे कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। एक दिन टंकी से पानी छोड़ा, जिससे कई जगह से पानी निकलने लग गया, तो जलदाय विभाग द्वारा जलापूर्ति रोक दी और दो माह बाद भी जल वितरण व्यवस्था शुरू नहीं हो पाई है।

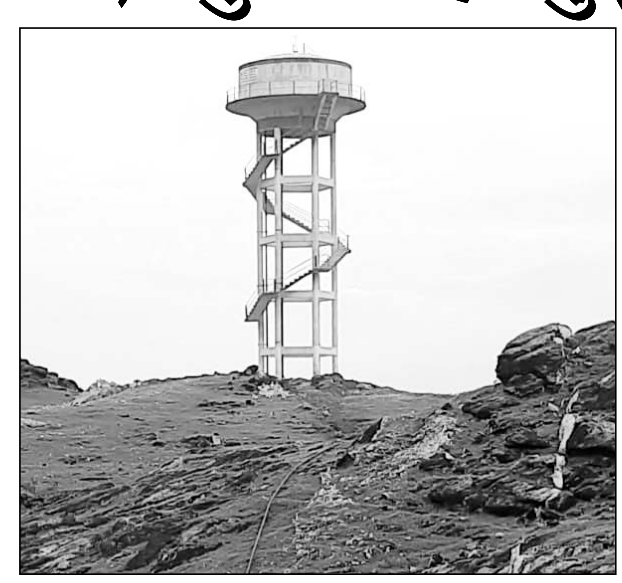

डूंगरखेड़ा ग्राम पंचायत के भरतवा गांव में निर्मित पानी की टंकी एवं कुआं लेकिन ग्रामीणों को जल आपूर्ति नहीं हो रही है।

- **भीम प्रधान के गृह क्षेत्र भरतवा गांव का मामला**
- **टूटी सड़कें व घर-घर नल योजना भी अधूरी**
- **सरकारी कुएं, टंकी होने के बाद भी लोग 1-1 किमी. दूर से पानी लाने को मजबूर है**

भीम प्रधान बीरमसिंह रावत ने बताया कि भरतवा गांव का विकास राजनीतिक द्वेषता से रूका हुआ है। एसडीएम से लेकर कलैक्टर तक को शिकायत कर दी और जिला परिषद साधारण सभा में मुद्दा उठाया, मगर अभी तक कार्रवाई तो दूर उनकी सुनवाई तक नहीं हो पाई। ऐसे में सवाल उठ रहा है जब प्रशासन द्वारा एक जनप्रतिनिधि की बात पर ध्यान नहीं दिया, तो आम लोगों की समस्या का समाधान किस तरह होता होगा, यह यक्ष सवाल हर किसी के जेहन में है।

लक्ष्मीदेवी रावत, गृहिणी भरतवा ने बताया कि पेयजल सुविधा के नाम पर टंकी बनाकर व अधूरा पाइप डालकर फॉर्मलिटी पूरी की है। अभी तक न तो पानी मिला है और न ही समस्या का समाधान हुआ। जलदाय विभाग भी उदासीन है, इसलिए ठेकेदार मनमानी कर रहा है। ठेकेदार का पेमेंट तत्काल रोका जाए। लक्ष्मणसिंह रावत, ग्रामवासी भरतवा ने बताया कि पाइप लाइन सिर्फ दिखावे की है। कोई काम नहीं किया है। एक दिन दिखावे के तौर पर पानी चालू किया, जो कई जगह निकला। सरकारी पैसो का दुरुपयोग किया है। पाइप लाइन में कोई क्वालिटी नहीं है। मोहनसिंह रावत, ग्रामवासी भरतवा ने बताया कि सरकारी कुएं, टंकी होने के बाद भी लोग 1-1 किमी. दूर से सींचकर पानी लाने को मजबूर है। सड़क जर्जर हो गई, मगर ठीक नहीं हो रही है। आखिर हमारी सुनवाई प्रशासन द्वारा क्यों नहीं की जा रही है।

बीरमसिंह रावत, प्रधान भीम ने बताया कि भीम क्षेत्र में हर कार्य में घोटाला हो रहा है और हर जगह राजनीतिक द्वेषता देख सकते हैं। पीएचईडी के ठेकेदार ने पूरी सडक़ तोड़ दी। नई सडक़ दो साल पहले स्वीकृत हो गई, मगर अभी तक कार्य शुरू नहीं किया। भतरवा में नल योजना में जो कार्य किया है, वह भी घटिया स्तर का हुआ है। इसकी जिला स्तर तक शिकायत कर दी। फिर भी न तो पीडब्लूडी अभियंता आए और न ही जलदाय विभाग ने कोई जांच की। बलराम मीणा, सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी भीम ने बताया कि सारोठ से मिराला की पोल वाया भरतवा का बाडिया सड़क संवेदक की गारंटी अवधि में है जिसे सही कराने के लिए पत्राचार किया जा रहा है बरसात मौसम के उपरांत पुनः सही करवा दिया जाएगा। मुख्य सड़क से भरतवा डामरीकरण सड़क रिनुअल में स्वीकृत है जिसे बरसात के मौसम के बाद निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल की विशाल प्रतिमाएं कोटा पहुंचीं

कोटा, (निसं)। गनमेटल से बनी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की विशाल आकर्षक प्रतिमाएं कोटा जेडीबी कॉलेज के सामने स्थापित की जा रही है तीनों महापुरुषों की आकर्षक प्रतिमाएं आपस में वार्ता करती नजर आएंगी।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा में लगातार विकास एवं सौन्दर्यकरण के अभूतपूर्व कार्य प्रगतिशील है इसी कड़ी में कोटा नगर विकास न्यास द्वारा यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निर्देशन में अंटाघर से आकाशवाणी तक सौन्दर्यकरण कार्य के तहत पूरे क्षेत्र में केमिकल वाश के साथ आकर्षक लाइटिंग के कार्यो के साथ 15 टन वजनी, आकर्षक, तीनों महापुरुषों की वार्ता करती विशाल प्रतिमाए स्थापित की जा रही है न्यास सचिव राजेश जोशी ने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा है जयपुर से निर्मित होकर कोटा पहुंच चुकी है इनकी लंबाई 12 फीट व 14 फीट दोनों प्रतिमाओं का बेस भी 12 से 14 फीट का है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा अगले सप्ताह तक कोटा पहुंचेगी इसके बाद तीनों प्रतिमाओं को एक ही स्थान पर स्थापित किया जाएगा। प्रतिमा स्थल के दोनों और आकर्षक फाउंटेन और लाइटिंग का कार्य भी करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि तीनों महापुरुषों की प्रतिमाओं के निर्माण एवं अंटाघर से आकाशवाणी तक सौंदर्यकरण के कार्य की लागत लगभग 3.50 करोड़ है। यह आकर्षक प्रतिमाओं कारीगरों द्वारा करीब 4 महीने का निर्मित किया गया है।

कोटा में महापुरुषों की विशाल प्रतिमाएं पहुंच गई हैं।

- **'राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल की वार्ता करते स्थापित हो रही हैं प्रतिमाएं'**

राशिफल रविवार 21 अगस्त, 2022

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, मृगशिरा नक्षत्र सोमवार प्रातः 7:41 तक, हर्षण योग रात्रि 10:38 तक, वणिज करण दिन 2:22 तक, चन्द्रमा सांय 6:09 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-वृष, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कर्क, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से प्रातः 7:41 तक है। भद्रा दिन 2:22 से रात्रि 3:36 तक रहेगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:41 से 9:17 तक, लाभ-अमृत 9:17 से 12:30 तक, शुभ 2:06 से 3:43 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:55

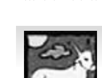

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। वाणी पर नियन्त्रण रखना ठीक रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

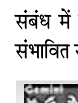

वृष

मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल ऊंचा बना रहेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

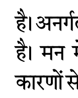

मिथुन

घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आर्थिक कारणों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

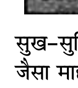

कर्क

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

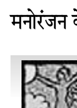

सिंह

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

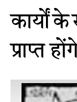

कन्या

धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

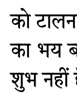

तुला

अपनी कार्य योजना को आज और सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

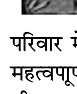

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण और अति आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

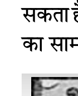

मकर

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाद-विवाद के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

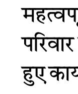

कुंभ

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

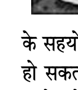

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का जयपुर में प्रदर्शन, उमड़ा जनसैलाब

राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार, अवैध खनन, साधु-संतों पर अत्याचार, मॉब लिंचिंग, हिंदुओं पर अत्याचार इत्यादि मुद्दों पर प्रदर्शन

जयपुर। कांग्रेस सरकार के कुशासन और बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा ने जयपुर में शहीद स्मारक से लेकर सिविल लाइंस फाटक, मुख्यमंत्री आवास तक विशाल प्रदर्शन किया। इसमें जयपुर शहर, जयपुर देहात उत्तर, जयपुर देहात दक्षिण और आसपास के जिलों के हजारों कार्यकर्ता शामिल हुए। राजस्थान की बिगड़ी कानून व्यवस्था, महिला अत्याचार, अवैध खनन, साधु-संतों पर अत्याचार, मॉब लिंचिंग, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार इत्यादि मुद्दों को लेकर किये गये भाजपा के विशाल प्रदर्शन में हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान सड़क पर उतरी भाजपा टूटी-टूटी नजर आई। प्रदर्शन के नाम पर एकजुट हुए भाजपा के सैंकड़ों नेता अपने-अपने कार्यकर्ताओं-समर्थकों के साथ अलग-अलग गुट में नजर आए। वहीं प्रदर्शन में वसुंधरा राजे समर्थक विधायक और नेता नदारद रहे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के खिलाफ भाजपा का ये प्रदर्शन आज जयपुर में शहीद स्मारक से शुरू होकर सिविल लााईन्स फाटक पर आकर खत्म हुआ। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में शहीद स्मारक पर ये प्रदर्शन शुरू हुआ, जहां से सैंकड़ों भाजपा नेता और कार्यकर्ता रैली निकालते हुए सिविल लाईन्स फाटक तक पहुंचे। गर्वमेंट हॉस्टल चौराहा, सरदार पटेल मार्ग, चौंमू हाउस सर्किल, राजमहल चौराहे होते हुए सिविल लाईन्स फाटक तक पहुंची।

इस प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खेमे के माने जाने वाले कई नेताओं ने खुद को दूर रखा। इसमें कई मौजूद और पूर्व विधायक व पदाधिकारी थे। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, विद्याधर नगर विधायक नरपत सिंह राजवी, पूर्व विधायक राजपाल सिंह शेखावत, मोहनलाल गुप्ता, कैलाश वर्मा, लक्ष्मी नारायण बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी समेत कई नेता इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

सिविल लाइन्स फाटक से करीब 100 मीटर दूरी पर पुलिस ने 2 लेयर सिक्योरिटी कर रखी थी। लेकिन कार्यकर्ताओं की भीड़ और भगदड़ के चलते पुलिस के जवान पहली लेयर की सिक्योरिटी से कार्यकर्ताओं को रोकने में फेल हो गए। यहां कार्यकर्ताओं ने बेरिकेट्स को हटाकर आगे बढ़ गए। इसके बाद फाटक से 20 मीटर दूर दूसरे लेयर की बेरिटकेटिंग पर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच मामूली झड़प हो गई। लेकिन अबकी बार पुलिस ने कार्यकर्ताओं को यहां से आगे नहीं बढ़ने दिया। यहां करीब आधा घंटे तक कार्यकर्ता और पदाधिकारी नारेबाजी करते रहे, जिसके बाद पुलिस ने करीब 200 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

रैली शुरू होने से पहले ही शहीद स्मारक पर नेता अलग-अलग गुट में अपने-अपने कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों के साथ नजर आए। कार्यक्रम के तय समय से करीब 1 घंटे की देरी से पहुंचे प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और नेता प्रतिपक्ष के पहुंचने के बाद रैली शुरू हुई। रैली में कई नेता शहीद स्मारक से न जुड़कर बीच रास्ते में शामिल हुए। जयपुर ग्रामीण से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी भाजपा मुख्यालय के बाहर ही रैली में अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए और प्रदेशाध्यक्ष समेत दूसरे नेताओं के साथ आगे चलते दिखाई दिए।

प्रदर्शन के दौरान तेज गर्मी और उमस से कई नेताओं के पसीने छूट गए। गर्मी से बेहाल हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया को प्रदर्शन स्थल पर ही पुलिस और कार्यकर्ताओं ने संभाला और उनकी शर्ट को उतारकर उनको हवा की। इसके बाद राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने उन्हें पानी पिलाया, तब जाकर कटारिया को थोड़ी राहत मिली। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, राज्यवर्द्धन राठौड़, भागीरथ चौधरी, रामचरण बोहरा, मनोज राजोरिया, प्रदेश महामंत्री एवं विधायक मदन दिलावर, विधायक संजय शर्मा, अनीता भदेल, सुभाष पूनिया, निर्मल कुमावत, मनजीत चौधरी, सुरेश रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, माधोराम चौधरी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, महेंद्र जाटव, महेंद्र यादव, अशोक सैनी, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र मीणा, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरीराम रणवा, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष सादिक खान, जयपुर देहात उत्तर जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, देहात दक्षिण जिला अध्यक्ष रामानंद गुर्जर, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा, अलवर दक्षिण जिला अध्यक्ष संजय नरुका, भरतपुर जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह, झुँझुनू जिला अध्यक्ष पवन मांवडिया सहित कई सांसद, विधायकों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और गिरफ्तारियाँ दी। यहां पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प भी हुई, लेकिन आधे घंटे तक चले इस प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। पूनिया समेत तमाम नेताओं को पुलिस 4 बसों में बैठाकर विद्याधर नगर थाने ले गई और वहां छोड़ दिया।

भाजपा के प्रदर्शन में प्रदेशाध्यक्ष पूनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी सहित कई सांसद, विधायक, पदाधिकारियों सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- **पूनिया समेत तमाम नेताओं को पुलिस चार बसों में बैठाकर विद्याधर नगर थाने ले गई और वहां छोड़ दिया**

सांसद दिग्विजय सिंह, उदित राज सहित पांच के खिलाफ एफआईआर

जिस स्कूल के शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत हुई, उसे आरएसएस का बताया था

- **एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने जालौर के कोतवाली थाने में परिवाद के जरिये एफआईआर में कहा कि आरएसएस पूरे देश में किसी भी तरह से कोई विद्यालय संचालित नहीं करता है**

जयपुर, (का.प्र.)। जालौर जिले में सुराणा गांव में शिक्षक की पिटाई से छात्र की मौत के मामले में चल रही राजनीति के बीच कांग्रेस नेताओं के द्वारा स्कूल को आरएसएस का बताने के बाद तीन कांग्रेस नेताओं सहित दो अन्य पर एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जालौर जिला मुख्यालय के कोतवाली थाने में शनिवार को कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह, उदित राज, कांग्रेस नेता संदीप सिंह के साथ ही ब्लॉगर हंसराज मीणा और गौतम कश्यप के खिलाफ स्कूल को आरएसएस का बताकर ट्वीट करने के मामले में एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने परिवाद के जरिए एफआईआर दर्ज करवाई है।

दरअसल जालौर जिले के सुराणा गांव में एक निजी स्कूल में शिक्षक की पिटाई के बाद दलित छात्र की मौत हो गई थी। इस मामले में सियासत शुरू हुई उसी दौरान कई नेताओं सहित अन्य ने स्कूल को आरएसएस की ओर से संचालित होना बताया था। अब गलत ट्वीट करने का आरोप लगाते हुए शहर के कोतवाली थाने में कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह, उदित राज सहित चार नेताओं के खिलाफ एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद राजपुरोहित ने बताया कि जालोर में सुराणा गांव के सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल को आरएसएस की ओर से संचालित किए जाने का बताते हुए ट्वीट किए गए थे। इसके चलते जालोर निवासी एडवोकेट मधुसूदन व्यास ने परिवाद के जरिए एफआईआर दर्ज करवाई है। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह, उदित राज, कांग्रेस नेता संदीप सिंह, ब्लॉगर हंसराज मीणा और गौतम कश्यप ने एक जैसी शब्दावली का उपयोग करते हुए ट्वीट किए हैं। इन सभी ट्वीट में जालोर के सुराणा गांव के स्कूल को आरएसएस का बताकर संघ को जिम्मेदार ठहराने का प्रयास किया है। साथ ही संघ के प्रति लोगों के मन में वैमनस्य पैदा करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने इस तरह के ट्वीट कर हिंदू समाज के एक वर्ग के लोगों को आरएसएस के विरुद्ध भड़काने का प्रयास किया है। अधिवक्ता ने परिवाद में कहा है कि आरएसएस पूरे देश में किसी भी तरह से कोई विद्यालय संचालित नहीं करता है।

कलाकारों की उपस्थिति में हुआ 'कला-मन' का लोकार्पण

राज्यपाल कलराज मिश्र और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने शनिवार को राजभवन में डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक 'कला-मन' का लोकार्पण किया।

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने शनिवार को राजभवन में संस्कृतिकर्मी, कवि, कला आलोचक और राजभवन में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत डॉ. राजेश कुमार व्यास की पुस्तक 'कला-मन' का लोकार्पण किया।

राज्यपाल मिश्र ने लोकार्पण समारोह में कहा कि डॉ. राजेश कुमार व्यास कलाओं की गहराई में जाकर उनकी व्याख्या इस रोचक ढंग से करते हैं कि, लगता है हम शब्दों में कलाओं का आस्वाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगीत, नृत्य, नाट्य आदि कलाओं पर व्यास की अपनी मौलिक स्थापनाएं हैं और वह भारतीय कला दृष्टि के इस समय के विरल कला मर्मज्ञ हैं।

मिश्र ने कहा कि डॉ. राजेश कुमार व्यास भाषा के अपने सहज और कलात्मक सौंदर्य में पढ़ने वालों को लुभाते हैं। उनके लिखे के जरिए संगीत, नृत्य, नाट्यय और चित्रकलाओं से हमारी और अधिक निकटता होती है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने व्यास को उनकी मौलिक कला पुस्तक के लिए बधाई देते हुए कहा कि कलाओं की प्रस्तुतियों के साथ उनकी व्याख्या भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से व्यास की पुस्तक महत्वपूर्ण है। लेखक डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि कलाकारों की उपस्थिति में कलाओं से जुड़ी पुस्तक का लोकार्पण सुखद है। उन्होंने कहा कि संगीत, नृत्य, नाट्यय, चित्रकला, छायांकन आदि कलाएं सदा ही मन को संपन्न करती रही है, इस संपन्नता के उजास से ही 'कला-मन' का सृजन हुआ है। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विषेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल एवं प्रदेश के प्रतिनिधि कलाकार उपस्थित थे।

संधू की विदेश जाने की अर्जी पर फैसला कल

जयपुर, (का.सं.)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-4 एकल पट्टा मामले में आरोपी पूर्व आईएएस और आरसीए के सलाहकार जीएस संधू के विदेश जाने की अनुमति को लेकर 22 अगस्त को फैसला देगी।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अर्जी पर आपत्ति नहीं जताते हुए कहा कि संधू को पूर्व में भी विदेश जाने की अनुमति दी जा चुकी है। वहीं संधू ने अर्जी में कहा कि वह आरसीए का सलाहकार है और आरसीए ने दुबई में होने वाले एशिया कप टूर्नामेंट में प्रार्थी सहित अन्य प्रतिनिधियों को भेजने का निर्णय लिया है। यह दल वहां स्थानीय स्टेडियम का निरीक्षण कर प्रदेश में क्रिकेट संबंधी आधारभूत ढांचे में निवेश करने वालों से मुलाकात करेगा। यह दल 26 अगस्त को रवाना होकर एक सितंबर को वापस आएगा। इसलिए उसे आरसीए दल के साथ दुबई जाने की मंजूरी दी जाए। कोर्ट ने अर्जी पर बहस सुनकर 22 को इस पर फैसला देना तय किया है। गौरतलब है कि 2016 में एसीबी ने गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को एकल पट्टा जारी करने में हुई धांधली को लेकर रामशरण सिंह की शिकायत पर कंपनी के प्रोपराइटर शैलेन्द्र गर्ग, यूडीएच के पूर्व सचिव जीएस संधू, जेडीए जोन-10 के तत्कालीन उपायुक्त ओंकारमल सैनी, निष्काम दिवाकर और गृह निर्माण सहकारी समिति के पदाधिकारियों अनिल अग्रवाल व विजय मेहता के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

विधायक सहित अन्य से मांगा जवाब

- **सरकारी जमीन पर पेट्रोल पंप बनाने**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फुलेरा में पीएचईडी की जमीन पर विधायक निर्मल कुमावत की पत्नी के पेट्रोल पंप बनाने के मामले में निर्मल कुमावत और सीमा कुमावत सहित अन्य से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह आदेश सीताराम कुमावत की याचिका पर दिए। अदालत ने करीब एक साल पहले भी मामले में अधिकारियों से जवाब मांगा था।

याचिका में कहा गया कि फुलेरा में पीएचईडी की जमीन पर विधायक निर्मल कुमावत ने अपने प्रभाव से अपनी पत्नी के नाम पेट्रोल पंप आवंटित करवा कर निर्माण करवा लिया। जबकि राजस्व रिकॉर्ड में जमीन विभाग के नाम दर्ज है। पटवारी की ओर से 15 सितंबर 2020 को जारी नक्शे से स्पष्ट है कि वर्ष 1965 में तीन बीघा 17 बिस्वा जमीन जलधारा के नाम से आवंटित की गई थी। वहीं विधायक ने अधिकारियों से मिलीभगत कर विभाग की जमीन पर अपनी पत्नी के नाम से पेट्रोल पंप आवंटित करवा लिया।

कब्जे नहीं हटाने वाले अफसरों पर कार्रवाई के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। स्थाई लोक अदालत ने नीलामी में खरीदे गए फ्लैट से जुड़ी बिल्डिंग पर किए अवैध निर्माण की शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं करने पर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। अदालत ने आवासन मंडल अध्यक्ष को कहा है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कर तीन माह में रिपोर्ट पेश की जाए। वहीं अदालत ने फ्लैट की जमा राशि ब्याज सहित लौटाने को कहा है। अदालत ने यह आदेश गोपाल लाल खत्री के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि उसने जवाहर नगर आवासीय योजना में सात जुलाई 2014 को नीलामी में फ्लैट खरीदा था। नियमानुसार उसने 18 लाख रुपए जमा करा दिए, लेकिन शेष राशि दो माह में जमा नहीं करा सका। इस पर मंडल ने उसका आवंटन निरस्त कर छह लाख 89 हजार रुपए काटकर शेष राशि का चैक परिवादी को भेज दिया। वहीं मंडल और परिवादी के बीच विवाद हाईकोर्ट पहुंच गया। इस दौरान नजदीकी फ्लैट मालिक ने तीन मंजिल निर्माण करते हुए परिवादी के फ्लैट की उपयोगिता समाप्त कर दी। इसकी शिकायत भी परिवादी की ओर से की गई, लेकिन अधिकारियों ने अतिक्रमी को नोटिस देने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की।

गोविंददेवजी मंदिर में नंदोत्सव की उछाल लूटने श्रद्धालु उमड़े

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के बाद शनिवार को शहर के आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में उल्लास से नंदोत्सव मनाया गया।

जयपुर, (का.सं.)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के बाद शनिवार को छोटी काशी के अधिकतर कृष्ण मंदिरों में उल्लास से नंदोत्सव मनाया गया। शहर के आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में दो साल बाद हुए नंदोत्सव में श्रद्धालु उमड़ पड़े।

पीले रंग की अत्यंत मनोरम पोशाक धारण किए ठाकुरजी का फूलों से आकर्षक शृंगार किया गया। सोने के विशेष अलंकार धारण कराए गए। सुबह धूप झांकी खुलने पर ठाकुर जी का मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी और प्रबंधक मानस गोस्वामी ने अधिवास पूजन किया। विशेष भोग की झांकी की आकर्षण का केन्द्र रही। करीब एक सौ से अधिक व्यंजनों के थाल ठाकुर जी के समक्ष सजे थे। श्रृंगार झांकी में आरती के बाद तिल एवं यवदान पूजन किया गया। इस दौरान मंत्रोच्चार गूंजते रहे। इसके बाद श्रद्धालुओं का इंतजार खत्म हुआ और नंदोत्सव शुरू हुआ। दर्शनार्थियों से खचाखच भरे जगमोहन में नंद के आंनद भयो जय कन्हैया लाल की..., यशोदा मैया दे दो बधाई...जैसे प्रचलित बधाईगान के साथ श्रद्धालुओं ने नंदोत्सव का आनंद लिया। भजनों की स्वर लहरियों के बीच श्रद्धालुओं पर कपड़े, फल, टॉफी की जमकर उछाल की गई। जिसके हिस्से जो आया उसे अपना सौभाग्य समझा। लोगों ने भी सिक्के, खिलौने, टॉफी, बिस्कुट सहित अन्य सामान की उछाल की। इस मौके पर ठाकुर श्री गौर गोविंद के विग्रह को चांदी के झूले में विराजमान कराया गया।

पुरानी बस्ती स्थित गोपीनाथजी, चौड़ा रास्ता के राधा दामोदरजी, धोलाई के इस्कॉन मंदिर, जगतपुरा के कृष्ण बलराम मंदिर सहित कई अन्य मंदिरों में बड़े स्तर पर उत्सव हुए। नायला स्थित बाबा शुकदेव दास निम्बार्क संत आश्रम में शनिवार को नंदोत्सव मनाया गया।

ठाकुर श्री राधा बृज बिहारीजी के मंदिर में महंत सर्वेश्वर शरण दास महाराज के सानिध्य में राधा बृज चंद्र बिहारी संकीर्तन मंडल की ओर से संकीर्तन और बधाई गान हुआ। आश्रम परिसर को विभिन्न पुष्प और बंदनवारों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। फल, मिठाई, खिलौने, वस्त्र की उछाल लुटाई गई। लड्डू गोपाल की मनमोहक छवि देखने लायक रही।

'लोक कलाओं की परम्पराओं को बचाए रखना जरूरी'

- **डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे और राज्यपाल ने किया कलाकारों से संवाद**

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि आधुनिकता के शोरगुल में लोक कलाओं की हमारी परम्पराओं को बचाए रखना जरूरी है। उन्होंने लोक कलाओं की पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही विरासत को समय संदर्भो के साथ संरक्षित और विकसित करने का आव्हान किया है।

मिश्र शनिवार को राजभवन में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा आयोजित 'कला संवाद' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमारे यहां शास्त्रीय नृत्य और संगीत के घराने हैं, उसी तरह राजस्थान में लोक कलाओं के घराने हैं। इन घरानों ने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजकर रखा है। उन्होंने ऐसे कलाकारों को सरकार और समाज द्वारा मिलकर सहयोग करने और सांस्कृतिक विरासत के दस्तावेजीकरण के लिए भी मिलकर कार्य करने का आव्हान किया।

राज्यपाल कहा कि किसी भी सभ्यता के अस्तित्व और सांस्कृतिक अस्मिता की जब भी बात की जाती है तो सबसे पहले कलाओं के लोक स्वरूपों पर ही विचार किया जाता है। उन्होंने अल्लाह जिलाई बाई और उनकी मांड राग की चर्चा करते हुए कहा कि विदेशों तक 'पधारो म्हारे देश' के जरिए राजस्थान की लोक संस्कृति उस महान कलाकार के जरिए ही पहुंची। उन्होंने राजस्थान की ढोली, मिरासी, दमामी, लंगे, मांगणियार, कालबेलिया आदि जातियों और उनके कला योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इनकी कला का प्रभावी रूप में दस्तावेजीकरण भी किया जाना चाहिए। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि राजस्थान के राजभवन से लोक कलाकारों से संवाद की पहल की गयी है। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद का प्रयास है कि सुदूर देशों तक भारतीय कलाओं के जरिए हमारी संस्कृति का प्रसार हो।

बैंककर्मी को सजा

जयपुर, (का.सं.)। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने सरकारी और व्यक्तिगत खातों से बिना अनुमति राशि निकालकर धन का दुरुपयोग करने वाले एसबीबीजे बैंक के बैंक कर्मी जय महेश अवस्थी को तीन मामलों में दो-दो साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर कुल दो लाख चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-6746 दिनांक-12.08.2022

जाहिर आम सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास संख्या 265/292 (EWS), (एरिया 47.625 वर्गमीटर) का आवंटन श्रीमती मनोरमा पत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह को किया जाकर आवंटन पत्र 7138 दिनांक 12.11.2003 के द्वारा जारी किया गया। इनके पक्ष में उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 18.09.2013 को उप पंजीयक-द्वितीय, जयपुर में पंजीकृत करवाये गये। श्रीमती मनोरमा द्वारा उक्त आवास को श्री रमेश चन्द पुत्र स्व. श्री मोहन लाल को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 19.09.2013 को उप पंजीयक-द्वितीय, जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री रमेश चन्द की मृत्यु दिनांक 01.01.2022 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द द्वारा उक्त आवास को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्री योगेन्द्र कुमार पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबंधक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मैं गौरीशंकर शर्मा निवासी एफ-511, बालाजी टावर-2 विध्याधर नगर जयपुर मेरे सेविंग अकाउंट के साइन किये हुए कुछ चेक, आधार कार्ड, पेन कार्ड व दुकान के कुछ बिल विध्याधर नगर से राजापार्क के बीच कहीं गिर गए है, मिलने पर सूचित करें। 9772229111

पर्यावरण स्वीकृति सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता हैं कि हमारी क्वार्ट्ज़/फेल्डसपार (माइनर मिनरल) खनन योजना (प्लॉट नंबर 6/2008 क्षेत्रफल 4.00 हेक्टेयर) जो निकट ग्राम बिगोलाव तहसील दूदू जिला जयपुर, राजस्थान में स्थित हैं। को राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण, जयपुर के पत्र क्रमांक F-1 (4) SEIAA/ SEAC-RAJ/ SECTT/ PROJECT/ CAT. B2 (20932)/ 2021-22 द्वारा दिनांक 12 अगस्त 2022 की पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई हैं। इसकी प्रतिलिपि राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल में एवं राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

भवदीय
सुशील कुमार बिन्दा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम फरहान से बदलकर मोहम्मद फरहान रख लिया भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये, 3488 पूर्वीयान का टीबा मीठी कोठी का रास्ता, सूरजपोल बाजार, जयपुर।

मैं शम्भूदयाल योगी निवासी श्योसिंहपुरा, पो. सिरस, तह. निवाई (टोंक) हूँ। मेरे पुत्र ईश्वर योगी के स्कूल की समस्त मार्कशीट में गलती से ईश्वर योगी पुत्र शम्भू लाल योगी हैं जबकि अन्य सभी दस्तावेज में ईश्वर योगी पुत्र शम्भूदयाल योगी हैं। जो सही एवं सत्य है। अतः भविष्य में इसी नाम से जाना जावें। शम्भूदयाल योगी निवासी श्योसिंहपुरा, पो. सिरस तह. निवाई (टोंक)

I Anil Kumar Runthala S/o Bajrang Lal Runthala residing at Ward No. 11, Birla School Ke Samane, Tehsil Chirawa, Pilani Jhunjhunu, Rajasthan-333031 Do hereby solemnly affirm and state that I have changed my name from Anil Runthala to Anil Kumar Runthala in future I will be known and called by my changed name.

नगर परिषद् के अधिकारियों ने सरदार विद्यालय रोड पर पुनः निशान लगाये

अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि रविवार को संरचनाओं को हटाने की कार्रवाई की जायेगी

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली में स्थानीय नगरपरिषद् द्वारा रियासतकालीन नक्शे के अनुसार सड़कों को चौड़ा करने के लिए भू-स्वामि को बिना मुआवजा राशि तैय किये निर्माण हटाने का कार्य किया जा रहा है।

गौरतलब है कि परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन तिराहे तक सड़क की चौड़ाई 80 फीट व पूतली कट से पूर्वा सिनेमा तक की चौड़ाई 60 फीट की जा रही है, जिसकी एवज में विगत 6 अगस्त को मुख्य चौराहे से पुरानी नगर पालिका तिराहे व शनि मंदिर से सरदार स्कूल तक की 68 संरचनाओं को ध्वस्त किया था।

कोटपूतली में रामभवन के पास पुनः नाप जोख कर निशान लगाते परिषद् के अधिकारी।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने इस कार्रवाई को अंजाम तब दिया जब ज्यादातर लोग नगरपरिषद को चुनौती देने के लिए न्यायालय पालिका में याचिका दायर नहीं कर पाये, क्योंकि उस दौरान न्यायालय की छुट्टियां घोषित थी जिसके बाद बड़े पैमाने पर व्यापारी, भवन मालिक स्वयं ही अपनी दुकान व मकान खाली करके निर्माण हटाने लगे थे।

प्रभावित सड़क मार्गों पर कई व्यापारी तो ऐसे हैं जिन्होंने कुछ समय पूर्व ही करोड़ों रुपये खर्च कर ना केवल दुकानों की रजिस्ट्री करवाई थी बल्कि नया व्यापार शुरू करने के लिए नगर परिषद् से पट्टा बनवा कर उसे रजिस्टर्ड भी करवाया था।

वहीं दूसरी ओर उक्त दोनों सड़कों को चौड़ा करने के लिए राजकीय सरदार विद्यालय से शनि मंदिर तक निर्माण हटाने को लेकर अब परिषद् द्वारा रविवार को अग्रिम कार्यवाही किये जाने की सम्भावना जताई जा रही है जोकि उस दिन छुट्टी होने के कारण लोग न्यायालय में याचिका दायर नहीं कर सकें। लेकिन उक्त मार्ग पर बताया जा रहा है कि व्यापारियों को परिषद् के कर्मचारियों द्वारा मौखिक रूप से ही प्रतिष्ठान व मकान खाली करने की हिदायत दी जा रही है। परिषद् रविवार को उच्च न्यायालय से स्टे प्राप्त भवनों को छोड़कर लगभग सभी निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्यवाही कर सकती है।

परिषद् के अधिकारियों ने इसको लेकर शनिवार शाम राम भवन व राजकीय सरदार विद्यालय के पास भूमि की नाप जोख करते हुए पुनः निशान लगाये हैं। इस दौरान एईएन दीपक मीणा व जेईएन अनिल जोनवाल सहित परिषद् के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

एसडीएम सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे घासी की ढाणी में

शुक्रवार को गाय के अवशेष मिलने से पैदा हुआ तनाव

गांव ललवाड़ी की घासी की ढाणी में तनाव को देखते हुए तैनात पुलिस बल।

निवाई, (निसं)। गांव ललवाडी में शुक्रवार को गाय के अवशेष मिलने के पैदा हुए तनाव को देखते हुए शनिवार को भी घासी की ढाणी में पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि घटना के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घासी की ढाणी ललवाडी निवासी मुंशी खां उम्र 65 वर्ष पुत्र अली खां, अकील उम्र 54 वर्ष पुत्र घासी खां, शब्बीर उम्र 47 वर्ष पुत्र खाजु खां, इस्लाम उम्र 40 वर्ष पुत्र इमाम बक्श तथा लाला उर्फ अहजाद 28 वर्ष पुत्र मुंशी खां को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है जो आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। शनिवार को भी गांव ललवाडी में सुरक्षा की दृष्टि से एसडीएम रवि वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला सेल प्रकाशचंद्र, उनियारा पुलिस उपाधीक्षक शकील अहमद, पीपलू पुलिस उपाधीक्षक इंदु लोदी, तहसीलदार प्रांजल कंवर, निवाई थानाधिकारी अजय कुमार, बरोनी थानाधिकारी हरिराम, सदर निवाई थानाधिकारी कप्तान सिंह, दत्तवास थानाधिकारी शिवजीलाल सहित करीब 130 पुलिस के जवान घासी की ढाणी में तैनात हैं। शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर परशुराम व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाषचंद्र मिश्रा ने गांव में शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए ग्रामीणों से शांति की अपील की।

गौकशी की घटना के बाद शुक्रवार को मौके पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा के नेतृत्व में जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री चंद्रवीर सिंह, नरेश बंसल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, अरनिया मंडल अध्यक्ष देवराज गुर्जर, प्रधान रामावतार लांगडी सहित कई भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से गोहत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की थी।

सुराणा प्रकरण मुख्यमंत्री गहलोत पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है : अठावले

जालोर, (कासं)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री व आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा कि जालोर के सुराणा में एक टीचर द्वारा मटके हाथ लगाने पर मारपीट करने से दलित छात्र की मौत हो गई। यदि राजस्थान की अशोक गहलोत की सरकार दलित को सुरक्षा नहीं दे सकती है तो उन्हें सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है तथा राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए। यह बात रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया के सुप्रीमो व केन्द्रीय राज्य मंत्री अठावले ने शनिवार को जालोर के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान कही।

जालोर में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले सुराणा प्रकरण को लेकर प्रेस से रूबरू हुए।

- **रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया के सुप्रीमो व केन्द्रीय राज्य मंत्री अठावले ने शनिवार को जालोर के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान यह बात कही**
- **केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले शनिवार को सुराणा गांव पहुंचे**

उन्होंने कहा कि एक मासूम विद्यार्थी के साथ हुई यह घटना निंदनीय है। उन्होने उक्त घटना की रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजने की बात कही। उन्होंने कहा कि एक दलित छात्र द्वारा टीचर की मटकी के हाथ लगाने से ऐसी पिटाई की कि उसकी मौत हो गई। राजस्थान सरकार से मांग करता हूं कि यदि राजस्थान सरकार दलितों को सुरक्षा नहीं दे सकती है, तो गहलोत को सत्ता में नहीं रहने के साथ राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। दलितों पर अत्याचार नहीं होना चाहिए। यदि दलितों पर अत्याचार रोकने में कोई सरकार विफल होती है तो उन्हें सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। आरपीआई की तरफ से तीन लाख रुपये की सहायता राशि पीड़ित परिवार को दी जायेगी। उन्होंने सीएम को आगाह किया कि ऐसी घटना की पुनरावृति नहीं हो इसके लिए पुख्ता प्रबंध करें। उन्होंने कहा कि दोषी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो पहलुओं की पूर्ण व निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें घटना की पूरी जानकारी नहीं है। पीड़ित परिवार से मिलने के बाद पूरी जानकारी लेकर पुलिस को उक्त प्रकरण में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने को लेकर वार्ता की जायेगी। इस दौरान जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, आरपीआई के प्रदेशाध्यक्ष राधामोहन सहित अन्य मौजूद थे।

वहीं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले शनिवार को सुराणा गांव पहुंचे जहां उन्होंने बालक इन्द्र कुमार के परिवारजनों को सांत्वना देते हुए न्याय एवं हरसंभव सहायता दिलवाने का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने परिवार जनों से मुलाकात करने के साथ ही बालक इंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष कार्यवाही की सुनिश्चित किए जाने की बात कही। इस प्रकार की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की और अधिकारियों से भी बात की।

सुराणा प्रकरण की जांच करेगी एसआईटी टीमः- जालोर जिले के सुराणा में एक दलित बालक की मौत के प्रकरण में मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आने के बाद प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच करवाने के लिए एसआईटी का गठन किया है। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी.रामजी ने आदेश जारी कर विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) टीम का गठन किया जिसमें सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रभारी एसआईटी) देवाराम चौधरी, पुलिस थाना रायपुर जिला पाली के थानाधिकारी जेठाराम, पुलिस थाना सदर पाली के थानाधिकारी रविन्द्रसिंह को शामिल किया गया। उन्होंने एसआईटी टीम को निर्देश दिये कि तुरंत उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर अनुसंधान प्रारम्भ कर प्रत्येक पहलूओं की गहनता से जांच व अनुसंधान कर जानकारी उपलब्ध करावे।

क्रिश्चियनगंज थाने का घूसखोर कांस्टेबल एसीबी के हत्थे चढ़ा

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने शनिवार को कार्यवाही करते हुए क्रिश्चियनगंज थाने के घूसखोर कांस्टेबल को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी कांस्टेबल ने यह रिश्वत एक प्रकरण में गिरफ्तारी नहीं करने की एवज में मांगी थी, पूर्व में आरोपी 15 हजार रुपए की राशि ले चुका है। एसीबी की टीम आरोपी के ठिकानों की तलाशी ले रही है।

घूसखोर कांस्टेबल।

- **आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी माताजी के विरुद्ध जारी 138 एनआई एक्ट के वारंट में गिरफ्तार नहीं करने की एवज में क्रिश्चियनगंज थाने का कांस्टेबल सुशील कुमार द्वारा 20 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई के उपअधीक्षक पुलिस राकेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर टीम द्वारा शनिवार को ट्रेप कार्यवाही करते हुए सुशील कुमार जाट निवासी ग्राम जारोड़ा कला पुलिस थाना मेड़ता रोड़ जिला नागौर हाल कानिस्टेबल पुलिस थाना क्रिश्चियन गंज अजमेर को परिवादी से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी कांस्टेबल द्वारा पूर्व में भी परिवादी की माताजी से 15 हजार रुपये रिश्वत की राशि ली थी। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है।

नकली तानसेन गुटखा फैक्ट्री पर रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर के तनावड़ा स्थित उद्योग नगर में दो इंडस्ट्रीज के बेसमेंट में नकली गुटखा बनाने की फैक्ट्री को पुलिस ने पकड़ा है। कंम्पनी के एक प्रतिनिधि की शिकायत पर पुलिस ने रेड दी। मगर संचालक नहीं मिला। पुलिस ने फैक्ट्री से भारी मात्रा में तानसेन गुटखा, पैकिंग मशीनें, इलेक्ट्रानिक कांटा आदि जब्त किए है। इस बारे में कंपनी प्रतिनिधि की तरफ से कॉपी राइट एवं धोखाधडी में केस दर्ज करवाया गया है।

- **संचालक फरार, कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज**

एसीपी बोरानाडा जेपी अटल ने बताया कि उत्तरप्रदेश के नोयडा निवासी मनजीत सिंह की तरफ से शुक्रवार को एक शिकायत दी गई थी। इसमें बताया कि वह नोएडा में धर्मपाल सतपाल लिमिटेड कंपनी में प्रतिनिधि के तौर पर लगा है। कंपनी गुटखा बनाने का कार्य करती है। उसकी कंपनी का नामी गुटखा तानसेन जोधपुर में तनावड़ा स्थित उद्योग में नकली रूप से बनाकर बेचा जाता है। इसे बनाने वाला कोई बाबूलाल है जोकि विमल इंडस्ट्रीज और जगदंबा इंडस्ट्रीज चलाता है। इस शिकायत पर कुड़ी थानाधिकारी सुमेरदान के सुपरविजन में एसआई कानाराम, अल्ताफ हुसैन, हैडकांस्टेबल सुमेरसिंह, शंकरलाल आदि की टीम गठित की गई। पुलिस की टीम ने उक्त दोनों इंस्डस्ट्रीज पर एक साथ रेड दी। इनके बेसमेंट में अवैध रूप से नकली गुटखा बनाने की बात सही पाई गईं। इस पर वहां से एक पैकिंग मशीन, 5 कट्टों में भरा 100 किलो नकली गुटखा तकरीबन 11 हजार पाउच में मिला। साथ ही 25 हजार खाली मास्टर पाउच मिले। 4 रॉल नकली पाउच के और इलेक्ट्रानिक कांटा आदि मिले। एसीपी जेपी अटल ने बताया कि आरोपी मरूधर केसरी नगर निवासी बाबूलाल जाट के खिलाफ कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज कर लिया गया। उसकी तलाश की जा रही है।

मोहता कॉलेज पर जड़ा ताला, 300 एडमिशन फर्जी का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। जहां एक तरफ छात्र संघ चुनाव की सरगर्मियां तेजी से जारी हैं, वहीं दूसरी और छात्रों ने कॉलेज प्रशासन द्वारा मोहता महाविद्यालय सादुलपुर में फर्जी एडमिशन करने का आरोप लगाते हुए मोहता महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया गया तथा कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एडमिशनों की जांच की मांग की।

छात्र राहुल, योगेश व संदीप का आरोप है कि मोहता महाविद्यालय सादुलपुर (चूरू) में करीब 300 एडमिशन फर्जी दिखाए गए हैं। आरोप है कि छात्रसंघ चुनाव को लेकर दूसरी कॉलेज में अध्यनरत करने वाले छात्रों के एडमिशन मोहता कॉलेज में कर दिए गए ताकि छात्रसंघ चुनावों में किसी पक्ष को फायदा मिल सके। वहीं छात्रों ने मुख्य गेट को ताला लगाकर फर्जी एडमिशन की जाँच करवाने की मांग की तथा मोहता कॉलेज के प्राचार्य को हटाने की मांग की है। वहीं कॉलेज के तालाबंदी की मिली सूचना पर राजगढ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा सीआई ने मौके पर पहुंच कर छात्रों की कॉलेज प्रसाशन से दो बार वार्ता करवाई, मगर वार्ता विफल रही और छात्रों ने कॉलेज का ताला खोलने से इनकार कर दिया।

फर्जी एडमिशनों की जाँच की माँग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते छात्र।

'कांग्रेस कहती है कि मटकी नहीं है तथा भाजपा कहती है कि घटना नहीं हुई'

जालोर में प्रेस वार्ता के दौरान सुराणा प्रकरण पर बोले आरएलपी सुप्रीमो व सांसद बेनीवाल

जालोर, (कासं)। आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल सुराणा के छात्र मृत्यु प्रकरण को लेकर जालोर में कलैक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन भी जारी रहा। बेनीवाल अपनी पार्टी के तीन विधायक, पांच प्रधानों के साथ धरना देकर राज्य सरकार से सुराणा पीड़ित को भी गत दिनों उदयपुर मामले में दिए गए मुआवजे देने की मांग पर अड़े हैं।

जालोर में आरएलपी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल सुराणा प्रकरण को लेकर धरने पर बैठ गए।

- **सांसद हनुमान बेनीवाल जालोर कलैक्ट्रेट पर धरने पर बैठे**

आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जालोर में सुराणा की घटना को लेकर भाजपा का कोई नेता इस मुद्दे को लेकर नहीं बोल रहा है। भाजपा की इस प्रकार की चुप्पी अपराधियों को बचाना चाहती है। वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत स्वयं को जालोर जाकर पीड़ित परिवार से मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें पीड़ित परिवार से मिलने का समय नहीं है। सुराणा प्रकरण में भाजपा व कांग्रेस दोनों मिली होने से पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है। आरएलपी हमेशा बिना किसी राजनीति के पीड़ित परिवार को न्याय दिलायेगी। यह बात राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल ने शनिवार को जालोर आगमन पर प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ राजस्थान के जालोर स्थित सुराणा में एक दलित छात्र की हत्या छुआछूत के चलते की जाती है। हम कैसा आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर एक शब्द नहीं बोल रही है। भाजपा की चुप्पी यह साबित करती है कि भाजपा अपराधियों को बचाना चाहती है। सभी पार्टियां वोट बैंक के हिसाब से राजनीति करती हैं। मैं सच्चाई तक जाने के लिए जालोर आया हूं। उन्होंने कहा कि दलितों पर कोई अत्याचार करे, उसे आरएलपी पार्टी बर्दास्त नहीं करेगी। सुराणा में एक दलित छात्र की मौत को लेकर भाजपा व कांग्रेस राजनीति कर रही है। गहलोत सरकार इस प्रकरण में मटकी को गायब करने पर तुली हुई है। मटकी की घटना छुपे नहीं उसके लिए सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना पर मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचते है, भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता पहुंचते है तथा सहायता राशि व नौकरी देते है। लेकिन दलित छात्र की मौत के बाद मुख्यमंत्री को आने का समय नही। उन्होंने कहा कि भाजपा की वंसुधरा व कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोनो मिले हुए हैं। दोनो एक-दूसरे के घोटालों की जांच करने की बात करते करीब बाइस साल हो गये। भाजपा व कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है। जबकि आरएलपी हर वर्ग को न्याय दिलाने के लिए तत्पर है। भीम सेना यदि अपने दलित भाई के लिए संघर्ष कर रही है तो पुलिस व सरकार उन्हें क्यों रोक रही है। लोकतंत्र में सभी को बोलना का अधिकार है। लोकतांत्रिक पार्टी इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए धरना प्रदर्शन राजस्थान स्तर पर करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन की ढिलाई के चलते यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर आया। प्रशासन व सरकार उक्त प्रकरण में लीपापोती करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि मटकी नहीं है तथा भाजपा कहती है कि घटना नहीं हुई है। दलित परिवार को न्याय दिलाने के लिए बेनीवाल संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होने कहा कि मै कांग्रेस सरकार गिराने में सचिन पायलट के साथ खड़ा था। लेकिन वे वापस कांग्रेस में चले गये। वंसुधरा व सचिन पायलट दोनों अपनी-अपनी पार्टी में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्हे हिम्मत कर अपनी अलग पार्टी खड़ी करनी चाहिए या वे एक वीर की भांति मेरे साथ खड़े रहें। उन्होने कहा कि सुराणा जाकर घटना की पूरी जानकारी लेकर सच्चाई का पता किया जायेगा। इसके बाद आगे की रणनीति आरएलपी द्वारा बनाई जायेगी। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष पुखराज गर्ग के अलावा आरएलपी के तीन विधायक, पांच प्रधान सहित काफी संख्या में आरएलपी कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक करोड़ रुपये की अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त

बीकानेर, (कासं)। पंजाब से गुजरात जा रही करीब एक करोड़ रुपए की अवैध शराब पुलिस ने जब्त कर ली है। पंजाब और हरियाणा से गुजरात के लिए अवैध रूप से शराब भेजने का ट्रांजिट रूट बीकानेर ही बना हुआ है। पुलिस ने अब इस एरिया में सख्ती बढ़ा दी है। शनिवार सुबह गुजरात नंबर का एक कंटेनर निकल रहा था। गजनेर फांटे के पास पुलिस ने इस कंटेनर को रोककर पूछताछ की। बातचीत में संदिग्ध मिलने पर कंटेनर खोलकर देखा तो इसमें शराब मिली।

कंटेनर में अलग अलग ब्रांड की शराब की बोतलें रखी हुई थी, जिसकी गिनती अब तक चल रही है। इसकी कीमत एक करोड़ रुपए आंकी जा रही है। पुलिस ने कंटेनर के ड्राइवर बाडमेर निवासी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। बायोटेक इंडस्ट्रीज का काम करेन वाले इस कंटेनर में किसी अन्य समान की रसीदें रखी हुई थी। रास्ते में कहीं भी पूछताछ होने पर अन्य सामान की रसीद ही रखी जाती है। अवैध रूप से शराब तस्करी करने का बीकानेर ट्रांजिट रूट है। पंजाब से श्रीगंगानगर होते हुए बीकानेर, बीकानेर से जोधपुर बाडमेर के रास्ते गुजरात अवैध शराब जाती है। एक अनुमान के मुताबिक हर रोज दर्जनों ट्रक इसी मार्ग से गुजरते हैं लेकिन कभी कभार ही पुलिस कार्रवाई कर पाती है। शनिवार की कार्रवाई भी आला अधिकारियों को दी गई सूचना के आधार पर हुई है।

गोगामेड़ी मेले में 200 कैमरों से की जा रही निगरानी

सुरक्षा में लगाए 1500 पुलिसकर्मी, देशभर से आ रहे श्रद्धालु

हनुमानगढ़, (निसं)। उत्तर भारत का प्रसिद्ध गोगामेड़ी मेला परवान पर चल रहा है। मेले में 200 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके साथ विभिन्न जिलों से 1 हजार 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। इनकी मॉनिटरिंग 2 एएसपी और 7 डीएसपी कर रहे हैं। एक महीने तक चलने वाले इस मेले देशभर से करीब 10 लाख श्रद्धालु भाग लेंगे।

- **कोरोना संक्रमण के चलते पिछले 2 साल से मेला आयोजित नहीं हो पाया था**

रक्षाबंधन के दिन शुरू हुआ गोगामेड़ी मेला एक महीने तक आयोजित होगा। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष दो चरणों में आयोजित मेले के प्रथम चरण कृष्ण पक्ष में उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं, जबकि दूसरे चरण शुक्ल पक्ष में पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं। गोगामेड़ी मेला जाहरवीर गोगा जी की समाधि और गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली दो हिस्सों में बंटा हुआ है। गोगाजी की समाधि का प्रबंध देवस्थान विभाग के पास है, जबकि गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली गोरखटीले का प्रबंध गोरखटीला धुना प्रन्यास संभालता है।

कोरोना संक्रमण के चलते पिछले 2 साल से मेला आयोजित नहीं हो पाया था। इस कारण इस बार श्रद्धालुओं में मेले को लेकर जोरदार उत्साह है। मेले में दूरदराज के राज्यों से पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धर्मशाला में यात्रियों के ठहरने और मेडिकल की व्यवस्था की गई है। गोगामेड़ी मेले में सभी होटल पहले से ही बुक हैं इसलिए कुछ श्रद्धालु टेंट में भी ठहरे हुए हैं। पशुओं में लंपी स्कीम डिजीज के चलते गोगामेड़ी का प्रसिद्ध पशु मेला इस बार आयोजित नहीं हो रहा है और राज्य सरकार ने इस मेले पर रोक लगा दी है।

मेले में हनुमानगढ़ सहित राज्य के विभिन्न जिलों से 1 हजार 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उनकी मॉनिटरिंग 2 एएसपी और 7 डीएसपी कर रहे हैं। इसके अलावा 200 सीसीटीवी कैमरों से भी मेले में निगाह रखी जा रही है। कृष्ण पक्ष में आयोजित हो रहे मेले के प्रथम चरण में मेला पूरी तरह से पीले रंग में रंगा हुआ है। प्रथम चरण में भाग लेने वाले श्रद्धालु खासकर उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु मेले में पीले कपड़े पहन कर आते हैं और श्रद्धालु गर्मी व उमस की परवाह किए बिना ढोल, डमरू, सारंगी और खड़ताल की धुन पर नाचते गाते हुए मेले में पहुंच रहे हैं।

जेडीए की लोहामंडी स्कीम से एक करोड़ रुपये का बिजली का सामान गायब?

5.70 करोड़ रु. का सामान जेडीए ने खरीदा, जांच कमेटी को मौके पर 4.66 करोड़ का मिला

जयपुर (कासं)। 20 वर्ष से अटकी लोहामंडी योजना को विकसित करने का रास्ता साफ हुआ तो जेडीए के अफसरों ने सुविधाएं बढ़ाने के नाम पर गबन और चेहतों को फायदा पहुंचाना शुरू कर दिया। विकास कार्य में हो रही अनियमितता की शिकायत जब जेडीसी रवि जैन के पास पहुंची तो उन्होंने जांच कमेटी बनाई। अब कमेटी की रिपोर्ट में सामने आया है कि एक करोड़ रुपए से अधिक का बिजली का सामान ही मौके पर गायब मिला, जबकि जेडीए इसका भुगतान पहले ही कर चुका है।

- **काश्तकारों के विवाद के कारण पिछले 20 सालों से लोहामंडी योजना अधरझूल में अटकी हुई थी। गत फरवरी-2021 में कैबिनेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक में काश्तकारों को 15 की जगह 25 फीसदी विकसित भूमि देने का निर्णय हुआ। इसके बाद यहां विद्युतीकरण के कार्यों के लिए 17 करोड़ 83 लाख रुपए का कार्यादेश जारी किया गया था।**

सूत्रों के मुताबिक सीकर रोड पर स्थित लोहामंडी योजना में विद्युत शाखा के अधिशासी अभियंता, चतुर्थ सतेंद्र मीना विकास कार्य करवा रहे है। दरअसल, काश्तकारों के विवाद की वजह से लोहामंडी योजना को विकसित करने का मामला 2002 से अधर में लटका था। फरवरी-2021 में केबिनेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक में काश्तकारों को 15 की जगह 25 फीसदी विकसित भूमि देने का निर्णय हुआ। इसके बाद यहां विद्युतीकरण के कार्यों के लिए 17 करोड़ 83 लाख रुपए का कार्यादेश जारी किया गया। यही काम अभी लोहामंडी योजना में करवाये जा रहे है। इसी बीच शिकायत मिली कि लोहामंडी स्कीम के विद्युत विकास कार्य में गफलत है।

मामला जब जेडीसी रवि जैन के पास पहुंचा तो उन्होंने अतिरिक्त मुख्य अभियंता पंचम, अधीक्षण अभियंता तृतीय और अधिशासी अभियंता विद्युत द्वितीय की कमेटी बनाई और जांच करने को कहा। इन तीनों अफसरों ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। मौका निरीक्षण में 33 केवी की करीब 18 हजार मीटर केबल मिली। इसकी कीमत 2.86 करोड़ रुपए है, जबकि 11 केवी की 19500 मीटर केबल की कीमत 1.57 करोड़ रुपए है। एलटी की 9349 मीटर केबल योजना में मिली। इसकी कीमत 54.78 लाख रुपए है। मौके पर 4.66 करोड़ रुपए का सामान मिला, वहीं जबकि माप पुस्तिका में 5.70 करोड़ रुपए सामान खरीदना दर्शाया गया है। रिपोर्ट में लिखा है कि 1 करोड़ रुपए से अधिक का सामान लोहामंडी स्कीम में मौके पर नहीं है। उधर इस पूरे प्रकरण में जेडीए कमिश्नर रवि जैन का कहना है कि मामला मेरी जानकारी में आते ही मैंने कमेटी का गठन किया था। अभी तक मेरे पास रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट मंगवाकर देखता हूं। नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुजारी गिर्राज शर्मा का अंतिम संस्कार

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा इलाके के लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी गिर्राज शर्मा का शनिवार सुबह सवा 10 बजे अंतिम संस्कार हुआ। दरअसल एडीएम अशोक शर्मा और एसीपी झोटवाड़ा प्रमोद स्वामी से वार्ता के बाद शुक्रवार देर रात पुजारी का परिवार शव लेने के लिए तैयार हो गया था। सरकार की ओर से उनकी मांगे मानने पर शनिवार सुबह जल्द ही हॉस्पिटल की मॉच्यूरी से शव को परिजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस की मौजूदगी में पुजारी के शव का अंतिम संस्कार किया गया।

एसीपी झोटवाड़ा प्रमोद स्वामी ने बताया कि लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी गिर्राज शर्मा की आत्मदाह से मौत हो गई। पुजारी गिर्राज शर्मा की मौत के मामले मे विकास समिति के 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। फरार दो लोगों की तलाश की जा रही है। पुजारी की मौत के बाद परिजनों ने शव लेने से मना कर दिया था। बाद में सरकार से तुरंत 5 लाख रुपए, 50 हजार रुपए प्रतिकर स्कीम में आर्थिक सहायता, एक डेयरी बूथ, एक सदस्य को संविदा पर नौकरी पर समझौता हुआ।

राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में 68 प्रतिभाओं का सम्मान

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने शनिवार को आयोजित समारोह में पत्रकार चैतन्य शर्मा को सनराइज एग्रो जर्नलिज्म अवार्ड से नवाजा।

जयपुर (कासं)। कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि जैविक उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि होगी। जैविक खेती करने वाले किसानों को उनकी फसल का 20 प्रतिशत एमएसपी अधिक मिले, इसके लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। कृषि मंत्री ने यह बात शनिवार को श्रीपिंजारापोल गोशाला परिसर के सुरभि भवन में भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ के सौजन्य में आयोजित राष्ट्रीय किसान सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि कही।

संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि समारोह में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने 13 नवाचारी किसानों, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले 68 लोगों और पांच गौशालाओं को पुरस्कृत किया। राष्ट्रदूत जयपुर के पत्रकार चैतन्य शर्मा, वीरेंद्र परिहार, लता खंडेलवाल, रामकिशन शर्मा, चैतन्य मीणा, डॉ. प्रवीण कुमार, राजेश कुमार सैनी, राजेंद्र कुमार, मनीष शर्मा, शिप्रा यादव, भगवान सहाय यादव, शालू अठावाल, डॉ. रामभजन कुमावत, दिनेश कुमार सैनी, विजय रानी शर्मा, काका सिंह, अमित बैजनाथ गर्ग, गीता यादव, विजय कुमार केडिया, योगेंद्र शर्मा को सनराइज एग्रो जर्नलिज्म अवार्ड-2022 से नवाजा गया। प्रोफेसर डॉ. महेश चंद्र, डॉ. अरूणचंदन, पत्रकारिता में डॉ. महेंद्र मधुप, प्रो. डॉ. विष्णु शर्मा, ताराचंद बेलजी, जगदीश लाल सैनी, मुकेश अग्रवाल, कैलाश चौधरी व मिथलेश जैमनी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला। समारोह में गाय के गोबर से बनाई गई लाख की चूड़ियों का भी लोकार्पण किया गया। ओएफपीएआई द्वारा देश में पहली बार गाय के गोबर से चूड़ी बनाई गई है, जिसमें लाख के साथ 40 फीसदी गाय का गोबर इस्तेमाल हुआ है।

मंत्री ने देखा आईपीडी टॉवर का निर्माण कार्य

जुलाई-2023 तक टॉवर का मुख्य कार्य पूरा करने का दावा कर रहा जेडीए प्रशासन

जयपुर (कासं)। एसएमएस अस्पताल में निर्माणाधीन आईपीडी टॉवर का जायजा लेने शनिवार को यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने जेडीसी रवि जैन, प्रोजेक्ट एडवाइजर राकेश भार्गव और प्रोजेक्ट कंसलटेंट अनूप भरतरिया के साथ प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इसके बाद अफसरों को प्रोजेक्ट तय समय सीमा में पूरा करने की साफ हिदायत दी। इस पर जेडीए प्रशासन, प्रोजेक्ट एडवाइजर राकेश भार्गव और प्रोजेक्ट कंसलटेंट अनूप भरतरिया ने बताया कि आईपीडी टावर प्रोजेक्ट का मुख्य कार्य जुलाई-2023 तक पूरा कर लिया जायेगा। ज्ञात रहे कि आईपीडी टावर के साथ ही एसएमएस अस्पताल में इन्टीट्यूट ऑफ़ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज का भी निर्माण किया जाएगा। करीब 588 करोड़ की लागत से दोनों प्रोजेक्ट तैयार होंगे।

जेडीसी ने बताया कि एसएमएस अस्पताल में बनाया जा रहा आईपीडी टावर देश का सबसे बड़ा टावर होगा। इस बिल्डिंग में आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए 16 लिफ्ट के साथ दो मंजिल पर पार्किंग विकसित की जाएगी। पूरे प्रोजेक्ट को 2 फेज में पूरा किया जाएगा।

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल (दायें से दूसरे) ने मंगलवार को जेडीसी रवि जैन के साथ सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर यहां बनाये जा रहे आईपीडी टॉवर के निर्माण कार्य को देखा।

यहां 20 ऑपरेशन थिएटर, 100 ओपीडी काउंटर, 1200 बैड की सुविधा, एयर एम्बुलेंस के लिए छत पर हैलीपेड बनेगा। पहली मजिल पर संगोष्ठी कक्ष, मेडिकल साइंस गैलरी एडमिशन ब्लॉक तथा दूसरी मंजिल पर रेडियोलॉजी सेवा, डायग्नोस्टिक, सिटी स्कैन की सुविधा, -तीसरी मजिल पर छह आईसीयू वार्ड और संबंधित सेवाएं और -चौथी मजिल पर पोस्ट और प्रीआपरेटिव वार्ड, न्यूक्लियर मेडिसन, लैब एरिया साथ ही जनरल वार्ड, कॉटेज और डीलक्स रूम बनाए जाएंगे। इसके बाद मंत्री शांति धारीवाल ने बी-2 बाईपास, ओटीएस जंक्शन और लक्ष्मी मंदिर तिराहा व जवाहर सर्किल पर भी जाकर शेष प्रोजेक्ट्स का जायजा लिया।

घुटने और कंधे की सर्जरी तकनीकों पर की चर्चा

जयपुर । राजस्थान ओर्थोपेडिक सर्जन्स एसोसिएशन के सहयोग से जयपुर शोल्डर नी कोर्स-4 पर तीन दिवसीय कॉफ्रेंस का आयोजन जयपुर में किया जा रहा है। इस कॉफ्रेंस में देश विदेश के विख्यात जोईंट रिप्लेसमेंट व ओर्थोपेडिक सर्जन्स भाग ले रहे है।

- **ओर्थोपेडिक सर्जन्स की राष्ट्रीय कॉफ्रेंस का आयोजन हुआ**

कॉफ्रेंस के आयोजक डॉ. राजीव गुप्ता और डॉ.बी आर बगड़िया ने बताया कि यह नोर्थ इंडिया का सबसे बड़ा साइयंटिफ़िक प्रोग्राम है। जहाँ एक साथ कंधे व घुटने के जोड की लगभग 15-20 सर्जरियों के साथ लेटेस्ट टॉपिक्स पर पैनल डिस्कशन तथा डिबेट करवाया गया। इससे देश-विदेश से आये 250 से भी अधिक यूथ ओर्थोपेडिक डॉक्टर्स को नई तकनीकों के बारे में सीखने का अवसर मिलता है। इन नई तकनीकों से लोगों को इलाज में भी फायदा मिलेगा। कॉफ्रेंस में दिल्ली के डॉ.राजेश मल्होत्रा, पुणे के डॉ. हेमंत वाकनकर, चड़ीगढ़ के डॉ. मनुज वधवा, दिल्ली के डॉ. अमित जोशी सहित कई प्रसिद्ध ओर्थो सर्जन्स नेयुवा डॉक्टरां के साथ अपने अनुभव साझा किए। कॉफ्रेंस में घुटना रिप्लेसमेंट में अलग अलग तकनीकों से सर्जरी जैसे पार्शल नी रिप्लेसमेंट, रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट, लिग़ामेंट सेविंग नी रिप्लेसमेंट की गई। साथ ही कंधे की दुनिया में नई सर्जिकल तकनीक रिवर्स शोल्डर रिप्लेसमेंट, रोटेटर कप व बैंकार्ट पर पैनल डिस्कशन किया गया। इस अवसर पर आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भंडारी, इंडियन ओर्थपीडिक एसोसीएशन के पूर्व प्रेसिडेंट डॉ. आर सी मीना व रोज़ा प्रेसिडेंट डॉ. विनय गोयल ने इस प्रोग्राम की सराहना की।

सार-समाचार

श्याम मंदिर में नंदोत्सव की धूम मची

जयपुर (का.सं.)। झोटवाड़ा में जोशी मार्ग स्थित श्री श्याम मंदिर प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के दूसरे दिन नंदोत्सव मनाया गया। शाम 7 बजे से रात साढ़े 11 बजे तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उलटी। श्री श्याम मंदिर सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष शेर सिंह धाकड़ ने बताया कि जन्माष्टमी पर शुक्रवार देर रात श्याम प्रभु का पंचामृत से अभिषेक कर रंगीन फूलों से बाबा श्याम का अलौकिक शृंगार किया गया और फूल बंगला की झांकी सजाई गई। पूरे मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। शाम 7 बजे बाबा श्याम की आरती के पश्चात बाबा श्याम को विभिन्न मधुर-मधुर भजनों से रिझाया गया। साथ ही कलाकारों द्वारा कृष्ण-सुदामा, कृष्ण बाल लीलाएं, राधा-कृष्ण जैसी अनेक सजीव झांकियों की प्रस्तुति दी गई। रात्रि 12 बजे रंगीन आतिशबाजियों के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्म हुआ तथा भगवान की आरती की गई। ट्रस्ट अध्यक्ष धाकड़ ने बताया कि झोटवाडा क्षेत्र में स्थित श्याम मंदिर से लोगों का काफी जुडाव होने से मंदिर में लगभग 50 हजार शृद्धालू दर्शनों के लिए आते है। रात्रि 12.30 बजे सभी शृद्ालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

300 गौवंश को वैक्सीन लगाई

जयपुर (कासं)। लम्पी वायरस से गौवंश को बचाने के लिए अपेक्षा फांउडेशन की ओर से लगातार गौ माता को गोटा पॉक्स वैक्सीन लगाई जा रही है। संस्था से जुड़े नरेन्द्र राजपुरोहित ने बताया कि शनिवार को राधे रानी गौशाला, बिलौची में 250 गायों को तथा श्री गिरधर गौ सेवा आश्रम समिति में 50 गौवंश का टीकाकरण किया गया। दोनों गौशालाओं को 100 प्रतिशत वेक्सीनेट किया गया । नोडल जालसू ओमप्रकाश अटल व पशु चिकित्सा अधिकारी महेश चौधरी व प्रभारी रामपुरा, एच.एस. मीना ने गौवंश का टीकाकरण किया।

शिविर में 84 यूनिट रक्त एकत्र किया

जयपुर । भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद मणकस की ओर से लगाए गए रक्तदान शिविर में 84 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। स्व प्रमोद मणकस की स्मृति में उनकी दूसरी पुण्यतिथि के मौके पर विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं की ओर से उत्साह के साथ रक्तदान किया गया और शिविर में 84 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश काठोस के कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, एआईसीसी सदस्य राजेश चौधरी,उप जिला प्रमुख जयपुर मोहन डागर, शिव विहार विकास समिति अध्यक्ष महेश, सतीश अग्रवाल, पार्षद बबलू चौधरी, अशोक, सुभाष गुर्जर, पुरण मीना,कमलेश, अमनदीप, दुर्गेश यादव,रविन्द्र, ओमप्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नर्सिंग की पदोन्नति प्रक्रिया 23 से शुरू

जयपुर । नर्सिंग संवर्ग के विभिन्न पदों के लिए लंबे समय से लंबित पदोन्नित प्रक्रिया 23 अगस्त से शुरू कर दी जाएगी। यह आश्वासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक (अराजपत्रित) सुरेश नवल ने राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारे लाल चौधरी के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल को दिया। एसोसिएशन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि लंबे समय से पदोन्नित प्रक्रिया शुरू नहीं होने से नर्सिंग संवर्ग के कर्मचारी व अधिकारी बिना पदोन्नित के ही सेवानिवृत्त हो रहे थे। उन्होंने बताया कि 23 अगस्त को विभागीय अधिकारियों की बैठक कर एलएचवी से बीएचएस, नर्सिंग ऑफिसर से सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर से नर्सिंग अधीक्षक, नर्सिंग अधीक्षक से उपनिदेशक नर्सिंग साथ ही जीएनएम पास विभागीय कर्मचारियों की पदोन्नित समिति की बैठक आयोजित कर पदोन्नित प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में चित्तौड़गढ़ जिला अध्यक्ष मुकेश उज्जवल व प्रदेश सचिव मुकेश खंडेलवाल व जितेंद्र शामिल थे।

ग्रामीण ओलंपिक की तैयारियां 28 तक पूरी कराएं : मुख्य सचिव

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने 29 अगस्त से प्रारम्भ होने वाले खेलों का महाकुंभ 'राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक' के आयोजन संबंधी सभी तैयारियां 28 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों से संबंधित टीमों का गठन, मैदानों के चिन्हिकरण, खेल सामग्री की खरीद एवं टीमों का प्रैक्टिस सेशन प्रारम्भ करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि टीमों का गठन कर आज ही अभ्यास सत्र प्रारम्भ करें बड़े स्तर पर ग्रामीण खेलों का आयोजन भाईचारे की भावना बढ़ाने व हैप्पीनेस इंडेक्स बढ़ाने का एक अवसर है, जिसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें।

शर्मा शनिवार को सचिवालय में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक 2022 खेलों के आयोजन की तैयारियों, कोविड-19 वैक्सीनेशन के लिए राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग समिति व फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि खेलों का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर 29 अगस्त से एक सितंबर तक चार दिन तक होगा। इसमें कबड्डी, खो-खो, टेनिसबॉल क्रिकेट, वॉलीबॉल, हॉकी और शूटिंग वॉलीबॉल खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण ओलिंपिक खेलों के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, निरोगी राजस्थान योजना का प्रचार-प्रसार जन-जन तक करना है। उषा शर्मा ने राज्य स्तरीय कोविड-19 स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के निःशुल्क प्रिकॉशन डोज प्रदान करने के लिए 'कोविड टीकाकरण अमृत महोत्सव' का कलैण्डर तैयार करे।

शिविर में सैकड़ों मरीज लाभान्वित

जयपुर (कासं)। आमेर के ग्राम रुण्डल में गोदी देवी महादेव प्रसाद जन सेवा समिति के तत्वावधान में तथा एम.जी.पैथ लैब व ओम आई विजन के सौजन्य से प्रशांत सैनी की प्रथम पुण्यतिथि पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में रुण्डल सहित आसपास के 10-12 गांवों के सैकड़ों मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। संस्था के अध्यक्ष मुक्तिलाल अग्रवाल व सचिव जे.आर. सैनी ने बताया कि शिविर में मस्तिष्क, नेत्र, स्त्री रोग व अस्थि रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दी। सरपंच मोहिनी देवी पुरण मल यादव व संस्था की कोषाध्यक्ष सविता सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। समापन समारोह में संस्था की ओर से चिकित्साकर्मियों, नर्सिंगकर्मियों, पैरामेडिकल स्टाफ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामसिंह खडोतिया, श्रीपाल सिंह शेखावत, मंगल चन्द चांदोलिया, मिथुन कुमार चांदोलिया और दीपेंद्र सिंह शेखावत कई लोग मौजूद थे।

राजस्थान में पिछले बीस दिनों में करोना से 26 लोगों की मौत

शनिवार को जयपुर में 2 और टोंक में एक संक्रमित की मृत्यु हुई है

जयपुर (कासं)। प्रदेश में करोना संक्रमण से हो रही मौतों का आंकड़ा एक बार फिर बढ़ने लगा है। राज्य में शनिवार को इस बीमारी से तीन और लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही पिछले बीस दिन में करोना से 26 संक्रमितों की मौत हो चुकी है। राज्य में आज 561 नए संक्रमित मिले हैं।

- **प्रदेश में 561 नए मरीज मिले हैं, वहीं 652 रोगी ठीक भी हुए हैं।**
- **जयपुर और अलवर के बाद अब भरतपुर में भी बड़ी संख्या में नए संक्रमित मिल रहे हैं।**

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर में 2 और टोंक में 1 संक्रमित की मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9606 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर शनिवार को राज्य के 23 जिलों में 561 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 748 रोगी पाए गए थे। राजधानी जयपुर में आज 247 नए संक्रमित सामने आए हैं। इसके अलावा भरतपुर में 78, अजमेर में 28, उदयपुर में 25, चित्तौड़गढ़ में 23, सीकर में 20, जोधपुर में 18, डूंगरपुर में 17, बूंदी में 13, बीकानेर, कोटा व नागौर में 12-12, अलवर व सवाई माधोपुर में 8-8, बांसवाड़ा, दौसा, जैसलमेर, जालोर व सिरोही में 6-6, धौलपुर में 4, पाली में 3, झालावाड़ में 2 और झुंझुनूं में एक नया मरीज मिला है।

राज्य में शनिवार को रिकवरी में थोड़ा सुधार हुआ है। इस दौरान 652 मरीज ठीक हुए हैं। रिकवरी अधिक होने से एक्टिव केस घटकर 4313 रह गए हैं। हालाकि इनमें सबसे ज्यादा 1556 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा भरतपुर में 481, अलवर में 462 और उदयपुर में 264 मरीजों का इलाज चल रहा है।

राजधानी जयपुर में शनिवार को 54 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 29 मरीज सांगानेर इलाके में पाए गए हैं। मालवीय नगर में 20, मानसरोवर व प्रताप नगर में 16-16, जगतपुरा में 14, सोड़ाला व वाटिका में 13-13, दुर्गापुरा और खोह नागोरियान में 10-10 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं अन्य स्थानों पर इससे कम मरीज पाए गए हैं। 9 संक्रमित ऐसे है जिनका पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 183 मरीज ठीक हुए हैं।

बगावत के डर से एनएसयूआई-एबीवीपी नामांकन से तुरंत पहले उतारेगी प्रत्याशी?

सोमवार से शुरू होंगे नामांकन; महासचिव, उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर जातिगत समीकरणों और जिताऊ उम्मीदवारों के फेर में उलझे दल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । 26 अगस्त को होने वाले छात्रसंघ चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे ही राजस्थान यूनिवर्सिटी का माहौल रोचक होता जा रहा है। सोमवार से प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल किया जायेगा। मात्र 1 दिन नामांकन में बचा है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि एनएसयूआई और एबीवीपी दोनों ही संगठन बगावत के डर से आखिर वक्त में अपने शेष प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारेगी। उधर राजस्थान विश्वविद्यालय में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन भी हो चुका है। इस बार अपेक्स बॉडी के लिए 20 हजार 770 छात्र मतदान करेंगे। जबक शोध छात्र प्रतिनिधि के लिए 830 शोधार्थी वोट करेंगे।

- **राजस्थान विवि. में मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन हुआ, 20 हजार 770 विद्यार्थी डाल सकेंगे वोट**

देखा जाये तो अध्यक्ष का टिकट देने के बाद एनएसयूआई में फूट खुलकर सामने आ चुकी है। टिकट कटने से बगावत का ऐलान कर चुके छात्र नेताओं को एनएसयूआई संगठन मनाने में जुटा हुआ है। इस मान-मनोवल के कारण एनएसयूआई महासचिव सहित अन्य पदों पर प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाई। सिंडिकेट के नियमों के कारण एबीवीपी के कई उम्मीदवार अयोग्य हो चुके है, ऐसे में अब एबीवीपी महासचिव पद के लिए मजबूत प्रत्याशी की तलाश में है।

उधर राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार पर आई कार्ड देखने के बाद ही छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है। गाड़ियों को भी कैंपस में नहीं ले जाने दिया जा रहा। शनिवार को एक छात्रनेता अपनी गाड़ी अंदर ले जाने पर अड़ गया। पुलिस ने उससे आई कार्ड मांगा तो उसके पास आई कार्ड नहीं मिला। इसके बाद भी वह अंदर जाने की जिद करने लगा, इस पर पुलिस से उसकी झड़प हो गई। आखिरकार पुलिस ने चार छात्रों को गिरफ्तार कर लिया।

उधर राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर स्थित महिला छात्रावास में शुक्रवार देर रात पार्टी के आयोजन के मामले ने तुल पकड़ लिया है। आचार संहिता में बिना परमिशन के पार्टी करने पर एबीवीपी ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर मिलीभगत करने करने के गंभीर आरोप लगाए है। विश्वविद्यालय ने भी इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है और चीफ वार्डन को तलब किया है। कुलपति प्रो. राजीव जैन और मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. हर्षद्विदी ने भी कॉर्ड ऑफ कंडक्ट कमेटी के नियमानुसार कार्रवाई करने की बात की है। विश्वविद्यालय मुख्य द्वार पर एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा और छात्रसंघ अध्यक्ष प्रत्याशी नरेंद्र यादव ने विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार को घेरा। हुश्यार मीणा ने कहा कि एनएसयूआई के प्रत्याशी को जीताने के लिए सरकार के इशारे पर विश्वविद्यालय प्रशासन काम कर रहा है।

नगर भ्रमण पर निकले गोविंददेवजी

जयपुर (कासं)। जन्माष्टमी के अगले दिन शनिवार को आराध्यदेव गोविंद देवजी पूरी तैयारी के साथ नगर भ्रमण पर निकले तो अगवानी में तैयार खड़े छोटीकाशी के श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर शानदार स्वागत किया। फूलों से सजे रथ में विराजमान गोविंद देवजी की छवि को निहारने के लिए लोग उतावले नजर आए।

पूजा-अर्चना के बाद जयकारों के साथ शोभायात्रा शनिवार शाम को गोविंद देवजी मंदिर प्रांगण से रवाना हुई। शोभायात्रा यहां बड़ी चौपड़ पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने ठाकुरजी की आरती उतारी। जगह-जगह शर्बत और पानी पिलाने की व्यवस्था की गई। जौहरी बाजार में भी शानदार ढ़ंग से स्वागत हुआ। बापू बाजार, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल बाजार में भी जगह-जगह आरती उतारकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। बगरू वालों का रास्ता होती हुई शोभायात्रा पुरानी बस्ती स्थित मंदिर श्री गोपीनाथजी पहुंची। जहां आरती के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने हरे कृष्ण हरे राम के संकीर्तन से माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

Poet's Day

Poetry… We hear the term bandied about all the time, and there isn't one of us that avoided writing some in our younger days. Whether that poetry was written by the dictate of our instructors in school or driven by hormone fuelled teenage angst; there was a portfolio of our work available to embarrass or edify us. Poetry Day honours this art. Connect with your inner poet by writing some poetry yourself or read the beautiful words of the poets from the Ancient Greeks to contemporary poets.

#TRIED&TASTED

Weelicious Weekend

More time inside means more opportunities to make some fun recipes with your kids!

Cooking teaches kids a number of important life skills, so the earlier you can get them experimenting with recipes and ingredients, the better! Here are some simple ways to get them having fun in the kitchen – no oven required.

Banana Sushi

Ingredients

- Bananas
- Almond butter
- Whipped cream cheese
- Crushed cereal
- Rice crispy cereal
- Chia seeds
- Shredded coconut
- Chopped chocolate
- Cinnamon sugar

Preparation

1. Cut the bananas into 1-1/2-2 inch pieces, roll in almond butter or whipped cream cheese and roll in any desired coating.
2. Feel free to use other ingredients you have on hand as well.

Frozen Yogurt Fruit Bites

Ingredients

- 1 5.3 ounce container whole milk vanilla greek yogurt
- 1/3 cup fresh raspberries

Preparation

1. Place yogurt and raspberries in a bowl and mash with a fork. If you want chunks of raspberries don't overly mash.
2. Using a small spoon or spatula place the mixture into silicone moulds.
3. Tap once or twice to remove any air bubbles.
4. Place the mould on a small baking sheet or directly into your freezer and freeze for 4-6 hours or until bites are solid.
5. Pops bites from moulds and enjoy.

Strawberry SunButter Bites

Ingredients

- 2 large flour tortillas
- 4-6 tablespoons SunButter
- 10 strawberries, thinly sliced

Preparation

1. Place the tortillas on a flat surface and spread each with 2-3 tablespoons sunbutter.
2. Divide the strawberries between the wraps and tightly roll up pressing the edge of tortilla with sunbutter to adhere.
3. Place the wrap seam side down on a cutting board; cut 1 inch wheels and serve.

Cookie Dough Balls

Ingredients

- 1 cup old fashioned oats
- 1/2 cup unsweetened coconut flakes
- 1/2 cup peanut butter or sun butter
- 1/2 cup ground flax seed
- 1/2 cup chocolate chips (semi sweet or vegan)
- 1/3 cup honey or agave nectar
- 1 tablespoon chia or hemp seeds
- 1 teaspoon vanilla extract
- Dye-free sprinkles

Preparation

1. Place all of the ingredients except the sprinkles in a food processor and pulse until thoroughly combined.
2. Use your hands to roll the mixture into 1 inch balls, then roll in the sprinkles.
3. Store in an airtight container in the refrigerator.

Imran Khan.

#CRICKET

Gavaskar, Imran in same XI as also Sachin & Akram… Wow!

Lokendra Pratap Sahi
Senior Journalist

Not jumping into the akhada of politics, the completion of 75 years of Independence of India and Pakistan pushed me towards spending hours on a Big Question in the context of cricket: What if India had not been carved into two nations by our erstwhile rulers?

Surely, through generations, undivided India would have had unbeatable teams.Enviable XIs, always.

Without going back to the Hanif Mohammeds and Fazal Mahmoods (both of whom were such wonderful hosts in Pakistan, by the way) or the Vijay Hazares and Vinoo Mankads, I jotted down three teams to reflect the last 50 years: 1972-1991, 1992-2005, 2006-2022.

Paramount for me was to make sure each cricketer had made an impact for, at least, around five years in the period where he made the cut.

Obviously, having played right through the period in question could not have been a consideration.

I was strongly influenced by performances in Test cricket, for that is the premier format. Not ODIs and most certainly not T20Is.

Call it a bias, but no format tests character the way the five-day game does. Come out tops in Test cricket and you become a winner - for life, if I may add.

Naturally, I do not expect everybody to agree with my XIs. However, in this fascinating exercise, I have made an effort to be fair. A regret is I had to leave out stalwarts like Dilip Vengsarkar and Wasim Bari; VVS Laxman and Shoaib Akhtar; Zaheer Khan and Mohammed Hafeez. Also, Ramiz Raja, Mohammed Yousuf, Harbhajan Singh and Mohammed Shami.

Mohammed Azharuddin has lost out, but could indeed have made two teams: 1972-1991 and 1992-2005. So, another name added to my list of those one feels sorry for.

Big guns all.

Apologies to every single outstanding cricketer I was just not able to pick in my XIs.Trust they will not be offended.

Except my first and third teams, the one from 1992-2005, would arguably be unbeatable across the formats.

Even though exceptions could have been made with good reason, I have not named any cricketer in more than one team.

Each XI has a mentor. Well, why not a coach? My answer is simple: The cricketers selected need no coaching! A mentor with stature, who has himself played at the highest level, would suffice.

Also, the concept of coach in the way we understand today did not exist in the 1970s.

Do read on and, perhaps, debate…

Sourav Ganguly.

Virat Kohli.

UNBEATABLE/1972-1991

Openers: Sunil Gavaskar, Majid Khan.

Middle order: Mohinder Amarnath, Gundappa Viswanath, Zaheer Abbas, Javed Miandad.

'Keeper: Syed Kirmani.

All-rounders: Kapil Dev, Imran Khan (captain).

Specialist bowlers: Bishan Bedi, Abdul Qadir.

12th man: Brijesh Patel for the first half, then Madanlal.

Mentor: Mansur Ali Khan 'Tiger' Pataudi.

Unlucky: Accomplished Vengsarkar. Which batsman could I have left out?

Of my three teams, choosing this was the easiest. Most picked themselves, but I did grapple with the captaincy bit. There were five contenders - Bedi, Gavaskar and Kapil; Imran and Miandad. Honestly, any one would have done an excellent job, but I went with the supremely inspirational Imran. Maybe, some will question my choice, which is fine.

I have not named my favourite spinner, Erapalli Prasanna, which should confirm the point made earlier, that of being fair.

UNBEATABLE/1992-2005

Openers: Virender Sehwag, Saeed Anwar.

Middle order: Rahul Dravid, Sachin Tendulkar, Inzamam-ul-Haq, Sourav Ganguly (captain).

'Keeper: Moin Khan.

All-rounder: Wasim Akram.

Specialist bowlers: Anil Kumble, Jawagal Srinath, Waqar Younis.

12th man: Ajay Jadeja in the first half, then Yuvraj Singh.

Mentor: Intikhab Alam.

Unlucky: Laxman and Akhtar. I went with Sourav, and not Laxman, as he could be useful with the ball too. Had Laxman made it, my captain would have been Dravid. As for Akhtar, I chose the more steady (and not controversial) Srinath.

This XI wasn't an easy selection, given that I was spoilt for choice. As stated, omitting classy Laxman and fiery Akhtar was tough. But, then, so many cannot play.

UNBEATABLE/2006-2022

Openers: Rohit Sharma, Azhar Ali.

Middle order: Babar Azam, Virat Kohli (captain), Younis Khan, Misbah-ul-Haq.

'Keeper: Mahendra Singh Dhoni.

All-rounder: Ravichandran Ashwin.

Specialist bowlers: Jasprit Bumrah, Mohammed Amir, Shaheen Shah Afridi.

12th man: Suresh Raina for the first half, then Ravindra Jadeja.

Mentor: Ravi Shastri.

Unlucky: Zaheer. Amir made it instead, by the narrowest of margins. Picking one and not the other did take up considerable time. However, I am satisfied with the firepower-packed pace attack. Lethal threesome, is it not?

Apart from choosing Amir over Zaheer, I debated long and hard on the captaincy. I named Virat as he has fared better overseas than Dhoni, having registered terrific wins. Had this team exclusively been for the white-ball formats, Dhoni would have been at the helm. No debate.

Overall, 17 from India and 16 from Pakistan have made the cut. Fairly good 'balance', to eliminate whispers of a tilt.

Selecting the teams was far from a walk in the park, but put them on the scoreboard at any cricket ground in the world and the opposition would freeze.

The rest of this Column is devoted to former Board of Control for Cricket in India office-bearer Amitabh Choudhary, who passed away in Ranchi on Tuesday.

Amitabh, 62, distinguished himself as an IPS officer and, later, in the Jharkhand State Cricket Association (JSCA) and in the Board.

If Dhoni ensured Ranchi got international mileage, Amitabh gave Jharkhand's capital a world-class stadium. That apart, the state's vote in the Board was much sought after by candidates during elections.

Few know that, behind the scenes, Amitabh actively worked for Dhoni's maiden India call, in 2004-2005. "Usse ek chance to milne do, Boss… Then enjoy," he told me days before the selectors were to name the India squad for a short tour of Bangladesh.

It was left to me to "discreetly" convey Amitabh's request to the men who mattered. Basically, that Dhoni be given the opportunity he deserved. Amitabh was confident the selectors would not regret their investment.

The rest, as is so often said, is history as Dhoni scripted such a uniquely memorable script.

It is interesting that both Dhoni and Amitabh kept growing in stature simultaneously. One on the field, the other off it.

Having taken premature retirement from the IPS (letting go the chance to sign off as his state's DGP), Amitabh dabbled in politics before giving 100 per cent attention to his role in cricket administration.

Joint secretary to acting secretary to representing India at International Cricket Council meetings… Amitabh ended up making enemies both within and outside the Board.

A 'foe' within was Vinod Rai, who headed the Supreme Court-appointed Committee of Administrators which ran the Board from January 2017 till Sourav and Jay Shah took charge in October 2019.

The almost regular 24x7 conflict between Amitabh and Rai could have made for a best-selling book.

After Sourav and Shah took control of the Board, Amitabh stepped back from the headlines, but kept guiding the present-day administrators in Jharkhand.

Even on the evening before he passed away, Amitabh was meeting them in connection with the upcoming India vs South Africa ODI in Ranchi.

Aware that Amitabh could add value, the Hemant Soren government had appointed him chairman of the Jharkhand State Public Commission. He was in that position at the time of his death.

Respecting everything Amitabh did for Jharkhand, the government honoured him by according a state funeral. Chief Minister Soren was present at the cremation.

Clearly, a chapter in Jharkhand's cricket has ended. But it is unlikely that Amitabh's contribution will, with time, be forgotten.

The JSCA has, by the way, called a meeting of its Committee of Management today (Sunday) to consider ways to keep "Amitabh Sir's memory alive," as secretary Debasish Chakraborty put it.

That would be proper.

writetoarbit@rashtradoot.com

Wasim Akram.

Sunil Gavaskar.

Shaheen Shah Afridi. MS Dhoni. Babar Azam. Sachin Tendulkar. Inzamam-ul-Haq. Kapil Dev. Javed Miandad.

#STARVATION

Full-scale Nuclear War

The ozone layer would be destroyed by the heating of the stratosphere producing more ultraviolet radiation at the surface.

More than 5 billion people would die of hunger following a full-scale nuclear war between the US and Russia, according to climate scientists who estimated post-conflict crop production.

"The data tell us one thing: We must prevent a nuclear war from ever happening," says study co-author Alan Robock, a professor of climate science in the environmental sciences department at Rutgers University.

Lili Xia, an assistant research professor, also in the environmental sciences department, is lead author of the study in the journal Nature Food.

Building on past research, Xia, Robock and colleagues calculated how much sun-blocking soot would enter the atmosphere from firestorms that the detonation of nuclear weapons would ignite. The researchers calculated soot dispersal from six war scenarios -- five smaller India-Pakistan wars and a large US-Russia war -- based on the size of each country's nuclear arsenal.

They then entered these data into the Community Earth System Model, a climate forecasting tool supported by the National Centre for Atmospheric Research (NCAR). The NCAR Community Land Model made it possible to estimate productivity of major crops (maize, rice, spring wheat and soybean) on a country basis. The researchers also examined projected changes to livestock pasture and in global marine fisheries.

Under even the smallest nuclear scenario a localized war between India and Pakistan, the global average caloric production decreased 7% within five years of the conflict. In the largest war scenario tested -- a full scale US-Russia nuclear conflict -- global average caloric production decreased by about 90% three to four years after the fighting.

Crop declines would be the most severe in the mid-high latitude nations including major exporting countries such as Russia and the US, which could trigger export restrictions and cause severe disruptions in import dependent countries in Africa and the Middle East.

These changes would induce a catastrophic disruption of global food markets, the researchers conclude. Even a 7% global decline in crop yield would exceed the largest anomaly ever recorded since the beginning of Food and Agricultural Organization observational records in 1961. Under the largest war scenario more than 75% of the planet would be starving within two years.

Researchers considered whether using crops fed to livestock as human food or reducing food waste could offset caloric losses in a war's immediate aftermath but the savings were minimal under the large injection scenarios.

"Future work will bring even more granularity to the crop models," Xia says. "For instance the ozone layer would be destroyed by heating of the stratosphere producing more ultraviolet radiation at the surface and we need to understand that impact on food supplies."

Climate scientists at the University of Colorado, which partnered with Rutgers on the study are also creating detailed soot models for specific cities such as Washington, DC, with inventories of every building to get a more accurate picture of how much smoke would be produced.

Robock says that the researchers already have more than enough information to know that a nuclear war of any size would obliterate global food systems killing billions of people in the process.

"If nuclear weapons exist they can be used and the world has come close to nuclear war several times," Robock says. "Banning nuclear weapons is the only long-term solution."

"The five-year-old UN Treaty on the Prohibition of Nuclear Weapons has been ratified by 66 nations, but none of the nine nuclear states. Our work makes clear that it is time for those nine states to listen to science along with the rest of the world and sign this treaty."

THE WALL

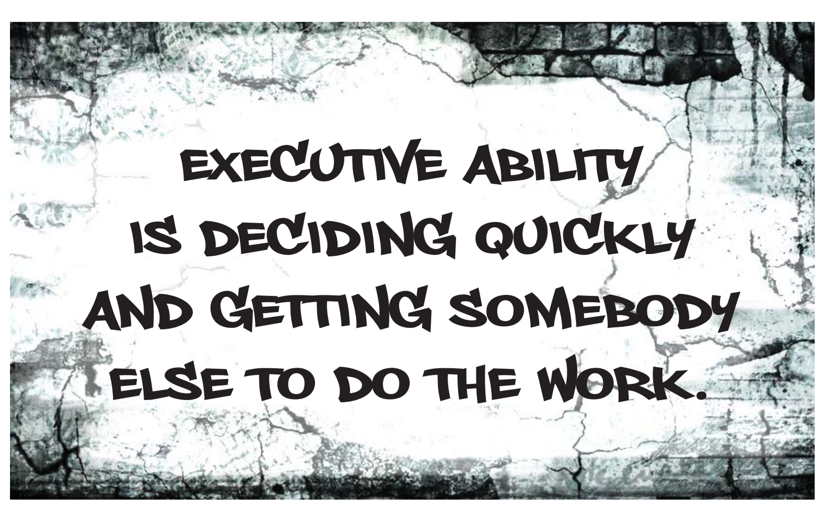

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

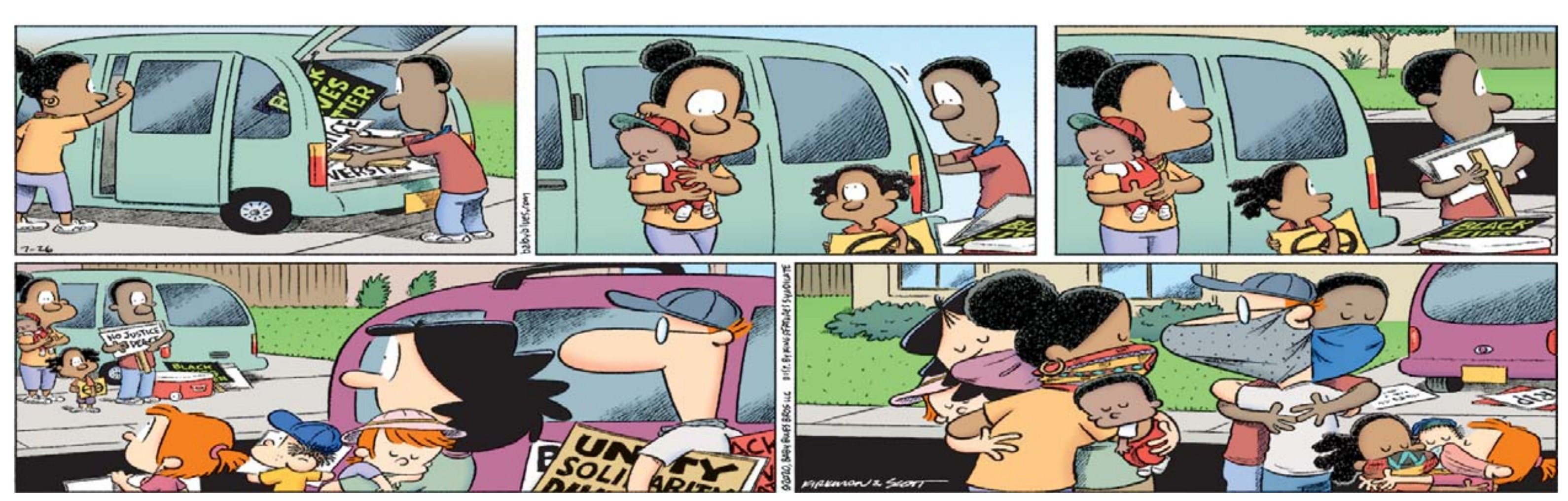

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

गोवल में मिर्ची की अच्छी पैदावार को देखने पहुंचे एसीईओ चौहान

एसीईओ चौहान ने इस दौरान किसानों का उत्साहवर्धन किया

राजसमंद के ग्राम पंचायत गोवल में बोई गई मिर्ची की फसल का अवलोकन करते अधिकारी।

■ जिला परिषद के एसीईओ भुवनेश्वर सिंह चौहान ने कृषक धर्मचंद से उन्नत खेती के तरीकों की विस्तृत जानकारी ली

राजसमंद, (निसं)। जिला परिषद के एसीईओ भुवनेश्वर सिंह चौहान ने ग्राम पंचायत गोवल में किसानों के खेतों में अच्छी मिर्ची की फसल देखकर उनका उत्साहवर्धन किया। कृषि पर्यवेक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि मिर्च की फसल का सब्जियों में एक महत्वपूर्ण स्थान है एवं मिर्च का उपयोग सभी प्रकार के सब्जियों, चटनी, मसाले व अचार के रूप में होता है एवं मिर्च में विटामिन ए व सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। मिर्च की फसल उष्ण जलवायु में बहुत अच्छी तरह पनपती है, जो कि हमारे जिले के वातावरण से मेल खाती है इसीलिए मिर्च फसल तैयार करना हमारे लिए उपयुक्त है। इसके लिए भूमि की तैयारी, बुवाई का समय एवं एक पौधे से दूसरे पौधे की बीच की दूरी भी पैदावार के लिये आवश्यक है।

साथ ही नर्सरी तैयार करते समय उसमें जल निकास की सुविधा भी मौजूद रहे इस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। किसानों ने मिर्च की फसल के साथ अन्य फसल जिसमें मक्का व धनिया की भी उन्नत खेती कर रखी है जिसकी चौहान ने सराहना की। चौहान ने कृषक धर्मचंद से उन्नत खेती के तरीकों की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि उन्नत खेती में नवाचार कार्यक्रम हेतु हाईब्रीड मिर्च उत्पादन के तहत स्थानीय कृषि पर्यवेक्षक द्वारा निरीक्षण कर आवश्यक सलाह दी जाती है। इस दौरान विकास अधिकारी शैलेन्द्र पी खिंची, सहायक विकास अधिकारी उगमराज सिंह एवं घनश्याम सिंह उपस्थित थे।

संतुलन बिड़गने से युवक ट्रेन से गिरा, मौके पर मौत

मृतक के शव को साथी आगरा ले गए

ट्रेन से गिरने के बाद मृतक युवक के शव को एम्बुलेंस में ले जाते साथी।

हिण्डौन सिटी, (कासं)। शहर के महवा रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज के नीचे शनिवार दोपहर आगरा से चलकर अहमदाबाद जा रही अजीमाबाद सुपरफास्ट ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई।

आगरा निवासी युवक राकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि वे चार साथी आगरा से अहमदाबाद मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान अजीमाबाद सुपरफास्ट ट्रेन से सफर के दौरान उनका साथी दीपक पुत्र रामनिवास उम्र 25 साल ट्रेन में दरवाजे पर खड़ा था। इस दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया जिससे वह शहर की महवा रोड स्थित रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे ट्रेन से गिर गया । पास में खड़े अन्य लोगों ने जब बोगी में शोर मचाया तो ने घटना की जानकारी मिली और वे अगले स्टेशन श्री महावीरजी पर ट्रेन से उतर गए।

उन्होंने घटना की सूचना स्टेशन प्रबंधक ओवर रेलवे पुलिस को दी इधर सूचना सूचना के रेलवे पुलिस और कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वही श्री महावीर जी से चलकर मृतक युवक के साथी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। युवक के साथी मृतक दीपक के शव को एंबुलेंस से आगरा ले गए।

एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नहर में कूदे युवक-युवती

सार्दुल ब्रांच नहर से युवती को बचाया, युवक का शव बरामद

हनुमानगढ़, (निसं)। सार्दुल ब्रांच नहर में छलांग लगाने वाले युवक-युवती में से युवती को लोगों ने बचा लिया। परंतु नहर में बहे युवक का शव आज मिला है।

जंक्शन के वार्ड 55 में रहने वाले एक युवक और युवती ने सार्दुल ब्रांच नहर में छलांग लगा दी। इन्हें नहर में कूदते देख पास से गुजर रहे लोगों ने युवती को तो सकुशल बाहर निकाल लिया, जबकि युवक पानी के तेज बहाव में बह गया। पुलिस ने गोताखोरों को नहर में उतार युवक की तलाश शुरू करवाई, लेकिन उसका पता नहीं चला। प्रत्यक्षदशिर्यों ने बताया कि पटरी पर बैठकर शराब पीने के बाद दोनों एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नहर में कूद गए।

सुरेशिया चौकी प्रभारी एएसआई भूपसिंह ने बताया कि सूचना मिली कि जंक्शन के वार्ड 55 में एक ही मोहल्ले में रहने वाले युवक मोतीराम बावरी और युवती नानकी बावरी ने सार्दुल ब्रांच नहर में छलांग लगा दी है। सूचना पर मौके पर पहुंचे तो रेस्क्यू में युवती नानकी को तो सकुशल नहर से बाहर निकाल लिया, लेकिन मोतीराम का पता नहीं चल पाया। गोताखोरों को नहर में उतार रेस्क्यू किया गया। मोतीराम की नहर में तलाश की गई। उन्होंने बताया कि प्रथमदृष्टया मोतीराम व नानकी की ओर से स्वयं नहर में छलांग लगाने की बात सामने आई है। इस संबंध में जांच जारी है। दोनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि परिजनों से बातचीत के बाद ही नहर में कूदने के कारणों का खुलासा हो पाएगा। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक युवती व एक युवक सार्दुल ब्रांच नहर की पटरी पर आए। दोनों ने शराब पी और देखते ही देखते एक साथ नहर में कूद गए।

उन्होंने युवती को तो नहर से जिंदा बाहर निकाल लिया, लेकिन युवक का पता नहीं चला। वहीं, एएसआई भूप सिंह ने बताया कि युवक का शव नहर से बरामद कर लिया गया। नहर में कूदने से पहले दोनों ने अपनी चप्पलें नहर किनारे उतारी। युवती ने अपनी चुन्नी भी नहर किनारे छोड़ दी। पार्षद सिंगाराम भाट के अनुसार नहर में कूदने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि रमजान खान, वार्ड कई लोग और मृतक के परिजन मौजूद थे।

ट्रिपलआईटी बैंगलुरू की आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

कोटा, (निसं)। देश के सर्वश्रेष्ठ ट्रिपलआईटी में शामिल ट्रिपलआईटी बैंगलुरु की आवेदन प्रक्रिया जेईई-मेन के आधार पर प्रारंभ हो चुकी है। ट्रिपलआईटी हैदराबाद की भांति ट्रिपलआईटी बैंगलुरू में भी विद्यार्थियों की रूचि प्रवेश के लिए विशेष दिखाई देती है। इन संस्थानों में आवेदन की अंतिम तिथि 12 सितम्बर है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि ट्रिपलआईटी बैंगलुरू में 5 ईयर इंटीग्रेटेड एमटेक प्रोग्राम की कम्प्यूटर साइंस एवं इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन ब्रांच में जेईई-मेन के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। गत वर्षों में कम्प्यूटर साइंस ब्रांच की कटऑफ सीआरएल पर 7500 एआईआर के अंदर एवं इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन ब्रांच के अंदर 10 हजार एआईआर के अंदर रही। ऐसे में जिन विद्यार्थियों की आल इंडिया रैंक 15 हजार के अंदर है, उन्हें ही ट्रिपलआईटी बैंगलुरू के लिए आवेदन करना चाहिए। इस संस्थान का गत वर्ष का कम्प्यूटर साइंस ब्रांच का उच्चतम पैकेज दो करोड़ रुपए प्रतिवर्ष, औसतन पैकेज 30 लाख रुपए प्रतिवर्ष, मेडियन पैकेज 24 लाख रुपए प्रतिवर्ष रहा है। इसी प्रकार इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन ब्रांच का हायर पैकेज 46 लाख, औसत 24 लाख एवं मेडियन पैकेज 23 लाख रुपए रहा।

इसी वजह से यह संस्थान विद्यार्थियों की प्राथमिकता में रहता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी जेईई-मेन की आल इंडिया रैंक के आधार पर एलएनएमआईटी जयपुर, थापर पटियाला एवं धीरूभाई अंबानी अहमदाबाद संस्थानों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। जेईई-मेन के आधार पर जेपी नोएडा, निरमा अहमदाबाद आदि संस्थानों की काउंसलिंग प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

उदयपुर में 25 नए कोरोना संक्रमित मिले

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में शनिवार को 512 सेम्पलस की मिली जांच रिपोर्ट्स में 25 कोरोना संक्रमित पाए गए। इसी के साथ जिले में कोरोना संक्रमितो संख्या 207 हो गई है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एल. बामनिया के अनुसार शनिवार को उदयपुर जिले में 25 कोरोना संक्रमित चिन्हित किये गए ,इन में से 16 शहरी क्षेत्र से तथा ०9 ग्रामीण इलाके से है । इन्हें मिलाकर जिले में कोरोना संक्रमित एक्टिव रोगियों की संख्या 207 हो गई है। सभी संक्रमित होम आइसोलेशन में है ।

बिजलीकर्मी की करंट से मौत

चिड़ावा, (निसं)। शहर के निकट सुल्ताना में बिजली निगम में निजी ठेका कंपनी की एफआरटी में कार्यरत कर्मचारी की करंट से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक लाइन को ठीक कर रहा था। युवक की मौत के बाद शव को चिड़ावा सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया। अस्पताल में परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव लेने से इनकार कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसरा युवक के परिजनों ने 10 लाख रुपए मुआवजे की मांग रखी। पुलिस ने मध्यस्थता व समझाइश कर परिजनों को पोस्टमार्टम के लिए राजी किया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड टीम ने पोस्टमार्टम किया। जानकारी के अनुसार केहरपुरा कलां निवासी अशोक कुमार सुल्ताना क्षेत्र में ठेका कंपनी की एफआरटी में कार्यरत था। जो कि शाम को सुल्ताना-जोडिया रोड पर फ्यूज बांधने के लिए गया था। मगर दूसरी लाइन का शटरडाउन लेने के कारण युवक को करंट लग गया। जिसे तत्काल सुलताना के अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे चिड़ावा रैफर कर दिया। चिड़ावा में डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव मोर्चरी में है।

300 दिन से सुविवि में चल रहा योग शिविर

उदयपुर, (कासं)। विश्वविद्यालय की सामाजिक सरोकारिता की प्रतिबद्धता के मद्देनजर सुखाडयि विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में स्थित विवेकानंद सभागार के प्रांगण में स्थित कैफिटेरिया हॉल में गत 19 अक्टूबर से बिना किसी अवकाश के निरंतर चल रहे नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर के 43वें सप्ताह में योग प्रशिक्षक संतोष राजपूत द्वारा योगाभ्यास कराया जा रहा है।

योग केंद्र समन्वयक डॉ दीपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि इस शिविर में विगत 300 दिनों से योगाभ्यास कर रहे शिविरार्थियों को इस सप्ताह योग प्रशिक्षक संतोष राजपूत द्वारा शिविर में सूक्ष्म व्यायाम, ताडासन, सूर्य नमस्कार, गोमुखासन, मंडूकासन, शशांकासन, उष्ट्रासन, सेतुबंध, नोकासन, भुजंगासन के साथ प्राणायाम का अभ्यास भी कराया जा रहा है।

बॉर्डर तक आए पाकिस्तानी को पाक रेंजर्स को सौंपा

■ जांच में कुछ संदिग्ध नहीं मिला, पूछताछ में बताया रास्ता भटककर पहुंच गया बॉर्डर पर

श्रीगंगानगर, (निसं)। बीएसएफ ने गलती से भारतीय सीमा में आ पहुंचे एक पाकिस्तानी नागरिक को पूछताछ के बाद नियमानुसार पाक रेंजर्स को सौंप दिया। यह पाकिस्तानी नागरिक सीमा की जानकारी नहीं होने के कारण भटककर गलती से भारतीय सीमा में आ पहुंचा। उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं मिला जिससे उसकी गतिविधियां संदिग्ध मानी जा सकें।

ऐसे में बीएसएफ ने उससे पूछताछ की और जब पूछताछ में कुछ भी संदिग्ध नजर नहीं आया तो पाकिस्तानी रेंजर्स से संपर्क कर उन्हें इस पाक नागरिक को सौंप दिया गया। यह पाक नागरिक पाकिस्तान के बहावल नगर का रहने वाला है। वह सीमा चौकी रेणुका के नजदीक तारबंदी के पास तक आ गया। उसने पूछताछ में अपना नाम अहमद खान पुत्र मोहम्मद राशिद बताया। वह पाकिस्तान के बहावल नगर जिले की सादिकगंज तहसील के हेमावाली का रहने वाला है। उसने बताया कि वह पाकिस्तान में मेहनत मजदूरी करता है। उसकी तलाशी ली तो कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे उस पर शक किया जा सके। इस पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर्स से संपर्क किया और मानवीय आधार पर उसे पाक रेंजर्स को सौंप दिया।

अहमद खान पाकिस्तान के बहावल नगर इलाके में मेहनत मजदूरी करके परिवार पालता है। श्रीगंगानगर से सटी भारत पाक सीमा के दूसरी तरफ बहावल नगर का इलाका है। वह घूमते हुए बॉर्डर के पास तक आ गया। भारतीय सीमा की तरफ तारबंदी है और उससे कुछ आगे का इलाका भी भारतीय सीमा में ही है। ऐसे में पाक नागरिक उसे पाकिस्तानी इलाका मानते हुए तारबंदी के नजदीक तक आ गया तो बीएसएफ ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में जब कोई संदिग्ध बात सामने नहीं आई तो उसे पाकिस्तानी रेंजर्स को सौंप दिया गया।

दुष्कर्मी को आजीवन कारावास

करौली, (निसं)। के प्रकरण में आरोपी लवकुश राजपूत को दोष सिद्ध करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक महेंद्र कुमार मुद्गल ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना टोडाभीम में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पुत्री गत 24 मार्च 2021 को प्रात: घर पर नहीं मिली हमने आसपास तलाश किया फिर घर में सामान देखा तो 30 हजार रुपए जो अलमारी में रखे थे वह गायब मिले लवकुश जो हमारे घर आता जाता रहता था वह भी अपने घर से गायब मिला और पीड़िता के पिता ने लवकुश पर बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले जाने का मामला दर्ज कराया। इस पर पुलिस ने बालिका की तलाश शुरू की तो पीड़िता व लवकुश को 29 मार्च को पालनपुर गुजरात से दस्तयाब किया गया।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

■ बैलेंस बिगड़ने से सड़क किनारे गिरी कार में सवार चार लोग गंभीर घायल

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर शनिवार दोपहर को गाँव लुटाणा मंगनी के पास हुई सडक दुघर्टना में कार की लगी टक्कर से मोटरसाईकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार चार लोग घायल हो गये। थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा ने बताया कि गुलाबचन्द पुत्र श्रीचन्द जाति प्रजापत उम्र 20 साल निवासी पहाडसर तहसील राजगढ ने दर्ज मामले में बताया कि उसका भाई पवन कुमार पुत्र श्रीचन्द उम्र 23 साल 20 अगस्त को मोटरसाईकिल लेकर दादी गौरी मंदिर में धोक लगाने के लिए लुटाणा मंगनी गया हुआ था, उसके साथ राजू पुत्र राधेश्याम था जो वापिस आते समय एनएच 52 राजगढ से हिसार को पार करके सडक के साईड में खडा था व राजू पानी पीने के लिए पास ही स्थित होटल पर गया हुआ था। इतने में ही वक्त करीबन सांय 3 बजे हिसार की तरफ से आ रही मारूती एल्टो कार के चालक ने तेजगति व लापरवाही से चलाकर गलत दिशा में जाकर मोटरसाईकिल व उसके भाई पवन कुमार के टक्कर मार दी।

इसी बीच गांव के ही अन्य लोग भी पिकअप लेकर गोरी दादी के मंदिर में धोक लगाकर आ रहे थे, ने उसे संभाल, तो पवन कुमार को हिसार की ओर से आ रही एम्बुलेंस में डालकर सरकारी अस्पताल राजगढ में पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मारूती एल्टो कार चालक के खिलाफ दुघर्टना कारित करने के आरोप का मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। सूत्रो के अनुसार कार की टक्कर इतनी तेज थी कि कार का भी बैलेंस बिगड गया, जो सड़क से नीचे जा गिरी। तथा कार में सवार गाजियाबाद उत्तर प्रदेश निवासी गोगाजी भक्त सवार थे। जिनको अजय स्वामी ने एम्बुलेंस से एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनमें 15 वर्षीय किशोर धूव शाक्य, श्रवण, अभिषेक मिश्रा तथा भरत गुर्जर घायल थे, जिनकी हालात भी खतरे से बाहर बताई जा रही है।

भगवान श्री कृष्ण के जन्म पर राज परिवार ने लुटाई छाक

करौली के मदन मोहन जी मन्दिर में छाक लुटाते राज परिवार प्रमुख कृष्ण चन्द्र पाल।

करौली, (नि.स.)। करौली जिला मुख्यालय पर भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव के दूसरे दिन मंदिरों में छाक लुटाने का आयोजन हुआ इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जमकर छाक लूटी। करौली में आराध्य देव भगवान मदन मोहन जी महाराज के मंदिर में शुक्रवार की रात 12बजे भगवान के जन्म के बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया वहीं शनिवार को करौली राज परिवार प्रमुख कृष्ण चंद्र पाल एवं उनके पुत्र विभस्वत पाल ने मंदिर में पहुंचकर प्रात: 11 बजे भगवान की पूजा अर्चना कर जिले में अमन चैन और खुशहाली की मनौती मांगी इस अवसर पर पूरा मंदिर प्रांगण बंसीवारे के जयकारों से गूंजता रहा कार्यक्रम के दौरान राज परिवार प्रमुख कृष्ण चंद्र पाल एवं उनके पुत्र सहित मंदिर के सेवादारों ने भक्तों को भगवान की प्रसादी के अलावा फल,मेवा,मिष्ठान की छाक लुटाते हुए भगवान के जन्म की खुशी मनाई इसके अलावा शहर के गोविंद देव जी महाराज के मंदिर में मंदिर पदाधिकारी एवं पुजारियों द्वारा श्रद्धालुओं को छात्र लुटाई गई। वही करौली शहर के कृष्ण मन्दिरो मे भी भगवान के जन्म के बाद छाक लुटाने का कार्यक्रम हुआ।

युवक के अपहरण के चार आरोपी पकड़े

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बनेड़ा थाना क्षेत्र में कोटा बाईपास पर स्थित श्रीजी कोलोनी में जन्म दिन की पार्टी में शामिल होने आए युवक के अपहरण के मामले में फरार 4 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर एक तलवार और पिस्टल नुमा लाइटर बरामद किया है। थाना प्रभारी राजेंद्र ताड़ा ने बताया कि 16 अगस्त की रात्रि को भदाली खेड़ा से जा रहे कोटा बाईपास पर स्थित श्रीजी विहार कोलोनी में भवानी नगर के हनुमान कॉलोनी निवासी हनुमान धाकड अपने मित्रों के साथ संपत माली के जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने आया था, इस दौरान रात्रि के करीब 10-11 बजे पांसल निवासी मनीष जाट अपने मित्रों के साथ स्कॉर्पियो में सवार होकर वहां आया और पार्टी में शामिल हनुमान का पाइप व सरियो के दम पर अपहरण कर फरार हो गए थे ।

साथ ही मामले की सुचना मिलते ही हरक़त में आई पुलिस ने तुरंत जिले में नाकाबंदी करवाई। पुलिस ने पार्टी में शामिल युवकों से घटनाक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त करने के साथ अपहर्ताओं की तलाश में छापेमारी भी शुरू की, पुलिस की सतर्कता के चलते अपहर्ताओं ने हनुमान को पुर थाना क्षेत्र में पुलिस फायरिंग रेंज के निकट मारपीट के बाद छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए।

राजस्थान में बीजेपी के छह से सात उम्मीदवार : रघु शर्मा

रघु शर्मा ने धौलपुर के भाजपा नेता अशोक शर्मा के निधन पर शोक जताया

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं गुजरात के प्रभारी रघु शर्मा पूर्व मंत्री बनवारी लाल शर्मा के पुत्र एवं भाजपा नेता अशोक शर्मा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे।

धौलपुर, (निसं)। पूर्व मंत्री बनवारी लाल शर्मा के पुत्र एवं भाजपा नेता अशोक शर्मा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं गुजरात के प्रभारी रघु शर्मा ने भाजपा पर तीखे हमले किए । राजस्थान में अस्तित्व को बचाने की राजनीति के साथ केंद्र की भाजपा सरकार को महंगाई बेरोजगारी समेत अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर घेरा ।

सर्किट हाउस पर मीडिया के सवाल पर जवाब देते हुए रघु शर्मा ने कहा भारतीय जनता पार्टी साढ़े तीन से 4 साल तक तो सोती रही, कोई मुद्दा बीजेपी को मिला नहीं। झेंप मिटाने के लिए राजनीति की जा रही है। राजस्थान प्रदेश में बीजेपी के 6 से 7 उम्मीदवार तो मुख्यमंत्री पद के हैं। उन्होंने कहा अगर भारतीय जनता पार्टी खुद को देश में अनुशासित पार्टी कहती है तो गत 3 सालों के अंतर्गत मुद्दा आधारित राजनीति क्यों नहीं की ।

अब जब चुनाव आ रहे हैं तो अस्तित्व को बचाने के लिए राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा देश में महंगाई लगातार बढ़ ती जा रही है। बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच रही है। देश की अर्थव्यवस्था औंधे मुंह गिरी हुई है। देश में डॉलर का दाम 80 को पार कर गया। डेवलपमेंट देश में कहीं भी दिखाई नहीं दे रहा है। जितने भी पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग थे उनको बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा केंद्र की भाजपा सरकार हर क्षेत्र में विफल और फ्लॉप रही है। उन्होंने कहा राजस्थान प्रदेश में बीजेपी गुटों में फटी हुई है। विपक्ष की भी भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा, ब्लॉक अध्यक्ष विनीत कुमार शर्मा, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष मुकुंद चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

आप भारत और पाकिस्तान को कभी दौड़ से बाहर नहीं मान सकते क्योंकि उनके पास स्वदेश से बाहर भी बहुत सारे मैच विजेता हैं। अगर वे दोनों फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के करीब नहीं पहुंचते हैं तो मुझे हैरानी होगी।

– शेन वाटसन

पूर्व आस्ट्रेलिया आलराउण्डर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **झूलन गोस्वामी**

अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट ले चुकी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी लॉडर्स पर भारत और इंग्लैंड के बीच 24 सितंबर को तीसरे और आखिरी वनडे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी। 39 वर्ष की झूलन को तीन मैचों की श्रृंखला के लिये भारत की 17 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है । ये मैच होव (18 सितंबर), कैंटरबरी (21 सितंबर) और लाडर्स (24 सितंबर) पर खेले जायेंगे। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल मार्च में न्यूजीलैंड में वनडे विश्व कप में भारत के लिये आखिरी बार खेलने वाली झूलन को 'उचित विदाई' दी जायेगी।

क्या आप जानते हैं ?... वीरेन्द्र सहवाग पहले भारतीय बल्लेबाज है जिन्होंने टेस्ट मैच में तिहरा शतक लगाया।

भारत ने ज़िम्बाब्वे को पांच विकेट से मात दी

हरारे, 20 अगस्त। भारत ने शार्दुल ठाकुर (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद संजू सैमसन (43 रन) और शिखर धवन (33 रन) के योगदानों की बदौलत ज़िम्बाब्वे को दूसरे एकदिवसीय मैच में शनिवार को पांच विकेट से मात देकर शृंखला में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल की।

ज़िम्बाब्वे ने भारत को 50 ओवर में 162 रन का न्यून लक्ष्य दिया था, जिसे केएल राहुल की टीम ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और तेज़ गेंदबाज़ों ने ऊपरी क्रम को बिना समय व्यर्थ किये पवेलियन लौटाया। ठाकुर ने जहां इनोसेंट काइया (16) और कप्तान रेगिस चकाब्वा (2) का विकेट लिया, वहीं मोहम्मद सिराज ने टी काइटानो (7) और प्रसिद्ध कृष्णा ने वेस्ले माधेवेरे (2) को आउट किया।

सिकंदर रज़ा और सीन विलियम्स के बीच पांचवें विकेट के लिये साझेदारी पनप रही थी, लेकिन कुलदीप यादव ने रज़ा (16) को आउट करके इसपर विराम लगाया।

ज़िम्बाब्वे की आधी टीम के पवेलियन लौटने के बाद विलियम्स ने रायन बर्ल के साथ मिलकर पारी को संभालना चाहा, लेकिन वे नाकाम रहे और टीम 161 पर ऑल आउट हो गयी। विलियम्स ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की बदौलत 42 रन बनाये, जबकि बर्ल 47 गेंदों पर तीन चौके और एक छक्के के साथ 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय टीम में दीपक चाहर की जगह आये शार्दुल ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात ओवर में 38 रन देकर तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज ने किफायती गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए आठ ओवर में मात्र 16 रन दिये और एक विकेट झटका। दीपक हुड्डा, अक्षर पटेल, कृष्णा और यादव को भी एक-एक विकेट हासिल हुआ।

जब भारत 162 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरा तो गिल के स्थान पर कप्तान राहुल ओपनिंग करने आये। राहुल एशिया कप से पहले विकेट पर समय बिताना चाहते थे लेकिन विक्टर न्यौची की गेंद ने उनकी मंशा पर पानी फेर दिया और वह एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये गिल ने धवन के साथ 42 रन की साझेदारी की। धवन ने आउट होने से पहले 21 गेंदों पर चार चौकों की बदौलत 33 रन बनाये।

ल्यूक जॉन्वे ने कुछ देर बाद चौथे नंबर पर आये ईशान किशन (6) और गिल (33) को भी आउट कर दिया।

भारत के 97 रन पर चार विकेट गिरने के बाद सैमसन और दीपक हुड्डा ने 56 रन की साझेदारी की। संजू ने तीन चौकों और चार छक्कों के साथ 39 गेंदों पर 43 रन बनाये, जबकि हुड्डा ने 36 गेंदों पर तीन चौके लगाते हुए 25 रन की पारी खेली।

जब भारत को जीत के लिये नौ रन की आवश्यकता थी तब हुड्डा सिकंदर रज़ा की गेंद पर अपना विकेट खो बैठे जिसके बाद संजू और अक्षर पटेल (6) ने भारत को जीत तक पहुंचाया।

भारत ने शृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के साथ-साथ ज़िम्बाब्वे पर लगातार 14वीं जीत दर्ज की है, जो एक प्रतिद्वंदी के खिलाफ भारत की सर्वाधिक लगातार विजय हैं।

अंतिम ने अंडर-20 चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक स्वर्ण

सोफिया (बुल्गारिया), 20 अगस्त। भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघाल अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतकर ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बन गयीं।

अंतिम ने शुक्रवार को 53 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में कज़ाकस्तान की अल्तिन शगायेवा को 8-0 से धूल चटाई।

भारतीय पहलवान ने डबल लेग अटैक से मैच की शुरुआत की और फिर एक टेकडाउन किया। ब्रेक तक उन्होंने 6-0 की बढ़त बना ली थी। अंतिम ने दूसरे हाफ में एक और टेकडाउन के साथ दो पॉइंट लेते हुए 8-0 पर मुकाबला समाप्त किया।

अंतिम से पहले छह अन्य भारतीय पहलवान अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन 17 वर्षीय अंतिम स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

उन्होंने जीत के बाद कहा, "सबने यही कहा कि जापान सर्वश्रेष्ठ है। मैं जापान को हराना चाहती थी। मुझे काउंटर अटैक पसंद है लेकिन यहां जापानी प्रतिद्वंदी ज्यादा हमलावर नहीं थीं इसलिये मुझे स्वयं ही कुछ दांव खेलने पड़े।"

एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप स्वर्ण, अंडर-17 विश्व कांस्य, अंडर-23 एशियाई रजत और पिछले महीने अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण पर ट्यूनीशिया में रैंकिंग सीरीज स्वर्ण पदक जीतने वाली अंतिम ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा दिखाया।

उन्होंने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में पहले यूरोपीय चैंपियन ओलिविया एंड्रिच को तकनीकी श्रेष्ठता (11-0) से हराया और फिर एक मिनट के भीतर क्वार्टर फ़ाइनल में जापान की अयाका किमुरा को पिन किया।

सेमीफाइनल में, अंतिम ने यूरोपीय अंडर-20 कांस्य पदक विजेता यूक्रेन की नताली क्लिवचुत्स्का को 11-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

भारत के दो अन्य पहलवान शुक्रवार को फाइनल में पहुंचे थे लेकिन वे स्वर्ण पदक के लिए जापान की बाधा को पार करने में नाकाम रहे।

टोक्यो ओलंपियन सोनम मलिक ने 62 किग्रा फाइनल में जापान की नोनोका ओजाकी से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया।

दूसरी ओर, प्रियंका ने 65 किग्रा फाइनल में जापान की महीरो योशिटाके से हारने के बाद चांदी का तमगा जीता।

इसी बीच, सीतो ने 57 किग्रा वर्ग में रेपेचेज के माध्यम से कांस्य जीतने के लिए अंडर-20 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता तुर्की की मेल्डा डर्नेकी को 11-5 से हराया।

अंडर-23 एशियाई चैंपियन रीतिका (72 किग्रा) ने ट्यूनीशिया की ज़ैनब सगेयर को हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

भारत ने महिला फ्रीस्टाइल में कुल सात पदक (एक स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य) जीतते हुए महिला टीम रैंकिंग में 160 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

जापान 230 पॉइंट के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि अमेरिका ने 134 पॉइंट के साथ तीसरे पायदान पर जगह बनायी।

भुल्लर कोरिया में संयुक्त 10वें स्थान पर

जेजू आईलैंड (कोरिया), 20 अगस्त। अंतिम लम्हों में डबल बोगी और बोगी के साथ गगनजीत भुल्लर तीसरे दौर में 69 के निराशाजनक प्रदर्शन के साथ अंतरराष्ट्रीय सीरीज कोरिया गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 10वें स्थान पर चल रहे हैं।

तीसरे दौर में 15 होल के बाद भुल्लर का कुल स्कोर 10 अंडर था और वह एक हफ्ते में दूसरे खिताब की ओर बढ़ रहे थे लेकिन 16वें होल में डबल बोगी और 17वें होल में बोगी से उनका कुल स्कोर सात अंडर है। वह कोरिया के तेइहून ओक (69) से पांच शॉट पीछे हैं जो 12 अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं।

भुल्लर भारतीय गोल्फरों के बीच शीर्ष पर हैं। कल तक संयुक्त पांचवें स्थान पर चल रहे वीर अहलावत तीसरे दौर में तीन ओवर 74 के स्कोर से संयुक्त 42वें स्थान पर लुढ़क गए।

एसएसपी चौरसिया (73) भी संयुक्त 16वें से संयुक्त 49वें स्थान पर लुढ़क गए। राशिद खान (72) संयुक्त 48वें से संयुक्त 61वें स्थान पर खिसक गए। शिव कपूर (74) संयुक्त 71वें स्थान पर हैं।

पैरा शूटिंग विश्व कप : सिंहराज, सिद्धार्थ ने जीते कांस्य

चांगवोन, 20 अगस्त। टोक्यो पैरालंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट निशानेबाज सिंहराज अधाना और सिद्धार्थ बाबू ने चांगवोन पैरा-शूटिंग विश्व कप 2022 में शनिवार को अपनी-अपनी प्रतियोगिताओं में कांस्य पदक हासिल किया।

सिंहराज ने पी4 मिश्रित 50 मीटर पिस्टल एसएच1 प्रतियोगिता के फाइनल में 189.5 के स्कोर के साथ कांसे का तमगा जीता। मंगोलिया के गनज़ोरिग गंजरगल (212.1) ने स्वर्ण जबकि कोरिया के चूल पार्क (211.3) ने रजत पदक प्राप्त किया।

इससे पहले सिंहराज ने क्वालीफिकेशन में 536 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया था। उनके हमवतन राहुल जाखड़ (511) और दीपेंद्र सिंह (494) क्रमश: नौंवे एवं 14वें स्थान पर रहे।

दूसरी ओर, सिद्धार्थ बाबू ने आर3 मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1 प्रतियोगिता में 230.8 पॉइंट के साथ कांस्य पदक जीता।

सिद्धार्थ क्वालीफिकेशन राउंड में 628.2 पॉइंट के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर थे, लेकिन फाइनल में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया।

फ्रांस के जीन लुइस मिकॉड ने 252.8 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता और कोरिया के जिन्हो पार्क (252.5) दूसरे स्थान पर रहे। इसी बीच, राहुल जाखड़, सिंहराज अधाना और दीपेंद्र सिंह की टीम ने पी4 मिश्रित टीम 50 मीटर पिस्टल एसएच1 में रजत पदक हासिल किया।

इससे पहले, राहुल और उनकी हमवतन पूजा अग्रवाल ने गुरुवार को पी3 मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीता था, जबकि टोक्यो पैरलंपिक चैंपियन अवनि लेखरा ने एसएच1 10 मीटर एयर राइफल में रजत पदक हासिल किया था।

भारत अब तक चांगवोन 2022 में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक सहित पांच पदक जीत चुका है।

भूमिका में स्पष्टता से खराब फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों को काम करने की दिशा मिलती है: रोहित

नयी दिल्ली, 20 अगस्त। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि खिलाड़ियों की भूमिका स्पष्ट करने से उन्हें खराब फॉर्म से जूझने के दौरान वह दिशा मिलती है जहां उन्हें ध्यान केंद्रित करना है और इससे उन्हें अपने खेल में सुधार करने तथा फिर से मजबूत बनने में मदद मिलती है।

रोहित को लगता है कि एक कप्तान के रूप में यह समझना उनका काम है कि जब खिलाड़ी खराब दौर से गुजर रहे हों तो उन्हें क्या चाहिए।

रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्ल्यूज' पर कहा, "जाहिर है मेरे लिए यह कुछ खास लोगों के साथ जल्दी से ढलना और फिर यह समझना है कि उन्हें क्या चाहिए, उनके मजबूत पक्ष क्या हैं और उनके कमजोर पहलू क्या हैं।"

उन्होंने कहा, "उन्हें प्रतिक्रिया दें और उनके साथ काम करें। टीम उस व्यक्ति से क्या उम्मीद कर रही है इस बारे में बहुत विशिष्ट रहें।"

भारतीय कप्तान ने कहा, "इससे खिलाड़ी निखर सकता है क्योंकि जब हम उन्हें यह स्पष्टता देते हैं कि टीम आपसे क्या उम्मीद कर रही है तो वह उस दिशा में काम करने में सक्षम होगा और वह अपने खेल पर कई तरह से काम कर सकता है और फिर अपने खेल में सुधार भी कर सकता है।"

मुंबई इंडियंस के साथ रिकॉर्ड पांच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीतने वाले रोहित ने इस साल की शुरुआत में विराट कोहली की जगह सभी प्रारूपों में भारत के पूर्णकालिक कप्तान की जिम्मेदारी संभाली है।

उन्होंने कहा, "जब आप जानते हैं कि कुछ खिलाड़ी कठिन समय से गुजर रहे हैं, तो हम उन्हें स्पष्ट रूप से समझने की कोशिश करते हैं कि क्या हो रहा है। उसे समझाना कि हम उससे क्या उम्मीद करते हैं, इस टीम में उसकी भूमिका और इस तरह की सभी चीजें। इसलिए जब मैं खेल खेलता हूं तो मैं किसी विशेष मंत्र के साथ नहीं जाता हूं।"

इस तेजतर्रार सलामी बल्लेबाज ने सहज माहौल की जरूरत पर भी जोर दिया।

रोहित ने कहा, "मेरे लिए एक कप्तान के रूप में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम खिलाड़ियों के लिए एक ऐसा माहौल तैयार करें जहां उन्हें यह न लगे कि यह बहुत अधिक दबाव का माहौल है। हम कोशिश करते हैं और लोगों के लिए एक माहौल बनाते हैं। हम कोशिश करते हैं कि वे जो करें उसका लुत्फ उठाएं।"

उन्होंने कहा, "क्योंकि मेरा मानना है कि दबाव को बहुत अधिक हावी नहीं होने देना महत्वपूर्ण है। जब आप खेल रहे होते हैं तो जाहिर है दबाव होगा क्योंकि जब आप गेंद को अपने हाथ में रखते हैं तो एक गेंदबाज के रूप में आप पर दबाव होता है।"

भारतीय कप्तान ने कहा, "जब आप बल्लेबाजी कर रहे होते हैं तो दबाव होता है और यही आपको अपने दम पर संभालना होता है। आपके अलावा कप्तान या कोच या कोई भी इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता।"

सुमित, योगेश ने गढ़े विश्व रिकॉर्ड

बेंगलुरु, 20 अगस्त। टोक्यो पैरालंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट सुमित अंतिल और सिल्वर मेडलिस्ट योगेश कुमार ने यहां जारी चौथी इंडियन ओपन नेशनल पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्रमशः जैवलिन थ्रो और डिस्कस थ्रो में नये विश्व रिकॉर्ड स्थापित किये हैं।

पिछले साल टोक्यो पैरा ओलंपिक में जैवलिन थ्रो का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले सुमित ने एक बार फिर वही कारनामा दोहराया और शुक्रवार को 68.62 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

24 वर्षीय पैरा एथलीट ने इससे पहले टोक्यो में एफ64 श्रेणी में 68.55 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर रिकॉर्ड बनाया था।

दूसरी ओर, योगेश ने एफ56 डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में 48.34 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

24 वर्षीय योगेश ने टोक्यो पैरा ओलंपिक में 44.38 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता था।

भारतीय फुटबॉल के दिग्गज समर बनर्जी का निधन

कोलकाता, 20 अगस्त। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी और मेलबर्न 1956 ओलंपिक में देश को चौथे स्थान पर पहुंचाने वाले समर बनर्जी का शनिवार तड़के यहां के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में 92 साल की उम्र में कोविड-19 के कारण निधन हो गया।

बनर्जी के परिवार में उनकी एक पोती है। उनके एकलौते बेटे उनसे पहले इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, मशहूर फुटबॉलर और बेहतरीन खिलाड़ी समर बनर्जी के निधन से आहत हूं। पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें 2016-17 में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया था। मैं उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। वह कई लोगों के प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे।

बनर्जी के करीबी रिश्तेदारों के अनुसार, उन्हें कोरोनो वायरस से संक्रमित होने के बाद 27 जुलाई को बांगुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उन्हें एसएसकेएम में स्थानांतरित कर दिया गया। वह पिछले कुछ दिनों से वेंटिलेटर पर थे और शनिवार सुबह 2:10 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

फ़ुटबॉल जगत में बदरू के नाम से प्रख्यात बनर्जी का जन्म 30 जनवरी, 1930 को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बल्ली में हुआ था। उन्होंने आयुर्विज्ञान का अध्ययन करने के लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दाखिला लिया, लेकिन फुटबॉल में अपना करियर बनाने के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी।

अपने स्कोरिंग कौशल के लिए प्रसिद्ध बनर्जी ने 1948 में कोलकाता थर्ड डिवीजन फुटबॉल लीग में बल्ली प्रतिभा क्लब की ओर से पदार्पण किया। उन्होंने इसके बाद बीएनआर और मोहन बागान का भी प्रतिनिधित्व किया। बनर्जी 1959 में संन्यास लेने से पहले तक मोहन बागान का हिस्सा रहे।

समर बदरु बनर्जी ने मेलबर्न 1956 ओलंपिक में भारत की कप्तानी भी की जहां टीम ने सेमीफाइनल तक जगह बनायी। सेमीफाइनल में हालांकि भारतीय टीम को यूगोस्लाविया के हाथों 1-4 से हार मिली। कांस्य पदक मैच में बुल्गारिया से 0-3 से हारने के बाद भारत ने चौथा स्थान हासिल किया।

बनर्जी ने संन्यास लेने के बाद संतोष ट्रॉफी में बंगाल के कोच की भूमिका भी निभाई। उनकी अगुवाई में टीम ने 1961 में संतोष ट्रॉफी का खिताब भी जीता।

बनर्जी को 2009 में मोहन बागान रत्न से सम्मानित किया गया था, जबकि पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें 2017 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया था।

एशिया कप के लिये चांदीमल की टीम में वापसी

कोलंबो, 20 अगस्त। श्रीलंका के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज़ दिनेश चांदीमल ने एशिया कप-2022 के लिये टीम में वापसी की है। चांदीमल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला फरवरी 2022 में भारत के खिलाफ खेला था।

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने यूएई में होने वाले आयोजन के लिये शनिवार को घोषित 20-सदस्यीय स्क्वाड में युवा सनसनी मथीशा पथिराना को भी शामिल किया है। मथीशा अपने बोलिंग एक्शन से पूर्व श्रीलंकाई गेंदबाज़ लसिथ मलिंगा की याद दिलाते हैं, और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन दे चुके हैं।

श्रीलंका ने अपनी टीम में वानिंदू हसरंगा, महीश तीक्ष्णा, जेफरी वांडरसे और प्रवीण जयविक्रमा के रूप में चार स्पिन गेंदबाजों को शामिल किया है, जो दुबई की धीमी पिच पर कारगर साबित होंगे। श्रीलंका को अफगानिस्तान (27 अगस्त) और बांग्लादेश (एक सितंबर) के खिलाफ पहले दौर के अपने दोनों मैच दुबई में ही खेलने हैं।

पथुम निसंका, कुसल मेंडिस और चरित असलंका को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गयी घरेलू टी20 शृंखला में शानदार प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह दी गयी है।

एशिया कप से पहले आत्मविश्वास के लिये विकेट पर समय बिताना ज़रूरी : राहुल

हरारे, 20 अगस्त। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान केएल राहुल ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में जीत के बाद शनिवार को कहा कि उनके लिये "एशिया कप से पहले विकेट पर समय बिताना ज़रूरी है" ताकि वह थोड़े आत्मविश्वास के साथ एशियाई आयोजन में प्रवेश करें।

भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से मात दी। लंबे समय बाद टीम में वापस आये राहुल भारत की ओर से ओपनिंग करने उतरे थे लेकिन वह सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये।

कप्तान राहुल ने मैच के बाद कहा, "मैं आउट होने के बाद (बल्लेबाजी को लेकर) चिंतित नहीं था। हमारी बल्लेबाजी में गहराई है। यह दूसरे खिलाड़ियों के लिये अच्छा है जिन्हें पिच पर समय बिताने का मौका मिला।"

उन्होंने एशिया कप से पहले अपनी तैयारी के बारे में कहा, "मुझे विकेट पर समय बिताने की आवश्यकता है। जाहिर है यह शृंखला खेलना मेरे लिये महत्वपूर्ण था ताकि मैं कुछ रन और थोड़े आत्मविश्वास के साथ एशिया कप में जा सकूं। दुर्भाग्यवश आज ऐसा नहीं हो सका। उनके पास कुछ अच्छे गेंदबाज हैं। मैंने यह बांग्लादेश के खिलाफ इनकी पिछली शृंखला में भी देखा था। राहुल ने कहा, "हम यहां अच्छी क्रिकेट खेलने और जीतने आये हैं। हर अवसर हमारे लिये सम्मानजनक है इसलिए हम अगली बार भी मैदान पर जाना चाहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जहां भी यात्रा करते हैं, हमें भारतीय प्रशंसकों का अच्छा समर्थन मिलता है। उनके समर्थन के लिए बहुत आभारी हूं।"

मैन ऑफ द मैच संजू सैमसन ने कहा, "आप पिच पर जितना समय बिताते हैं, उतना ही बेहतर महसूस करते हैं। देश के लिये यह करना और भी खास है। मैंने तीन कैच लिये लेकिन एक स्टंपिंग से चूक गया। फिलहाल विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी का आनंद ले रहा हूं।"

ज़िम्बाब्वे के कप्तान रेजिस चकाब्वा ने कहा, "मेरे अनुसार हमने अच्छी चुनौती दी। पिछले मैच में हम विकेट निकालने में संघर्ष कर रहे थे, हालांकि आज हमने कुछ रन कम बनाये। आज हम चुनौती के लिय तैयार थे और गेंदबाजों ने सही क्षेत्रों में गेंदबाजी की।"

डूरंड कप : सेना रेड ने पूर्व चैम्पियन चेन्नइयिन एफसी को ड्रॉ पर रोका

इम्फाल, 20 अगस्त। इंडियन सुपर लीग पूर्व चैम्पियन चेन्नइयिन एफसी को डूरंड कप फुटबॉल के मुकाबले में शनिवार को चेन्नइयिन एफसी ने 2 . 2 से ड्रॉ पर रोका ।

ग्रुप सी के मुकाबले में पहले 45 मिनट में कोई गोल नहीं हो सका । इसके बाद सेना रेड के लिये लेथाओलेन खोंगसाइ ने 54वें मिनट में गोल किया हालांकि चेन्नइयिन के जूलियस डकर ने नियमित समय से एक मिनट पहले बराबरी का गोल दागा । दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में चेन्नइयिन के एडविन वंसपॉल ने गोल करके बढत दिला दी । सेना रेड के लिटन एस ने हालांकि (90 प्लस 6) आखिरी पलों में गोल करके जीत की चेन्नइयिन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया ।

चोट के कारण एशिया कप से बाहर हुए शाहीन

रॉटरडैम, 20 अगस्त। पाकिस्तान के युवा तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफ़रीदी चोट के कारण एशिया कप 2022 से बाहर हो गये हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पीसीबी ने यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "नयी स्कैन और रिपोर्ट के बाद पीसीबी चिकित्सीय परामर्श समिति और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा शाहीन शाह अफरीदी को 4-6 सप्ताह आराम करने की सलाह दी गई है। इसका मतलब है कि शाहीन एसीसी टी20 एशिया कप और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू शृंखला से बाहर हो गये हैं।" बयान में कहा गया, "हालांकि अक्टूबर में न्यूज़ीलैंड में होने वाली टी20 त्रिकोणीय शृंखला में शाहीन की वापसी की उम्मीद है, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 का आयोजन होना है।"

गौरतलब है कि श्रीलंका के खिलाफ गाले टेस्ट में फील्डिंग करते हुए शाहीन के दाएं घुटने में चोट आयी थी, जिसके बाद से उनका उपचार जारी है। पीसीबी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नजीबुल्लाह सूमरो ने कहा, मैंने शाहीन से बात की है और वह इस खबर से काफी परेशान हैं, लेकिन वह बहादुर युवक हैं जिन्होंने अपने देश और टीम की सेवा करने के लिए दृढ़ता से वापस आने की कसम खाई है।

प्रमोद, सुकांत ने थाईलैंड में जीता स्वर्ण

पट्टाया, 20 अगस्त। भारतीय पैरा शटलर प्रमोद भगत और सुकांत कदम की जोड़ी ने थाईलैंड पैरा-बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में शनिवार को इंडोनेशिया के ड्वियोको ड्वियोको और फ्रेडी सेटियावन को मात देकर स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने एसएल3-एसएल4 फाइनल में अपने इंडोनेशियाई प्रतिद्वंदियों को 21-18, 21-13 के सीधे गेमों में मात दी।

दूसरी ओर, भगत और कदम ने पुरुष एकल में अपने-अपने फाइनल हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया। प्रमोद जहां फाइनल में इंग्लैंड के डेनियल बेटहेल से 13-21, 19-21 से हारे, वहीं कदम को फ्रांस के लुकास मज़ूर ने 2-21, 17-21 से हराया।

भगत ने मैच के बाद कहा, "मैं पूरे टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मैं जीत पर बेटहेल को बधाई देना चाहता हूं। अब मैं प्रशिक्षण मैदान पर वापस जाऊंगा और टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के लिए कड़ी मेहनत करूंगा।"

इसी बीच, रूथिक रघुपति और मानसी जोशी ने मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग के फाइनल में फ्रांस के लुकास मज़ूर और फॉस्टिन नोएल से 21-17, 15-21, 7-21 से हारने के बाद चांदी का तमगा हासिल किया।

महिला एकल में मनदीप कौर ने हमवतन मानसी को 20-22, 21-19, 21-14 से हराकर एसएल3 फाइनल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनीषा रामदास ने जापान की कादे कामेयामा को एसयू5 फाइनल में 21-19, 20-22, 21-12 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। नित्या सेरे सुमति सिवन ने एसएच6 फाइनल में इंग्लैंड की राचेल चोंग को 21-9, 24-22 से से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

मानसी और शांति विश्वनाथन ने महिला युगल एसएल3-एसयू5 फाइनल में थाईलैंड की निपादा सेनसुपा और चनिदा श्रीनावाकुल से 20-22 19-21 से हारकर चांदी के तमगे से संतोष किया।

भारत ने थाईलैंड 2022 पैरा बैडमिंटन इंडरनेशनल में चार स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य सहित कुल 17 पदक जीते।

सड़क पर ट्रक चालक का शव मिला

मालपुरा के पचेवर थाना क्षेत्र के नगर गांव में ट्रक चालक युवक का शव सड़क पर पड़ा मिला।

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र के नगर गांव में शनिवार को सुबह सड़क पर लावारिस हालत में खून से लतपथ मिले ट्रक ड्राईवर के शव की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पचेवर थानाधिकारी रतन सिंह तंवर ने शव को पुलिस सुरक्षा में ले मौके पर एमआईयु व एफएसएल टीम बुला साक्ष्य जुटाने के बाद मालपुरा के

- **सिर पर धारदार हथियार के वार से हत्या की आशंका**
- **चचेरे भाई ने दर्ज करवाया हत्या का मामला**

सरकारी अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द किया। थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार की सवेरे जरिए दूरभाष के नगर से पचेवर सड़क मार्ग पर एक युवक का लावारिस शव पड़े होने की मिली सूचना पर तत्काल डीवाईएसपी सुशील मान व एएसपी राकेश कुमार बैरवा को अवगत करवाया गया। सूचना पर पहुंचे एएसपी व डीवाईएसपी व थानाधिकारी ने घटना स्थल पर पहुंच कर पडताल शुरू की तो सामने आया कि मृतक युवक के सिर पर धारदार हथियार से गहरा घाव होने के चलते युवक की मौत हुई है। मौके पर किसी प्रकार के कोई हथियार अथवा छीना-छपटी सहित अन्य कोई निशान नहीं पाये गये। मृतक युवक की पहचान नगर गांव निवासी रामप्रसाद पुत्र नोरत मल रेगर के रूप में की गई। जो कि एक ट्रक ड्राईवर था। बीते दिनो रक्षाबंधन के त्यौहार पर गांव आया हुआ था।

ग्रामीणों ने रामप्रसाद की मौत की शिनाख्त व पुष्टि होने पर ग्रामीण व महिलाए रामप्रसाद के घर पर पहुंचे तो लगभग सुबह 6 बजे तक उसकी पत्नी व बच्चे सो रहे थे। जब उन्हें घटना की जानकारी दी तो पत्नी व बच्चे दौड़कर घटना स्थल पहुंचे। जो कि घर से महज दो सौ मीटर की दूरी पर रामप्रसाद का शव सडक पर लावारिस पडा था। मृतक के चचेरे भाई की ओर से पचेवर थाने में रामप्रसाद की हत्या कर शव फैंक जाने का अंदेशा जताते हुए मामला दर्ज करवाया गया।

संक्षिप्त

जूली महिला जिलाध्यक्ष नियुक्त

टोंक, (निसं)। विप्र फाउंडेशन जोन 1 के अध्यक्ष राजेश कर्नल, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष भारती

शर्मा एवं जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा की अनुशंसा पर जूली शर्मा को फाउंडेशन की महिला प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्ति किया गया। जूली शर्मा की नियुक्ति पर फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, रमाकांत शर्मा,युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा, प्रभा सारस्वत, ममता शर्मा, अनुराग शर्मा टोडा,सियाराम शर्मा निवाई, अरविंद पंचोली,सुरेंद्र शर्मा, मधुसूदन दुबे,विष्णु शर्मा,मुकेश गौतम, नीरज शर्मा,लक्ष्मीकांत शर्मा सहित विप्र फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों, समाज एवं राजनीति दलों की सभी प्रमुख लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

विद्यालयों का औचक निरीक्षण

चाकसू, (निसं)। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चाकसू अशोक तंवर ने पालिका क्षेत्र के राप्रावि सठवाली की ढाणी और राप्रावि वार्ड नंबर 3 का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान बच्चों से स्कूल से संबंधित सवाल भी पूछे तथा मिड डे मील की गुणवत्ता की जांच की और राजस्थान में शिक्षा के बढ़ते कदम कार्यक्रम नामांकन वृद्धि हाउसहोल्ड सर्वे आदि कार्यक्रमों का फीडबैक लिया। अधिकारी अशोक तंवर ने बताया कि विद्यालयों के निरीक्षण में सभी शिक्षक उपस्थित मिले हैं, साफ सफाई संतोष जनक है।

500 लोगों को भोजन करवाया

रींगस, (निसं)। इंदिरा रसोई के तीसरे साल के उपलक्ष में भामाशाह की ओर से 500 लोगों को निशुल्क भोजन करवाया गया। इस दौरान भामाशाह दिनेश कुमावत को अध्यक्ष मंजू शर्मा तथा सचिव सुमन बावलिया ने सम्मानित किया। इंदिरा रसोई में विभिन्न व्यंजन बनाये गये। इस दौरान हरिशंकर निठारवाल, अशोक कुमावत, राकेश शर्मा, मोती राम जांगिड़, महेश अग्रवाल, ओमप्रकाश, अमित कुमावत, राजू धायल सहित अनेक पार्षद तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

हरिओम विधि प्रकोष्ठ संयोजक मनोनीत

चाकसू, (निसं)। शिवदासपुरा मण्डल अध्यक्ष अमित निमोड़िया की अनुशंसा पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक अर्जुन सिंह राजावत ने एडवोकेट हरिओम चौधरी को शिवदासपुरा मण्डल विधि प्रकोष्ठ संयोजक पद पर मनोनीत किया। इस दौरान भाजपा नेता श्रवण शर्मा, मण्डल महामंत्री पन्ना लाल राणा, भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चंदलाई बुद्धि प्रकाश बागड़ा एडवोकेट हरिओम चौधरी का माला पहनाकर स्वागत किया।

सुरसुरा धाम को पदयात्रा रवाना

बोराज। कस्बे के सुरपुरा वीर तेजाजी पद यात्रा सेवा समिति के तत्वाधान में शनिवार को सुरपुरा से सुरसुरा धाम के लिए वीर तेजाजी महाराज की 11वीं पदयात्रा गाजे-बाजे के साथ रवाना हुई।ध्वज पूजन के बाद कांग्रेस ब्लॉक महामंत्री भेरू लाल चौधरी ने पदयात्रा को ध्वज प्रदान कर रवाना किया।

मध्य रात्रि को गूंजे जयकारे

मंडावरी/ रामगढ़ पचवारा/ लालसोट, (निसं)। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मध्यरात्रि को मंदिरों व देवालयों में कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मध्य रात्रि कृष्ण जन्म के साथ ही मंदिरों व विभिन्न देवालयों नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के श्वर गुंजायमान होने के साथ वातावरण भक्तिमय हो गया।

जन्माष्टमी के मौके पर मंडावरी नगर पालिका क्षेत्र लालसोट उपखंड मुख्यालय सहित रामगढ पचवारा उपखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर जन्माष्टमी के पावन पर्व को बड़े धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के मौके पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की मंदिरों में भीड़ शुरू हो गई साथ ही कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर पूजा-अर्चना का दौर बना रहा। क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में कृष्ण भगवान की आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाने के साथ आकर्षक मनमोहक श्रंगार किया गया। कई जगहों पर कृष्ण जन्मोत्सव के मौके पर फूल बंगला झांकी सजाने के साथ छप्पन भोग का भी आयोजन किया गया। कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर विशेष तौर से घर घर लड्डु गोपाल जी की झांकी सजाकर उनको भोग प्रसाद जी चढ़ाकर विशेष आकर्षक तौर पर सजाया गया जो विशेष तौर पर आकर्षण का केंद्र रहे। कृष्ण भगवान के दर्शन कर मध्यरात्रि पश्चात धर्मावलंबियों द्वारा व्रत खोला गया। जन्माष्टमी के मौके पर मंदिरों में सुबह से मध्यरात्रि तक मुक्त कंठ से भजन की सरिता बहती रही।

सांसद राज्यवर्धन ने विकास कार्यों का उद्घाटन किया

पावटा, (निसं)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन ने विधानसभा क्षेत्र विराटनगर की ग्राम पंचायत तालवा, जोधूला, मेड, भामोद, बिलवाडी में जन संवाद करते हुए सांसद कोष से हुए विभिन्न विकास कार्य का उद्घाटन किया।

जहां सांसद राठौड़ का पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा व भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा 51 किलो की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कर्नल राज्यवर्धन ने ग्राम पंचायत तालवा में विकास कार्य हेतु सांसद कोष से विद्यालय में 2 कमरे देने की घोषणा की व जोधुला पंचायत में 7 लाख देने की घोषणा की। कर्नल राज्यवर्धन ने कहा कि गहलोत सरकार सिर्फ अपना स्वार्थ साधने में ही लगी हुई है। केंद्र सरकार की योजनाओं को नीचे तक पहुंचाने में रोडा अटका रही है। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा राजस्थान में अपराधियों के हौंसले बुलंद हैं अध्यापिका द्वारा उधार दिए गए पैसे मांगने पर उसे जिंदा जला दिया गया। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की एक बार फिर वैसे ही हालत देखने को मिले जैसे कन्हैयालाल की हत्या के समय हुए। कर्नल राज्यवर्धन ने कहा प्रदेश में लगातार बढ रही हत्या की घटनाओं को मुख्यमंत्री छोटी मोटी घटना करार देते हैं और गांधी नेहरू परिवार से प्रश्न पूछने तुरंत दिल्ली पहुंच जाते हैं। राजस्थान में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड रही है कुर्सी बचाने के लिए कांग्रेस के विधायकों और मंत्रियों को खुली छूट मिली हुई है जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद है। इस दौरान विराटनगर पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा, जिला पार्षद कृष्णा देवी , जीएसएस अध्यक्ष सौदान फागना, महिला मंडल अध्यक्ष शर्मिला सेन, सीताराम सैनी मंडल अध्यक्ष, राम सहाय गुर्जर पूर्व सरपंच जोधुला, बग्गा राम गुर्जर, तालवा सरपंच सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

लम्पी रोग से बचाव का पोस्टर जारी किया

बहरोड़/अलवर, (निसं)। सद्भावना दिवस के अवसर पर अलवर के राजीव गांधी उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने शुभेच्छा फाउंडेशन बहरोड़ एवं डबल्यू आर आर सी द्वारा जन हित में जारी लंपी स्किन डिजीज जन जागरूकता पोस्टर एवं पैंपलेट का विमोचन किया।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री जूली ने कहा कि पशुओं के इस रोग को लेकर राज्य सरकार, प्रशासन एवं पशुपालन विभाग पूरी तरह सतर्क एवं क्रियाशील है। लंपी रोग के प्रकोप के प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम में किसी भी संसाधन एवं बजट की कोई कमी नहीं रहने आश्वासन दिया साथ ही उन्होने बताया कि संसाधनों एवं आवश्यक औषधियों के क्रय हेतु उन्होंने अपने विधायक कोष से 10 लाख रुपए की सहायता राशी राहत कोष में उपलब्ध कराई है। शुभेच्छा फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ. विजय मंडोवरा एवं डबल्यू आर आर सी अध्यक्ष विवेक जसाईवाल ने बताया कि लंपी त्वचा रोग के बारे में जन जागरुकता लाने के उद्देश्य से दस हजार पैंपलेट एवं पोस्टर्स का वितरण संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है जिसका विमोचन मंत्री जूली द्वारा किया गया है। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष एवं बीसूका उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा, साफिया खान, जुबेर खान, उमरैण प्रधान दौलत राम, डबल्यू आर आर सी सचिव सूरज राजपूत, शशांक झालानी, रवि शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मंत्री टीकाराम जूली ने शुभेच्छा फाउंडेशन बहरोड़ एवं डबल्यू. आर. आर. सी. द्वारा जारी जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया।

गृह राज्यमंत्री का आभार जताया

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय गुर्जर अधिकारी-कर्मचारी महासंघ उपशाखा के पदाधिकारियों ने शनिवार को गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव का यहां के वीर गुर्जर छात्रावास में पानी की बोरिंग लगाये जाने पर आभार व्यक्त किया है।

आपको बता दें कि महासंघ द्वारा विगत 1 मई को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में यादव ने बतौर मुख्य अतिथि उक्त घोषणा की थी। साथ ही प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत ने छात्रावास में सुलभ कॉम्पलेक्स व छात्रावास की मरम्मत हेतु 03 लाख 50 हजार रूपयों की घोषणा की थी। उक्त दोनों घोषणाओं के पूर्ण होने पर संगठन के पदाधिकारियों ने ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर मल रावत के नेतृत्व में मुख्य अतिथि यादव व प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज रावत का माला व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया। इस दौरान संरक्षक बुधराम छावड़ी, रामनिवास गुर्जर, सुभाष रावत, लेखराम रावत, महिपाल गुर्जर, गोकुल गुर्जर व राजेश गुर्जर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सांभर को जिला बनाने के लिये सकारात्मक राजनीतिक प्रयासों का अभाव

- **अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सांभर की पहचान होने के बावजूद नहीं मिला जिले का दर्जा**

सांभरझील, (निसं)। ऐतिहासिक व पौराणिक होने के साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वेटलैण्ड का दर्जा प्राप्त सांभर नगरी जिले का दर्जा नहीं मिलने से अपने अस्तित्व को खोती जा रही है।

वर्ष 1956 से सांभर उप जिले का दर्जा प्राप्त है जिसको को जिला घोषित करवाने के लिये मांग अनवरत की जा रही है। वर्तमान हालात में जिले की खास दरकार है। प्रदेश सरकार की ओर से इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में भी पहचान दिलायी गयी है। सांभर उपखण्ड मुख्यालय पर तहसील व उपखण्ड अधिकारी कार्यालय सहित वे सभी तमाम सरकारी विभागों की मौजूदगी है, जो इसके वर्चस्व व जिले की मांग को पूरा करने के लिये पर्याप्त आधार रखते हैं। निवर्तमान सरकार की ओर से नवीन जिला कमेटी के अध्यक्ष रहे परमेश चन्द्र, जीएस संधु को विस्तृत विवरण के साथ अभ्यावेदन सौंपे जा चुके हैं। कई वर्षों से सरकार की ओर से इस पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पूर्व कमेटी के अध्यक्ष रहे परमेश चन्द्र व जीएस संधु की ओर से सांभर को जिला बनाये जाने के पक्ष में अपनी अभिशंषा सरकार को भेज चुके हैं, प्रदेश सरकार के मुखिया द्वारा इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

इस मामले में विधायक निर्मल कुमावत से बात करने पर कहा कि मैंने सात आठ बार सांभर को जिला बनाने के लिये विधानसभा में आवाज उठायी है। क्षेत्र की जनता को इसके लिये आगे आकर पुरजोर तरीके से आवाज उठानी चाहिये, मैं पूरा साथ दूंगा। कांग्रेस से विधायक प्रत्याशी रहे विद्याधर सिंह चौधरी का कहना है कि सरकार अभी कोई नवीन जिला गठित करने जा रही है इसकी कोई ठोस जानकारी नहीं है। जिले की मांग के लिये क्षेत्र की जनता जो भी मदद चाहेगी इसके लिये हम लोग तैयार है। इसी मामले में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत व पूर्व अध्यक्ष शेख शमीमुलहक का कहना है कि सांभर को जिले का हक इसलिये भी नहीं मिल रहा है कि यहां पर ठोस राजनीतिक प्रेशर का पूरी तरह से अभाव है।

अभिभाषक संघ पहले भी सांभर को जिला बनाने का पक्षधर रहा है तथा आगे भी इसके लिये प्रयासों में कोई कमी नहीं छोडी जायेगी। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार अग्रवाल का कहना है कि जब तक राजनीतिक एकजुटता पूरी तरह से नहीं होगी तो सफलता मिलना बेहद ही कठिन है। हम सभी जिले की मांग को लेकर जो भी कदम उठाने होंगे उसके लिये अग्रसर रहेंगे। पूर्व चेयरमैन कन्हैयालाल सकरवाल का कहना है कि सत्ता व विपक्ष से जुडे जितने भी नेता है वे सच्चे मन से अपनी मातृभूमि के लिये जिस इस दिशा में ठोस प्रयास कर लेंगे तो कोई हमें जिले का दर्जा मिलने से नहीं रोक सकता है। इस मामले में प्रमुख विचारक व समाजसेवी कैलाश शर्मा से बात करने पर बताया कि राजस्थान सरकार के लिए न केवल आर्थिक और प्रशासनिक लिहाज से लाभकारी है, बल्कि इससे सामाजिक-सांस्कृतिक उद्भव भी होगा। एक मोटा अनुमान है, सांभर जिला मुख्यालय स्थापित होने के बाद राजस्थान सरकार को तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक के अतिरिक्त राजस्व की जहाँ प्राप्ति हो सकेगी, वहीं एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के नये अवसर भी सृजित होंगे। यही वजह है कि प्रदेश में जहाँ-जहाँ से जिला बनाने की जो मांग आ रही है, उसमें सांभर सबसे पहले रिजर्व करता है।

नहीं थम रही पैट्रोल चोरी की वारदातें

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा नगरपालिका शहरी क्षेत्र की आवासीय कॉलोनियों में दुपहिया व चौपहिया वाहनों से पैट्रोल-डीजल चोरी की वारदातों में लगातार इजाफा होने के बावजूद थाना पुलिस को कोई सफलता नहीं मिलने से पैट्रोल चोरों का आंतक दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

शुक्रवार की रात को शहर के शास्त्री नगर वार्ड नम्बर 32 निवासी पन्नालाल गिरदावर बाबा रामदेव मंदिर के पास के मकान के बाहर खड़ी कार से पाइप काट चोरों ने पैट्रोल चोरी की वारदाता को अंजाम दिया। कार से पैट्रोल चोरी होने की जानकारी सवेरे जाग होने पर लगी तो सामने आया कि कार के पास चोर साथ मे लाई गई बाल्टी व पाईप मौके पर ही छोड भागे व कार की टंकी खाली मिली। थाना पुलिस को मामले की सूचना दी गई। कॉलोनीवासियो ने बताया कि महज एक सप्ताह पूर्व मंदिर के सामने अम्बेडकर भवन के टयूबवैल की केबिल सहित निर्माण सामग्री चुरा ले जाने की वारदात से भी थाना पुलिस को अवगत करवाया गया था लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

महिलाओं को मुफ्त स्मार्टफोन देने से उनकी आधुनिक क्रांति में भागीदारी बढ़ेगी: परसादी

लालसोट, (निसं)। मंडावरी कृषि उपज मंडी परिसर में शनिवार को 73.52 लाख रुपए रुपए लागत के किसानों की फसल सुरक्षित रखने के लिए बने डोन का चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा लोकार्पण किया। लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि जल्द ही प्रदेश की महिलाओं को राजस्थान की गहलोत सरकार मुफ्त में स्मार्टफोन देकर आधुनिक भारत में ज्यादा महिलाओं की भागीदारी तय करने जा रही है।

इस दौरान चिकित्सा मंत्री ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार जब भी प्रदेश के लोगों को सहूलियत देती है तो उसे केंद्र सरकार रेवडिया बांटना कहती है जो कि मोदी सरकार की विफलता कि निशानी है। मंत्री मीणा ने कहा कि कृषि उपज मंडी परिसर में डोम के बनने से किसानों की फसलों को लंबे समय तक बरसात धूप आदि प्राकृतिक समस्याओं से बचा सुरक्षित रखा जा सकेगा। किसानों की जिंसों की जांच में अनियमितता की शिकायत को लेकर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिकित्सा मंत्री ने चेतावनी देते हुए मंडी सचिव से कहा कि किसानों की उपज की जांच से छेड़खानी की जाए तो संबंधित व्यापारी का लाइसेंस निलंबित कर दिया जाए।

- **'कांग्रेस सरकार जब भी लोगों को सहूलियत देती है तो उसे केंद्र सरकार रेवडिया बांटना कहती है'**

समारोह को प्रधान नाथुलाल मीणा और पूर्व चेयरमैन दिनेश मिश्र व रामविलास खेमावास ब्लॉक अध्यक्ष जगदीश राडा आदि द्वारा भी संबोधित किया गया। इस लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कृषि उपज मंडी समिति सचिव ममता गुप्ता द्वारा प्रगति प्रतिवेदन भी पेश किया गया। पल्लेदार संघ द्वारा चिकित्सा मंत्री को मंडी परिसर में मजदूर विश्राम गृह बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन भी दिया। कार्यक्रम में प्रधान नाथू लाल मीणा पीसीसी सदस्य रामविलास खेमावास, पूर्व प्रदेश स्वायत शासन संस्था के उपाध्यक्ष दिनेश मिश्र, जगदीश राड़ा, तहसीलदार मदनलाल मीणा मंडी समिति सचिव ममता गुप्ता, मंडी व्यापारी सेवा समिति के अध्यक्ष गिर्राज अग्रवाल महरिया, संरक्षक रामजीलाल गांधी रामू बजाज, सत्यनारायण दादा भाई, भजन लाल मीणा, लोकेश एसके ढन्ढ वाला, मनोज बजाज, सीताराम अग्रवाल, सतीश चौधरी, शैलेंद्र गुप्ता, विनोद सिंगल, मदन सिंगल, परचुनी एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश खानपुर मोहन सिंह, रघुराज सिंह, पार्षद सद्दाम हुसैन, मजदूर स्टेशन के अध्यक्ष ललित मोहन मीणा, सुरज्ञान गुर्जर, इरफान खान आदि मंडी व्यापारी प्रशासनिक अधिकारी शहरवासी किसान आदि मौजूद रहे।

मंडावरी कृषि उपज मंडी में किसानों की फसल सुरक्षित रखने के लिए बने डोन का मंत्री परसादी लाल मीणा ने लोकार्पण किया।

सार-समाचार

राजीव गांधी की जयंती मनाई

टोंक, (निसं)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 78वीं जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के राजीव सभागार में राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता ने राजीव गांधी को नमन करते हुए कहा कि राजीव गांधी देश की 21वीं सदी के शिल्पी के रूप में देखे जाते हैं, चाहे युवाओं को लोकतंत्र में सशक्त भागीदारियां है। जिला प्रवक्ता जर्रार खान ने बताया कि पूर्व विधायक कमल बैरवा, शिवजीराम मीणा, हंसराज गाता, धमेन्द्र सालोदिया, सेवादल जिलाध्यक्ष अब्दुल खालिक, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष अलका बैरवा, कैलाशी देवी मीणा, मणिन्द्र बैरवा, पार्षद विकास लोदी, पार्षद अब्दुल मुजीब, मेहमूद शाह, मुराद गांधी, अजमल देवपुरा, लालसिंह, फरीद अहमद, नईम घडी वाले, सादिक, राजा सेवादल के अलावा बडी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्व. राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

पावटा। शुक्रवार को शहर के विभिन्न मंदिरों में भगवान कृष्ण के प्रगटोत्सव का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। वहीं कस्बे के गोपाल भैया मंदिर में महंत मोहनदास महाराज द्वारा ठाकुर जी के पलने में झूलने की झांकी, मुरलीधर मंदिर में लक्ष्मण मुर्छा, रासलीला, जमुना पार, कृष्ण जन्म कारागृह की सजीव झांकियां आर्कषण का केंद्र रही, नरसिंह मंदिर में विकास शर्मा ने बताया कि भागीरथ द्वारा गंगा नदी को पृथ्वी पर लाने की सजीव झांकी को देखने के लिए लोगों की भीड उमडी, हखडेत हनुमान मंदिर में कमलेश शर्मा ने बताया कि हनुमान का भव्य श्रृंगार व विभिन्न झांकिया सजाई गई, भूतनाथ जोहड धाम कमेटी पावटा अध्यक्ष विकास शर्मा व वरिष्ठ सदस्य दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, मामराज ने बताया कि भूतनाथ जोहड धाम मंदिर मे जन्माष्टमी के अवसर पर दिल्ली से आये कलाकारों द्वारा महाकाल की विशाल व भव्य झांकी ने लोगों का मन मोहा, राठी वाला मंदिर, सीताराम मंदिर, मोदी मंदिर में ठाकुर जी की भव्य झांकी, संकट मोचन हनुमान मंदिर संस्कृत स्कूल मे बाहर के कलाकारो द्वारा भजनामृत व विभिन्न झाँकीयां, किला धाम हनुमान मंदिर में हनुमान जी का भव्य श्रृंगार व घर घर मे बच्चो द्वारा सजाई गई सजीव झाँकिया भक्तो के आर्कषण का केंद्र रही।

फैंसी ड्रेस व चित्रकला प्रतियोगिता

श्रीमाधोपुर ।महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में कृष्ण जन्माष्टमी के उत्सव पर शुक्रवार को विद्यालय में श्री कृष्ण एवं राधा की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता व श्री कृष्ण एवं राधा जी के जीवन पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं लघु नाट्यय प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य रमाकांत शर्मा ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में समस्त बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया, सभी बच्चों को इस अवसर पर संस्था के द्वारा पुरुस्कृत किया गया एवं उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में बच्चों मैं उत्साह देखते ही बन रहा था। इस मौके पर प्राचार्य रमाकांत शर्मा ,वरिष्ठ अध्यापक बाबूलाल यादव ,राकेश मीणा ,सरोज, संतोष जाखड़, मनोहरी सैनी, संतोष यादव आदि स्टाफ एवम विद्यालय के छात्र उपस्थित थे।

करंट लगने से ऊंट की मौत

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के समीपवर्ती ग्राम पंचायत विजयपुरा में करंट लगने से ऊंट की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर शाम को छीतर पुत्र भंवरा जाति जाट निवासी विजयपुरा अपने ऊंट को सड़क किनारे चरा रहा था, अचानक ऊंट के गर्दन के झूलते बिजली के तार टच होने से मौके पर ही ऊंट की मौत हो गई । सूचना पर बिजली विभाग के सहायक अभियंता कमल किशोर गुर्जर और पुलिस विभाग से एएसआई रामकुमार वर्मा मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे । वरिष्ठ पशु चिकित्सक रमेश चन्द वर्मा के निर्देशन में एलएसए धर्मपाल यादव द्वारा मृत ऊंट का पोस्टमार्टम किया गया । इस मौके पर सरपंच मोहन लाल वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश कपूरिया, मोती लाल मीणा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

राजीव गांधी की 78 वीं जयंती मनाई

बहरोड़/ बानसूर। 20/8/2022 बानसूर के बाईपास रोड पर युवा नेता दुलीचंद सोलंकी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 78 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान युवा नेता दुलीचंद सोलंकी ने बताया कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने देश के लिए बलिदान दिया एवं अपनी दूरदर्शिता एवं पारदर्शिता से कंप्यूटर नीति व दूरसंचार क्रांति की शुरुआत की थी जो आज देश के लिए वरदान साबित हो रहा है। कार्यक्रम में शामिल गणमान्य लोगों द्वारा एक साथ आधुनिक भारत के स्वप्नकार एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित करते हुए पुष्प अर्पित कर नमन किया।

कृष्ण जन्मोत्सव मनाया

फुलेरा। कस्बे में शुक्रवार को जगह-जगह पर मन्दिरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मन्दिरों में भजन-कीर्तन एवं कई प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी प्रकार कस्बे के पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन श्री ठाकुर जी महाराज मन्दिर परिसर में जन्माष्टमी का महोत्सव मनाया गया। इस दौरान ठाकुर जी महाराज का जलाभिषेक करवा कर पुष्प मालाओं से भव्य श्रंगार कर झांकी सजाई गई। वहीं भक्तों द्वारा कर्णप्रिय भजनों की प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात रात्रि 12:15 बजे श्री ठाकुर जी महाराज का पंचामृत अभिषेक पुरुष सूक्त का पाठ वेदोक्त ब्राह्मणों के सानिध्य में करवाया गया। साथ ही भगवान को पालने में झूला झुलाया। कार्यक्रम के अंतिम चरण महाआरती कर भक्तों को पंचामृत, पंजीरी तथा फल का प्रसाद वितरण किया गया। जिससे उपवास रखने वाले भक्तों ने व्रत खोला।

घर-घर मनाई जन्माष्टमी

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भगवान श्री कृष्ण की जन्म की खुशी में देर रात तक मंदिरों में जन्मोत्सव मनाया गया। मंदिरों में हाथी घोड़ा पालकी ,जय कन्हैया लाल की ,नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, जय घोष से मंदिरों को गुंजायमान कर दिया । बधाई गान के साथ साथ कई नाटक भजन आदि कार्यक्रम भी हुए। कस्बे के मुरली मनोहर मंदिर, गीता भवन ,हरिदास आश्रम, पोलादास मंदिर, राजीव कॉलोनी वार्ड नंबर 10 स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में, विज्यावाली ढाणी हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी वार्ड नंबर 11 ढाणी बिज्यावाली में श्री कृष्ण नवयुवक मंडल द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

वैज्ञानिकों ने बोर्नियो के अंधेरे जंगलों में एक अजीब से मांसाहारी पौधे की खोज की है, जो अपने शिकार को जमीन के अंदर पकड़ता है। चैक वैज्ञानिकों के नेतृत्व वाली एक अन्तर्राष्ट्रीय टीम ने पुष्टि की है कि, ''निपैंथस पुडिका'' पिचर प्लांट की ऐसी पहली प्रजाति है, जिनके पौधे जमीन के अंदर शिकार करते हैं। पिचर प्लांट मुख्यतः दक्षिणपूर्व एशिया में मिलते हैं। ऊपर चढ़ने वाली इन लताओं की पत्तियाँ रंगीन और जग के आकार की होती हैं जिनमें तरल पदार्थ होता है। पत्ती के सिरे पर बैठने वाले कीड़ों को ये पत्तियां अंदर खींच लेती हैं। यूरोप में ये पौधे काफी लोकप्रिय हैं, जहां 18 वीं सदी से इन्हें लोग अपने बगीचों में उगाते हैं। पैलकी युनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ इकॉलजी एण्ड एनवायरमेंट के मार्टिन डैनका ने कहा ''हमने एक ऐसा पिचर प्लांट खोजा है, जो अन्य ज्ञात प्रजातियों से एकदम अलग व्यवहार करता है। इस नई प्रजाति के फूलों के कप जमीन में 11 सैंटीमीटर अंदर होते हैं तथा जमीन के अंदर मिलने वाले अकशेरुकी जीवों, खासकर चींटियों, विभिन्न प्रकार की दीमक व बीटल्स को खा जाते हैं। फूलों के कप्स में मीठा तरल भरा होता है जो कीटों को आकर्षित करता है और एक बार कोई जीव जब पिचर में गिर जाता है तो बाहर नहीं निकल पाता, वहीं मर जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह मांसाहारी प्रजाति अपने ट्रैप्स को भूमि के नीचे इसलिए छुपाती है क्योंकि, संकड़ी पहाड़ियाँ, जिन पर ये पौधे उगते हैं, तुलनात्मक रुप से जल्दी सूख जाती हैं। दूसरी तरफ भूमिगत कन्दराओं में नमी होती है और भोजन की भरमार भी। वैज्ञानिकों को सबसे पहले ये पिचर एक पेड़ के नीचे गुहिका में छुपे मिले थे। विशेषज्ञ लुबोस महिस्की ने बताया, ''इसके बाद हमने ऐसे ही कई पेड़ देखे, हमने पाया कि इस प्रजाति की शाखाएं जमीन में जाती हैं।'' वैज्ञानिकों का मत है कि मांसाहारी पौधों की इस प्रजाति की खोज से स्थानीय वनों के संरक्षण में मदद मिलेगी। टीम में शामिल इण्डोनेशिया के वैज्ञानिक वेविन जिआस्मान्तो ने कहा कि, यह खोज इण्डोनेशिया में नेचर कंज़र्वेशन के लिए महत्वपूर्ण है, इससे बोर्निओ के ट्रॉपिकल रेन फॉरेस्ट और इसकी जैव विविधता की महत्ता स्पष्ट होती है। वेविन इण्डोनेशियन सैंटर फॉर द प्रोटैक्शन ऑफ वैटलैंड बायोटॉप्स के लिए काम करते हैं।

'आप कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते?'

अहमद पटेल के पुत्र, फैज़ल पटेल ने मु.मंत्री के ओ.एस.डी. शशिकांत शर्मा पर आरोप लगाया कि, ओ.एस.डी. उनके फोन तक नहीं उठाते

- **फैज़ल पटेल ने सोशल मीडिया पर यह भी लिखा कि, अल्पसंख्यक पृष्ठ भूमि के गरीब लोग मुझसे सम्पर्क करते हैं तथा साधारण कामों के लिये मदद मांगते हैं। मेरे दिवंगत पिता के बाद वे मुझसे उनकी समस्याओं का समाधान करने की उम्मीद करते हैं।**
- **बसपा मूल के विधायक वाजिब अली व वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अमीन खां भी अल्पसंख्यकों के काम न होने पर नाराजगी जता चुके हैं।**

जयपुर, 20 अगस्त (का.प्र.)। राजनीति में समय कितना तेजी के साथ बदलता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अहमद पटेल का परिवार। जब अहमद पटेल जिंदा थे, तो उनकी कही गई बातों की कांग्रेस में अक्षरशः पालना होती थी, लेकिन अब समय ऐसा आ गया है कि उनके पुत्र को सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर लिखकर कहना पड़ रहा है कि मुख्यमंत्री के ओएसडी फोन तक नहीं उठाते। दरअसल अहमद पटेल के पुत्र फैसल ने एक ट्वीट करके राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी शशिकांत शर्मा पर सीधे आरोप लगाते हुए लिखा है कि " शशिकांत शर्मा, तुम कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते?

इस ट्वीट के बाद खलबली मचना तय थी, और हुआ भी ऐसा ही। बाद में डैमेज कंट्रोल किया गया और इसके बाद फैसल ने यह ट्वीट हटा भी दिया, लेकिन यह ट्वीट तब तक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था।

गांधी परिवार के सबसे नजदीकी और कांग्रेस में सबसे शक्तिशाली नेताओं में शुमार रहे दिवंगत अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल कांग्रेस में अपनी अनदेखी को लेकर नाराजगी जताते आए हैं।

फैसल पटेल का एक ट्वीट अलसुबह 4 बजकर 57 मिनट पर पोस्ट हुआ, जिसमे राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत के ओएसडी को निशाने पर लिया गया था। इस ट्वीट के सामने आते ही कांग्रेस नेताओं में चर्चा होनी ही थी। ऐसे में चर्चाएं हुई, तो डैमेज कंट्रोल का प्रयास करते हुए पांच घंटे बाद ट्वीट को डिलीट करा दिया गया।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को टैग करते हुए फैसल पटेल ने लिखा था - शशिकांत शर्मा, तुम कभी मुझे जवाब क्यों नहीं देते ? फैसल का कहना है कि अल्पसंख्यक पृष्ठभूमि के गरीब लोग मुझसे संपर्क करते हैं।

मुझसे राजस्थान में साधारण काम के लिए मदद मांगते हैं। मेरे दिवंगत पिता अहमद पटेल के बाद वे मुझसे उनकी समस्याओं का समाधान करने की उम्मीद करते हैं।

अहमद पटेल ना सिर्फ कांग्रेस के सबसे ताकतवर नेताओं में से एक थे, बल्कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ताकत देने के साथ मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने में उनका सबसे बड़ा योगदान भी माना जाता है। फैसल पटेल को सार्वजनिक रूप से शशिकांत के खिलाफ लिखने की जरूरत पड़ी है, तो इसके राजनीतिक रूप से काफी गहरे मायने लगाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री के ओएसडी के खिलाफ बोलने के अलावा फैसल पटेल ने गरीब अल्पसंख्यकों के साधारण काम तक नहीं होने का भी मुद्दा उठाया है।

उल्लेखनीय है कि अल्पसंख्यकों के काम नहीं होने पर बसपा मूल के विधायक वाजिब अली भी नाराजगी जता चुके हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ मुस्लिम विधायक अमीन खान भी अल्पसंख्यक मंत्रियों को मजबूत विभाग नहीं देने को लेकर नाराजगी जता चुके हैं।

दरअसल फैसल पटेल ने कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ भी नाराजगी जताते हुए इसी साल अप्रैल में कहा था कि इंतजार करते-करते थक गया हूं। दरअसल फैसल पटेल का यह ट्वीट ऐसे समय पर आया है, जब गुजरात में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खुद विधानसभा चुनावों के लिए कैंपेनिंग शुरू कर चुके हैं। वहीं राजस्थान से गए मंत्री-विधायक भी विधानसभावार बैठक ले रहे हैं। इसलिए फैसल पटेल के इस समय किए गए इस ट्वीट के कई तरह के सियासी मायने हो सकते हैं।

बांग्लादेश की प्र.मंत्री शेख हसीना सितंबर में भारत आयेंगी

- **दोनों देशों के विदेश मंत्रालय इस संबंध में आपस में चर्चा कर शेख हसीना और प्र.मंत्री मोदी के बीच मीटिंग के मुद्दे फिक्स कर रहे हैं।**

नई दिल्ली, 20 अगस्त। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में व्यापार, संपर्क और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बड़ी चर्चा के आसार हैं। खबर है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत का दौरा करने जा रही हैं। वहीं, सितंबर में भारत आ सकती हैं। गुरुवार को ही हसीना ने बांग्लादेश में रह रहे हिंदू समुदाय के अधिकारों की बात की थी। उन्होंने अन्य धर्मों को मानने वाले लोगों से अपने आप को अल्पसंख्यक नहीं मानने की अपील की थी।

बांग्लादेश की पीएम हसीना 5 सितंबर को भारत आ सकती हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश मंत्रालय, सुरक्षा अधिकारियों और ढाका की टीम समेत भारत से इस दौरे के संबंध में चर्चाएं कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि वह 8 सितंबर तक भारत में रहेंगी।

चार दिवसीय यात्रा के दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय नेताओं से मुलाकात कर सकती हैं। इसके अलावा वह जयपुर और अजमेर शरीफ की यात्रा कर सकती हैं। 8 सितंबर को उनके ढाका लौटने की संभावना है। खबर है कि पी.एम. मोदी अपनी बांग्लादेशी समकक्ष के साथ संयुक्त रूप से वर्चुअली स्वाधीनता सड़क का उद्घाटन कर सकते हैं। 6 सितंबर को द्विपक्षीय वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, संपर्क और सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर अहम चर्चा हो सकती है।

इसके अलावा सूत्रों ने बताया कि भारत और बांग्लादेश सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग पर भी बातचीत कर सकते हैं।

खास बात है कि करोना महामारी शुरू होने के बाद पहली बार हसीना भारत यात्रा कर रही हैं। इससे पहले वह 2019 में भारत आई थीं। वहीं, पी.एम. मोदी बीती मार्च में बांग्लादेश गए थे।

अशोक गहलोत नहीं चाहते राजस्थान की जनता को पानी मिले: शेखावत

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्य के मु.मंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोला

- **शेखावत ने कहा, केन्द्र ने 29 हजार करोड़ दिए, 4 हजार करोड़ भी खर्च नहीं किए, 25 हजार करोड़ पर सांप बन कर बैठे हैं।**
- **उन्होंने यह भी कहा कि, घर-घर पानी पहुंचाने की केन्द्र सरकार की योजना में देश के अन्य प्रदेशों के मुकाबले में राजस्थान 30वें पायदान पर है।**

किशनगढ़ बास, 20 अगस्त (निसं)। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घर-घर पानी पहुंचाने की योजना के तहत राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार को एक करोड़ घरों तक पानी पहुंचाने के लिए 29 हजार करोड़ रूपए दिए लेकिन राजस्थान की सरकार ने उसमें से 4 हजार करोड़ रुपए भी जल योजना पर अभी तक खर्च नहीं किए हैं। 25 हजार करोड़ पर गहलोत सरकार सांप की तरह कुंडली मारकर बैठी है। केंद्रीय मंत्री ने यह बात किशनगढ़ बास में पूर्व विधायक रामहेत यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की ओर से किए स्वागत के दौरान अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कांग्रेस सरकार को डर है की मोदी की योजना का पानी राजस्थान की जनता को पिला दिया तो वह कही हमको होने वाले चुनाव में पानी नहीं पिला दे। इस सोच के कारण आज हमारा प्रदेश अन्य प्रदेशों के मुकाबले 30 व नंबर पर है।

हमारी केंद्र सरकार ने कोरोना से लड़ाई लड़ते देशभर में 10 करोड़ लोगों के घरों तक पानी पहुंचाने का काम किया है।

उन्होंने कहा, एक कहावत है मोरिया पगा को देख कर खुद रोए हैं। लेकिन मैं वादा करता हूं, राजस्थान की सरकार राष्ट्रीय परियोजना की बात करती है मैं नदी परियोजना लेकर आऊंगा और योजना का 90 प्रतिशत पैसा देकर 2024 में होने वाले देश के चुनाव से पहले राजस्थान में घर-घर पानी पहुंचाने के संकल्प को पूरा कर नरेंद्र मोदी के सपनों को हम साकार करेंगे।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, राजस्थान की कांग्रेस सरकार के कुशासन के चलते महिलाएं, बालिकाएं सुरक्षित नहीं हैं, साधु-संतों पर आए दिन अत्याचार हो रहे हैं, कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है माफियाओं के हवाले प्रदेश को छोड़ा है। जनता एक-एक दिन का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा यह हमारे कार्यकर्ताओं की चूक का परिणाम है जो आज राजस्थान की आठ करोड़ जनता कांग्रेस सरकार के कुशासन की सजा भुगत रही है। 2023 के राजस्थान में होने वाले चुनाव से पहले पूरी ताकत के साथ भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता सरकार के अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ेगा और सरकार को बेनकाब कर नरेंद्र मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाकर लाभ दिलाने का काम करेगा।

केंद्रीय मंत्री के पहुंचने से पहले पूर्व मंत्री हेम सिंह भड़ाना, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, पूर्व विधायक राम हेत सिंह यादव ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के राज में बिगड़ी अलवर जिले की कानून व्यवस्था व चरम सीमा पर पनप रहे भ्रष्टाचार और विकास में पिछड़ रहे अलवर जिले को लेकर प्रदेश की अशोक गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे किशनगढ़ बास पहुंचे थे।

शेखावत का राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे हेम सिंह भड़ाना, अलवर शहर पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, तिजारा पूर्व विधायक मामन सिंह यादव, पूर्व मंत्री जसवंत यादव के पुत्र मोहित यादव, जिला अध्यक्ष संजय सिंह नरूका, यूआईटी चेयरमैन रहे देवी सिंह शेखावत सहित अनेक नेताओं ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

डॉक्टरों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फार्मा कंपनी माइक्रो लैब्स लिमिटेड के वाइस प्रैसिडैंट जयराज गोविन्द राजू ने कहा कि "हमने कोविड महामारी के दौरान डोलो-650 पर निश्चित रूप से एक हजार करोड़ रूपए खर्च नहीं किए थे क्योंकि कोई भी कंपनी एक ऐसे ब्राण्ड पर इतनी अधिक धनराशि खर्च नहीं करेगी जिसकी पीक सेल पिछले वर्ष 350 करोड़ रूपयों की रही हो।" उन्होंने जोर देकर कहा कि कोर्ट में जो राशि बतायी गई है वह फार्मा कॉरपोरेट द्वारा पिछले कई वर्षों में व्यय की गई कुल मार्केटिंग कोस्ट है। फैडरेशन ऑफ मैडिकल सेल्स रिप्रैजेन्टेटिव्ज़ ऑफ इण्डिया (एफ.एम.आर.ए.आई.) द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट फार्मा मैन्युफैक्चरर्स द्वारा डॉक्टर्स पर अपनी दवाईयां लिखने का दबाव बनाने के भ्रष्टाचार को लेकर सावचेत हो गया था। एफ.एम.आर.ए.आई. ने अपनी याचिका में आयकर विभाग पर निगरानी रखने वाले सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरैक्ट टैक्सेस (सी.बी.डी.टी.) की इस टिप्पणी का हवाला दिया था कि डोला-650 के निर्माताओं ने मुफ्त उपहारों के रूप में 1 हजार करोड़ रूपए व्यय किए थे। नियमित फार्मा मार्केट पर यह जनहित याचिका वर्ष 2021 में दायर की गई थी।

आज राजीव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विस्तृत टैलीकॉम नैटवर्क के बिना भारत के आई.टी. और आई.टी.सर्विसेस वैश्विक ताकत नहीं बन सकती थीं जो बाद में बन गईं। 1980 में दशक में एक शहर से दूसरे शहर में किए जाने वाले फोन कॉल्स के खर्चो और जद्दोजहद को कोई याद कर सकता हैं। वे दुःस्वपन हुआ करते थे।

एक अन्य महत्वपूर्ण अग्रिम सोच थी सिविल एविएशन सैक्टर को प्रतिस्पर्धा के लिए खोलना राजीव गांधी स्वयं एक दक्ष पायलट थे और उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की एण्डियन एयरलाइन्स के विमान उड़ाए थे। उन्होंने वो समय देखा था जब सार्वजनिक क्षेत्र की दोनों एयरलाइन्स की विभिन्न ट्रेड यूनियन्स पूरी इण्डस्ट्री के कामकाज को ठप्प कर दिया करती थीं।

यदि एक दिन ग्राउण्ड इंजीनियर्स हड़ताल करते तो अगले दिन पायलट्स गिल्ड कुछ भत्तों या सुविधाओं की मांगों को लेकर उड़ाने निलम्बित कर देती थीं। यह सरल किन्तु हताशापूर्ण था। कलकता से दिल्ली था किसी अन्य दो शहरों के कनफर्म एयर टिकट प्राप्त करने के लिए एयरलाइन्स हाउस को फोन करके अपने काम का अनुरोध करना पड़ता था।

एयर टैक्सी सर्विसेस से ही शुरूआत करें तो राजीव गांधी के शुरूआती प्रयोगात्मक कदमों ने ही समूचे एयरलाइन सैक्टर को आर्थिक रूप से उदार बना दिया। आज मैं आश्चर्य करता हूं कि भारत में कितने लोग देश के शहरों में फ्लाइट से आते जाते हैं, लेकिन इण्डियन एयरलाइन्स इण्डस्ट्री को सार्वजनिक क्षेत्र के मजबूत दबदबे से बाहर निकालने की शुरूआती सोच के बिना यह कैसे संभव हो सकता था।

क्रमशः

'भद्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर. पर दिया गया था। सी.बी.आई. ने पहले वॉरंट दिखाया फिर ऑफिस व घर पर तलाशी ली।

हालांकि सिसोदिया को तुरंत गिरफ्तार नहीं दिया गया पर उन्हें आशंका है कि आगामी 2-4 दिन में उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

उन्होंने शनिवार को एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा, कि मुझे जेल भेजने की तैयारी हो रही है। उन्होंने दिल्ली की आबकारी नीति की तारीफ की और कहा कि इसे पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया गया था। इसमें कोई घोटाला नहीं हुआ।

परेशान किए जाने के लिए पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, मैं सी.बी.आई. को धन्यवाद देना चाहता हूं उन्होंने मेरे परिवार को कोई असुविधा नहीं पहुंचाई। उन्होंने भद्र व्यवहार किया। वे अच्छे अधिकारी थे पर उन्हें ऊपर से आदेश मिला था रेड डालने का।"

पाकिस्तान के प्र.मंत्री ने भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा जताई

- **डॉन अखबार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के हवाले से बताया कि, शरीफ ने गुरुवार को पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त उच्चायुक्त नील हॉकिन्स के साथ बैठक के दौरान ये विचार व्यक्त किए।**

इस्लामाबाद, 20 अगस्त। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा जताई है। उन्होंने समानता, न्याय और आपसी सम्मान के सिद्धांतों और कश्मीर मुद्दे के समाधान के आधार पर भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा व्यक्त की है। भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा जताने वाले शहबाज शरीफ आंतकवाद के मुद्दे पर चुप्पी साधे रखे हैं। जबकि भारत पाकिस्तान को बार-बार आतंकवाद के खिलाफ एक एक्शन की याद दिलाता रहा है।

पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार से आतंकवाद और कश्मीर मुद्दे को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच शरीफ ने अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय से दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सहायक भूमिका निभाने का भी आग्रह किया। डॉन अखबार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पी.एम.ओ.) के हवाले से बताया कि शरीफ ने गुरुवार को पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त उच्चायुक्त नील हॉकिन्स के साथ बैठक के दौरान ये विचार व्यक्त किए।

शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान समानता, न्याय और आपसी सम्मान के सिद्धांतों के आधार पर भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है। इस संदर्भ में, प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.) प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार जम्मू कश्मीर विवाद का एक उचित और शांतिपूर्ण समाधान अपरिहार्य है। अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को इस संबंध में एक सहायक भूमिका निभानी होगी, क्योंकि यह दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है।

भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में इस्लामाबाद के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। भारत ने यह भी कहा है कि आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। शरीफ की यह टिप्पणी भारत द्वारा जम्मू कश्मीर में रहने वाले गैर-स्थानीय लोगों को मतदान सूची में अपना नाम दर्ज कराने और केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव में मतदान करने की अनुमति देने के निर्णय के कुछ दिनों बाद आई है। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने से पहले, राज्य संबंधी कानून के तहत केवल जम्मू कश्मीर के स्थायी निवासी मतदान के हकदार थे।

संबंधित घटनाक्रम में, विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि वह जम्मू कश्मीर में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिए बाहरी कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों सहित अस्थायी निवासियों को भी अनुमति देने की भारत की घोषणा को स्पष्ट रूप से खारिज करता है। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह जम्मू-कश्मीर में तथाकथित चुनावों के परिणाम को प्रभावित करने और चुनाव पूर्व धांधली और खुले तौर पर हेरफेर के प्रयासों को प्रभावित करने के लिए भारत की सोची समझी रणनीति है।

ई.डी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि अन्य को दस्तावेजों के परीक्षण और इस केस में हुए बैंक लेनदेनों की जांच के बाद तलब किया जाएगा।

इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के गढ़ में अपनी पैठ बनाने को लेकर अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे में सिसोदिया को साथ लेकर जा रहे हैं। केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा कि गुजरात में दिल्ली की भांति ही बेहतर स्कूल, बेहतर अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक्स का गठन कर शिक्षा और स्वास्थ्य की गांरटी के आप पार्टी के वादे को स्पष्ट करने के लिए सिसोदिया को अपने साथ लेकर जा रहे हैं। गुजरात में भी बेहतर शिक्षा और इलाज निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

ये दोनों ही सोमवार को गुजरात के हिम्मत नगर और मंगलवार को भावनगर में होंगे। दिल्ली की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर अपने आवास पर शुक्रवार को मारे गए सी.बी.आई. छापे के बाद सिसोदिया की दिल्ली से बाहर की यह पहली पात्रा होगी।

'भाजपा केजरीवाल में मोदी के खिलाफ सशक्त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चतुराई पूर्ण प्रबंधन और दिल्ली के स्कूलों तथा एजुकेशन सिस्टम के "शानदार" कायापलट को लेकर दिल्ली सरकार को बदनाम करना है।"

सिसोदिया कहते हैं कि आप पार्टी की सरकार पर भाजपा के वर्तमान प्रहार का कारण दिल्ली सरकार की शिक्षा नीति की किसी अन्य द्वारा नहीं बल्कि न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा प्रशंसा करना है। भाजपा आप सरकार को मिली अन्तर्राष्ट्रीय प्रशंसा को नहीं पचा पायी और उनके खिलाफ की गई वर्तमान कार्रवाई उनके बॉस केजरीवाल पर भाजपा का एक सीधा प्रहार है।

उन्होंने खुलासा किया कि "पहले तो उन्होंने हमारे स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन को जेल में डाला और अब मेरे पीछे पड़ गए हैं। मुझे आशंका है कि उनकी योजना मुझे भी जेल भेजने की है।"

सिसोदिया ने कहा कि देश की जनता ने आप सरकार के अच्छे कार्यों की प्रशंसा की है, खासतौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में किए गए कार्यों की और इस उपलब्धि ने भाजपा में छटपटाहट पैदा कर दी है।

उन्होंने कहा कि "आप" का सुशासन मॉडल और जनता के कल्याण के प्रति केजरीवाल का पूर्ण समर्पण, भाजपा की राजनीतिक नौटंकी और गैर भाजपा शासित राज्यों की सरकारें गिराने के तरीके ढूंढने में मोदी के पूर्ण समर्पण के विपरीत है।

सिसोदिया ने कहा कि "भाजपा शासित केन्द्र सरकार आबकारी घोटाले को लेकर चिंतित है क्योंकि वह उन्हें आगामी लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी के मुख्य चुनौतीपूर्ण के रूप मे देखती है।"

सिसोदिया ने किसी प्रकार के भ्रष्टाचार से इंकार करते हुए कहा कि आबकारी नीति को पूर्ण पारदर्शिता के साथ लागू किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें आशंका है कि आगामी दिनों में उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, लेकिन यह कदम उनकी पार्टी को अच्छे कार्य करने से नहीं रोक पाएगा।

उन्होंने दोहराया कि दिल्ली के एजुकेशन मॉडल पर गुरूवार को न्यूयॉर्क टाइम्स के प्रथम पृष्ठ पर छपी खबर को लेकर केन्द्र सरकार उद्वेलित थी।

सी.बी.आई. ने सिसोदिया के दिल्ली स्थित आवास के अलावा सात राज्यों के 31 अन्य स्थलों पर तलाशी अभियान चलाया। आबकारी नीति के उल्लंघनों को लेकर दर्ज सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. में 15 आरोपियों के नामों की लिस्ट है, जिसमें सिसोदिया शीर्ष पर हैं। कुल 11 पृष्ठों के दस्तावेज में जो अपराध सूचीबद्ध हैं, उनमें भ्रष्टाचार, आपराधिक षड़यन्त्र और खातों में हेरा फेरी करना है।

गत नवम्बर माह में लागू की गई आबकारी नीति के तहत शराब की दुकानों के लायसैंस प्राइवेट पार्टियों को दिए गए, लेकिन दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफैंस विंग ने इसकी जांच शुरू की तो सिसोदिया ने इस नीति को वापस ले लिया।

सी.बी.आई. का कहना है कि सिसोदिया ने एक नई नीति लागू की, जिसमें लैफ्टिनैंट गवर्नर की अनुमति के बिना यह तय किया गया कि दिल्ली में शराब बेचने की इजाजत किसे दी जाएगी।

लैफ्टिनैंट गवर्नर दिल्ली में केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि हैं।

सी.बी.आई. ने अपनी एफ.आई.आर. में दावा किया कि एक शराब व्यवसायी ने सिसोदिया के साथी की एक कम्पनी को 1 करोड़ रूपए दिए थे।

जांच एजेंसी का आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण और क्रियान्विति में बरती गई अनियमितताओं में शराब कम्पनियां और मध्यस्थ सक्रिय रूप से शामिल थे।

दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना ने सिसोदिया पर छापे पड़ने के बाद गत सायं 12 आई.ए.एस. अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश दिए।

लैफ्टिनैंट गवर्नर ने पिछले माह यह आरोप लगाते हुए सी.बी.आई. जांच की मांग की थी कि आप सरकार ने मनीष सिसोदिया से लेकर सरकार के प्रमुख लोगों को वित्तीय लाभ पहुंचाने के एक मात्र उद्देश्य को ध्यान में रख आबकारी नीति लागू की थी।

स्टैण्ड अप कमीडियन पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की अनुमति दे दी। और भी खास बात यह रही कि पुलिस ने एहतियातन कुछ लोग गिरफ्तार भी कर लिये तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी ताकि कोई अप्रिय घटना नहीं घटे।

यह शो शनिवार को हो रहा हैं।

शहर की पुलिस ने भाजपा विधायक टी. राजासिंह को शुक्रवार को ही गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उन्होंने अपने समर्थकों का आव्हान किया था कि वे मुनव्वर फारूक़ी के शो में बाधा डालें। भाजपा के इस जनप्रतिनिधि ने कॉमेडियन फारूक़ी के खिलाफ वही कारण दिये थे, जो बेंगलुरू के ऐक्टिविस्टों ने दिये थे। भाजपा विधायक ने कहा था कि फारूक़ी का ट्रैक रिकार्ड हिन्दू देवताओं को अपमानित करने का रहा हैं।

इससे पूर्व, भाजपा विधायक ने कहा था कि अगर शो जारी रहा, तो उनके कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल को आग लगा देंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि जो कुछ भी घटित होगा, उसके लिये तेलंगाना सरकार एवं पुलिस जिम्मेदार होगी। गिरफ्तार कर लिये जाने के बाद, भाजपा विधायक ने सोशल मीडिया पर कहा कि "आज मुझे तेलंगाना पुलिस ने नजरबन्द कर दिया है। टी.आर.एस. सरकार पूरी तरह हिन्दू-विरोधी पार्टी हो गई हैं। 22 अगस्त को जो कुछ होगा, उसके लिये टी.आर.एस. सरकार तथा तेलंगाना पुलिस जिम्मेदार होगी।

राजनैतिक विश्लेषक हिन्दुत्व-समर्थक संगठनों की इस कार्यवाही को ऐसी भावनाएं भड़काये जाने के रूप में देख रहे हैं, जो हिन्दू वोटों को भाजपा के पक्ष में एकजुट करने में मदद कर सकती हैं। तेलंगाना में, भाजपा इस मामले में सीधे ही कूद गई है तथा उसने धमकियाँ एवं चेतावनियाँ भी जारी कर दी हैं। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने की टी.आर.एस. के उद्‌देश्य के साथ भाजपा प्रतियोगिता में आने की कोशिश कर रही हैं। सम्भवतः, किसी मज़ाक को समझ पाने की क्षमता के अभाव में, राजनैतिक दल अपनी आलोचना को लेकर कुछ-कुछ असंवेदनशील हो गये हैं। वस्तुतः, वे कटाक्ष या मज़ाक को समझने में ही असमर्थ हैं।

कॉमेडियनों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने के बहुत से उदाहरण हैं, जैसे राजस्थान के श्याम रंगीला के साथ हुआ था। रंगीला ने पेट्रोल पम्प को पृष्ठभूमि के रूप में काम में लेते हुये, जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ने पर कटाक्ष किया, तो उन्हें घेर लिया गया था। पेट्रोल की ऊँची कीमतें एक ऐसा विषय है जिससे सत्तारूढ़ भाजपा के बहुत से लोग बहुत ज्यादा उत्तेजित हो जाते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

17.78 cm Smartplay Studio (Available from Zeta variant onwards)

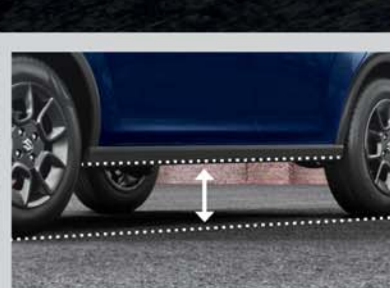
High Ground Clearance and SUV-LIKE stance

Auto Gear Shift

Spacious and Comfortable Interiors

1.2L VVT Petrol Engine

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO www.nexaexperience.com TO AVAIL EXCITING OFFERS.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

JAIPUR: NEXA MANSAROVAR (AURIC MOTORS PH: 8929207442), **NEXA VKIA SIKAR ROAD** (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), **NEXA QUEENS ROAD** (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), **NEXA TONK ROAD** (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), **NEXA AJMER ROAD** (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), **AJMER: NEXA MAKHUPURA** (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), **ALWAR: NEXA MANHAR VILLA** (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313), **BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE** (CHAMPION CARS PH: 8081133333), **BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD** (AURIC MOTORS PH: 7230081665), **JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL** (AURIC MOTORS PH: 7412087314), **JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD** (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), **NEXA SHASTRI CIRCLE** (AURIC MOTORS PH: 8875012697), **PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD** (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), **KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE** (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), **NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR** (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), **BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL** (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), **SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD** (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), **SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH** (AURIC MOTORS PH: 7412092301), **UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS** (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580).

*Finance scheme details mentioned above are at the sole discretion of financier and terms and conditions as specified by the financier shall apply. For more details, please contact your nearest NEXA dealership. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice.

Scan to know more.

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION

- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)